

## REGISTER TIL FORLSAG TIL NY TEKSTBOK FOR DEN NORSKE KIRKE

Innholdsangivelsen til den enkelte tekst er bare stikkord til hjelp under utarbeidelsen av tekstboken, og skal ikke være med i de endelige registre. Innholdsangivelsen er vanligvis hentet fra overskriften som Bibelselskapet har satt over avsnittet, men i en del tilfelle egner ikke overskriften seg, da perikopen kan være mindre enn avsnittet.

Første og andre kolonne har kode for kirkeårsdagen og bibelkode, til bruk under sortering i kirkeårsrekkefølge og bibelrekkefølge.

I fjerde kolonne fra høyre er det angitt med en **O** hvilke tekster som overlapper hverandre med mer enn ett vers. Fortellingstekstene er ikke regnet med her.

I tredje kolonne fra høyre er angitt kildene for forslaget til tekstbok 2010

- 07 = Utkast til tekstbok levert 1. juli 2007
- 08 = Forslag til tekstbok - Høringsutgaven 2008
- 09 = Innspill fra høringsinstansene 2009
- 10 = Kvalitetssikringen 2010

NB! Angivelsen i denne kolonnen er svært upresis, da mange tekster har fått endret avgrensning gjennom de ulike fasene i arbeidet med tekstboken.

I kolonnen lengst til høyre er det angitt hvilke tekster som er med fra *Kirkeårets tekster*:

- 77 = *Kirkeårets tekster* med revisjon 1983 (Omtalt i forordet 1983)
- 88 = Revisjon av *Kirkeårets tekster* 1988/99.  
Dette året kom det 106 nye tekster. Av disse er 41 med i forslaget 2010.
- 99 = Tillegg av tekster til Mikkelmesse  
Det var 10 tekster til Mikkelmesse. Av disse er 6 med i forslaget 2010.

### FORKORTELSER I REGISTRENE

|                  |                            |        |                              |        |                            |
|------------------|----------------------------|--------|------------------------------|--------|----------------------------|
| 1sia             | = 1. søndag i adventstiden | Palm   | = Palmesøndag                | Same   | = Samefolkets dag          |
| Julaft           | = Julaften                 | Skj    | = Skjærtorsdag               | 1mai   | = 1. mai                   |
| Jnatt            | = Julenatt /ottesang       | Lang   | = Langfredag                 | 17mai  | =17. mai                   |
| Juled            | = Juledag                  | Pånatt | = Påskenatt /ottesang        | Jonsok | = Sankthansdagen / Jonsok  |
| 2jul             | = 2. juledag               | Pådag  | = Påskedag                   | Olsok  | = Olavsdagen / Olsok       |
| Romj             | = Romjulssøndag            | 2på    | = 2. påskedag                | Mikkel | = Mikkelmesse              |
| Nyaft            | = Nyttårsaften             | 2sip   | = 2. søndag i påsketiden     | Høstt  | = Høsttakkefest            |
| Nydag            | = Nyttårsdag               | KrHi   | = Kristi himmelfartsdag      | AH     | = Allehelgensdag           |
| KrÅp             | = Kristi åpenbaringsdag    | Sfpi   | = Søndag før pinse           | Minne  | = Minnedag                 |
| 2sia             | = 2. sønd i                | Pidag  | = Pinsedag                   | Skap   | = Skaperverket             |
| åpenbaringstiden |                            | 2pi    | = 2. pinsedag                | Enh    | = Kristen enhet            |
| Såm              | = Såmannssøndag            | Treen  | = Treenighetssøndag          | Rettf  | = Rettferdighet og fred    |
| Fastel           | = Fastelavnssøndag         | 2sit   | = 2. sønd i treenighetstiden | Forf   | = Forfulgte og undertrykte |
| Aske             | = Askeonsdag               | KrFo   | = Kristi forklarelsesdag     |        |                            |
| 1sif             | = 1. søndag i fastetiden   | Sist   | = Siste søndag i kirkeåret   |        |                            |
| MB               | = Maria budskapsdag        | Kyndel | = Kyndelsmesse               |        |                            |

## REGISTER I BIBELREKKEFØLGE

|      |          |            |     |                                       |                                     |   |    |      |
|------|----------|------------|-----|---------------------------------------|-------------------------------------|---|----|------|
| 30a1 | 01001001 | PånattA    | A   | 1 Mos 1,1-5;1,26-2,2                  | Gud skaper lyset og menneskene      | O | 07 |      |
| 40b1 | 01001001 | PidagII    | II  | 1 Mos 1,1-5                           | Guds Ånd svevet over vannet         | O | 07 | 77   |
| 59fl | 01001001 | 18sitF     | F   | 1 Mos 1,1-2,4a                        | Skapelsen                           |   | 07 | 88   |
| 74c1 | 01001011 | JonsokIII  | III | 1 Mos 1,11-19                         | Gud skapte sol og måne              |   | 07 | 77   |
| 14a1 | 01001027 | 3siåI      | I   | 1 Mos 1,26-31                         | Mann og kvinne i Guds bilde         | O | 10 | 77   |
| 40a1 | 01002004 | PidagI     | I   | 1 Mos 2,4b-9                          | Guds livspust og livets tre         | O | 07 | 77   |
| 71a1 | 01002004 | SameI      | I   | 1 Mos 2,4b-25                         | Gud formet mannen av jord           | O | 10 |      |
| 71fl | 01002004 | SameF      | F   | 1 Mos 2,4b-25                         | Skapelsen                           |   | 10 |      |
| 80b1 | 01002004 | SkapII     | II  | 1 Mos 2,4b-15                         | Å dyrke og passe hagen              | O | 10 | 77   |
| 22a1 | 01002008 | 1sifI      | I   | 1 Mos 2,8-9;3,1-8                     | Syndefallet                         |   | 07 | 77   |
| 60b1 | 01002018 | 19sitII    | II  | 1 Mos 2,18-25                         | De to skal være ett                 |   | 07 | 77   |
| 64fl | 01003001 | 23sitF     | F   | 1 Mos 3,1-24                          | Syndefallet og oppgjøret            |   | 07 |      |
| 23b1 | 01003008 | 2sifII     | II  | 1 Mos 3,8-15                          | Oppgjør etter syndefallet           |   | 07 |      |
| 22b1 | 01004001 | 1sifII     | II  | 1 Mos 4,1-7                           | Du skal være herre over synden      |   | 07 | 77   |
| 62fl | 01004001 | 21sitF     | F   | 1 Mos 4,1-16                          | Kain og Abel                        |   | 07 | 77   |
| 50c1 | 01004008 | 9sitIII    | III | 1 Mos 4,8-15                          | Skal jeg vokte min bror?            |   | 07 | 77   |
| 80fl | 01006009 | SkapF      | F   | 1 Mos 6,9-22; 7,17;<br>8,6-17; 9,8-17 | Noah og storflommen                 |   | 07 | 77   |
| 80a1 | 01009008 | SkapI      | I   | 1 Mos 9,8-17                          | Guds pakt med Noah                  |   | 07 | 77   |
| 40c1 | 01011001 | PidagIII   | III | 1 Mos 11,1-9                          | Tårnet i Babel                      |   | 07 | 77   |
| 39fl | 01011009 | SfpiF      | F   | 1 Mos 11,1-9                          | Tårnet i Babel                      |   | 07 | 77   |
| 47a1 | 01012001 | 6sitI      | I   | 1 Mos 12,1-4                          | Gud kaller og velsigner Abram       |   | 07 | 77   |
| 75fl | 01012001 | OlsokF     | F   | 1 Mos 12,1-5; 15,1-6;<br>17,15-27     | Guds løfter til Abraham             |   | 07 | 77   |
| 16a1 | 01015001 | 5siåI      | I   | 1 Mos 15,1-6                          | Herren regnet ham som<br>rettferdig |   | 07 | 77   |
| 48a1 | 01016001 | 7sitI      | I   | 1 Mos 16,1-13                         | Hagar gir Gud et navn               |   | 07 | >    |
| 42b1 | 01018001 | TreenII    | II  | 1 Mos 18,1-8                          | Herren gjester Abraham              |   | 08 |      |
| 52c1 | 01021009 | 11sitIII   | III | 1 Mos 21,9-13                         | Isak og trellkvinnens sønn          |   | 07 |      |
| 25a1 | 01022001 | 4sifI      | I   | 1 Mos 22,1-14                         | Gud setter Abraham på prøve         |   | 07 | 88   |
| 79b1 | 01023001 | MinneII    | II  | 1 Mos 23,1-6                          | Abraham sørget over Sara            |   | 07 |      |
| 79fl | 01023001 | MinneF     | F   | 1 Mos 23,1-20                         | Abraham sørger over Sara            |   | 07 |      |
| 45a1 | 01025027 | 4sitI      | I   | 1 Mos 25,27-34                        | Esau selger førstefødselsretten     |   | 07 |      |
| 21fl | 01027001 | AskeF      | F   | 1 Mos 27,1-29                         | Jakob lurte til seg velsignelsen    |   | 10 |      |
| 10fl | 01028010 | NyafF      | F   | 1 Mos 28,10-29,1                      | Jakobs drøm                         |   | 07 | 88   |
| 76c1 | 01028010 | MikkellIII | III | 1 Mos 28,10-19a                       | Jakobs drøm                         |   | 07 | 99   |
| 23a1 | 01032024 | 2sifI      | I   | 1 Mos 32,24-30                        | Jakobs kamp                         |   | 09 | 77   |
| 51c1 | 01033001 | 10sitIII   | III | 1 Mos 33,1-11                         | Jakobs møte med Esau                |   | 07 |      |
| 22fl | 01037001 | 1sifF      | F   | 1 Mos 37,1-36                         | Josef og brødrene hans              |   | 07 |      |
| 23fl | 01039001 | 2sifF      | F   | 1 Mos 39,1-23                         | Josef hos Potifar                   |   | 07 |      |
| 24fl | 01045001 | 3sifF      | F   | 1 Mos 45,1-15;50,14-21                | Josef tilgir sine brødre            |   | 07 |      |
| 32b1 | 01045001 | 2påII      | II  | 1 Mos 45,1-15                         | Josef forteller hvem han er         |   | 07 |      |
| 51b1 | 01050014 | 10sitII    | II  | 1 Mos 50,14-21                        | Josef tilgir sine brødre            | O | 07 | 77   |
| 81c1 | 01050014 | EnhIII     | III | 1 Mos 50,14-21                        | Josef tilgir sine brødre            | O | 07 | 77   |
| 49fl | 02001008 | 8sitF      | F   | 2 Mos 1,8-2,10                        | Miriam redder Moses                 |   | 07 | 88   |
| 09b1 | 02001015 | RomjII     | II  | 2 Mos 1,15-21                         | Jordmødrene fryktet Gud             |   | 07 | 77   |
| 13b1 | 02001022 | 2siåII     | II  | 2 Mos 1,22-2,10                       | Moses blir født                     |   | 07 | 77   |
| 50fl | 02002023 | 9sitF      | F   | 2 Mos 2,23-3,15;4,10-16               | Gud kaller Moses                    |   | 07 |      |
| 72c1 | 02002023 | 1maiIII    | III | 2 Mos 2,23-25;3,7-10                  | Nødpet har nådd opp til meg         |   | 07 |      |
| 19b1 | 02003001 | KrFoII     | II  | 2 Mos 3,1-6                           | Moses og tornebusken                |   | 07 | 77   |
| 71c1 | 02003001 | SameIII    | III | 2 Mos 3,1-6                           | Moses og tornebusken                | O | 10 |      |
| 83c1 | 02003007 | ForfIII    | III | 2 Mos 3,7-10                          | Nødpet har nådd opp til meg         |   | 07 | 77   |
| 15b1 | 02003010 | 4siåII     | II  | 2 Mos 3,10-12; 4,10-16                | Hvem har gitt mennesket munn?       |   | 07 | 77   |
| 14c1 | 02003013 | 3siåIII    | III | 2 Mos 3,13-15                         | Jeg er den jeg er                   |   | 07 | 77   |
| 25fl | 02012001 | 4sifF      | F   | 2 Mos 12,1-28                         | Påskemåltidet og utferden           |   | 07 | 77   |
| 28a1 | 02012001 | SkjærI     | I   | 2 Mos 12,1.3-8.11-14                  | Herren innstifter påskehøytiden     |   | 07 | > 77 |
| 27a1 | 02012021 | PalmI      | I   | 2 Mos 12,21-28                        | Påskelammet                         |   | 07 | 77   |
| 30a2 | 02014001 | PånattA    |     | og 2 Mos 14,1-22                      | Sivsjø-underet                      | O | 07 | 77   |
| 43a1 | 02014015 | 2sitI      | I   | 2 Mos 14,15-22                        | Sivsjøunderet                       | O | 07 | 77   |
| 31c1 | 02015001 | PådagIII   | III | 2 Mos 15,1-3                          | Hest og kriger styrtet han i sjøen  |   | 07 | >    |

|      |          |          |     |                                   |                                       |   |    |      |
|------|----------|----------|-----|-----------------------------------|---------------------------------------|---|----|------|
| 57fl | 02016011 | 16sitF   | F   | 2 Mos 16,11-18                    | Gud gav folket manna                  |   | 07 | 77   |
| 41c1 | 02017001 | 2piIII   | III | 2 Mos 17,1-7                      | Vann av klippen                       |   | 07 | 88   |
| 55c1 | 02018013 | 14sitIII | III | 2 Mos 18,13-24                    | Jetro gir Moses råd                   |   | 07 |      |
| 56b1 | 02019001 | 15sitII  | II  | 2 Mos 19,1-5                      | Dersom dere vil lytte til mine ord    |   | 10 | 77   |
| 52b1 | 02020001 | 11sitII  | II  | 2 Mos 20,1-17                     | De ti bud                             |   | 07 | 77   |
| 76a1 | 02023020 | Mikkell  | I   | 2 Mos 23,20-22                    | Jeg sender en engel foran deg         |   | 07 | 99   |
| 49a1 | 02032001 | 8sitI    | I   | 2 Mos 32,1-4.30-35                | Gullkalven og Moses' bønn             |   | 07 | > 88 |
| 19c1 | 02034027 | KrFoIII  | III | 2 Mos 34,27-35                    | Det strålte av ansiktet hans          |   | 07 | 77   |
| 49b1 | 02036002 | 8sitII   | II  | 2 Mos 36,2-7                      | Det de ga var mer enn nok             |   | 07 |      |
| 63c1 | 03019001 | 22sitIII | III | 3 Mos 19,1-2.16-18.33-34          | Dere har selv vært innflyttere        |   | 09 | 77   |
| 11a1 | 04006022 | NydagI   | I   | 4 Mos 6,22-27                     | Velsignelsen                          |   | 07 | 77   |
| 54c1 | 04013017 | 13sitIII | III | 4 Mos 13,17-27                    | Moses sender ut speidere              |   | 10 | .    |
| 25b1 | 04021004 | 4sifII   | II  | 4 Mos 21,4-9                      | Kobberstangen                         |   | 07 | 77   |
| 18c1 | 05006001 | SåmIII   | III | 5 Mos 6,1-9                       | Du skal elske Herren din Gud          | O | 09 | 77   |
| 49c1 | 05006001 | 8sitIII  | III | 5 Mos 6,1-9                       | Du skal elske Herren din Gud          | O | 09 | 77   |
| 25c1 | 05008002 | 4sifIII  | III | 5 Mos 8,2-3                       | Herren ledet i ørkenen                |   | 10 | .    |
| 53b1 | 05008007 | 12sitII  | II  | 5 Mos 8,7.11-18                   | Glem ikke Herren, din Gud             | O | 10 | .    |
| 73c1 | 05008011 | 17maiIII | III | 5 Mos 8,11-14                     | Vokt deg så du ikke glemmer           | O | 10 | 77   |
| 62b1 | 05015007 | 21sitII  | II  | 5 Mos 15,7-8.10-11                | Lukk opp hånden                       |   | 07 | 77   |
| 19a1 | 05018015 | KrFoI    | I   | 5 Mos 18,15-18                    | En profet som deg                     |   | 07 | 77   |
| 77a1 | 05026001 | HøstI    | I   | 5 Mos 26,1-11                     | Førstegrøden                          |   | 07 | 77   |
| 59b1 | 05030011 | 18sitII  | II  | 5 Mos 30,11-15                    | Ordet er deg ganske nær               |   | 08 | 77   |
| 69c1 | 05030015 | SistIII  | III | 5 Mos 30,15-20                    | Jeg har lagt fram for dere liv og død | O | 09 | 77   |
| 75b1 | 05030019 | OlsokII  | II  | 5 Mos 30,19-20a                   | Velg livet                            | O | 07 | 77   |
| 45b1 | 06024019 | 4sitII   | II  | Jos 24,19-24                      | Herren vil vi tjene                   |   | 07 | 77   |
| 74a1 | 07013002 | JonsokI  | I   | Dom 13,2-7.24-25                  | Samsons fødsel                        |   | 10 | .    |
| 56c1 | 08001007 | 15sitIII | III | Rut 1,7-11.16-19a                 | Rut og No'omi                         |   | 07 |      |
| 60fl | 08001007 | 19sitF   | F   | Rut 1,7-11.16-19a; 2,8-11;4,13-17 | Fortellingen om Rut                   |   | 07 |      |
| 60c1 | 08002008 | 19sitIII | III | Rut 2,8-11                        | Boas og Rut                           |   | 07 |      |
| 04a1 | 08004013 | 4siaI    | I   | Rut 4,13-17                       | Ruth blir stammor til David           |   | 07 |      |
| 44c1 | 09001009 | 3sitIII  | III | 1 Sam 1,9-18                      | Jeg vil gi min sønn til Herren        |   | 07 |      |
| 26c1 | 09001021 | MBIII    | III | 1 Sam 1,21-28                     | Hanna får Samuel                      | O | 07 |      |
| 70a1 | 09001021 | KyndellI | I   | 1 Sam 1,21-28                     | Hanna får Samuel                      | O | 07 |      |
| 38c1 | 09002001 | KrHiIII  | III | 1 Sam 2,1-9                       | En Gud som allting vet                |   | 07 | 77   |
| 34fl | 09003001 | 3sipF    | F   | 1 Sam 3,1-10                      | Herren kaller Samuel                  |   | 07 | 77   |
| 59c1 | 09003001 | 18sitIII | III | 1 Sam 3,1-11                      | Herren kaller Samuel                  |   | 10 | .    |
| 35fl | 09015034 | 4sipF    | F   | 1 Sam 15,34-16,13                 | Samuel salver David til konge         |   | 07 | 77   |
| 60a1 | 09018001 | 19sitI   | I   | 1 Sam 18,1-4                      | Jonathan slutter pakt med David       |   | 07 |      |
| 24a1 | 09018006 | 3sifI    | I   | 1 Sam 18,6-14                     | Saul blir misunnelig på David         |   | 07 | >    |
| 36fl | 10001002 | 5sipF    | F   | 2 Sam 11,2-5.14-17; 12,1-10       | David, Batseba og Natan               |   | 07 |      |
| 22c1 | 10012001 | 1sifIII  | III | 2 Sam 12,1-10                     | Natan og David                        |   | 07 |      |
| 75c1 | 10023001 | OlsokIII | III | 2 Sam 23,1-4                      | Å styre folket med rettferd           |   | 07 |      |
| 37c1 | 11003005 | 6sipIII  | III | 1 Kong 3,5-14                     | Et lydhørt hjerte                     |   | 07 |      |
| 36c1 | 11008012 | 5sipIII  | III | 1 Kong 8,12-13.27-30              | Salomo ber for templet                |   | 07 | 88   |
| 77fl | 11017001 | HøstF    | F   | 1 Kong 17,1-16                    | Elia og enken i Sarepta               |   | 07 | 77   |
| 36b1 | 11017008 | 5sipII   | II  | 1 Kong 17,8-16                    | Enken i Sarepta                       |   | 08 | 77   |
| 58b1 | 11017017 | 17sitII  | II  | 1 Kong 17,17-24                   | Elia vekker opp enkens sønn           |   | 07 |      |
| 39c1 | 11019005 | SfpiIII  | III | 1 Kong 19,3b-13                   | Herren åpenbarer seg                  |   | 07 | < 88 |
| 81fl | 12005001 | EnhF     | F   | 2 Kong 5,1-5.9-15                 | Na'aman og piken fra Israel           |   | 07 | 77   |
| 37fl | 13028001 | 6sipF    | F   | 1 Krøn 28,1-21                    | David, Salomo og Herrens hus          |   | 07 |      |
| 73b1 | 13029010 | 17maiII  | II  | 1 Krøn 29,10-14                   | Vi gir det vi har fått av deg         | O | 07 |      |
| 55b1 | 14001007 | 14sitII  | II  | 2 Krøn 1,7-12                     | Salomo ber om visdom                  |   | 07 |      |
| 54a1 | 16009019 | 13sitI   | I   | Neh 9,19-21                       | Du forlot dem ikke i ørkenen          |   | 08 |      |
| 82fl | 17003007 | RettfF   | F   | Ester 3,7-11;4,1-17;9,20-22       | Ester redder sitt folk                |   | 07 |      |
| 24b1 | 18002001 | 3sifII   | II  | Job 2,1-10                        | Godt og vondt fra Gud                 |   | 07 | 88   |
| 83b1 | 18017007 | ForfII   | II  | Job 17,7-15                       | Er det noen som øyner håp             |   | 09 |      |
| 58a1 | 18019021 | 17sitI   | III | Job 19,21-27                      | Jeg vet at min gjenløser lever        |   | 07 | 77   |
| 69b1 | 18028020 | SistII   | II  | Job 28,20-28                      | Å frykte Herren, det er visdom        |   | 07 |      |
| 09a1 | 19001001 | RomjI    | I   | Salme 1,1-6                       | De to veier                           |   | 07 |      |
| 48c1 | 19008001 | 7sitIII  | III | Salme 8,2-10                      | Hva er da et menneske                 |   | 09 | 88   |

|      |          |            |     |                                       |                                    |      |   |    |
|------|----------|------------|-----|---------------------------------------|------------------------------------|------|---|----|
| 57c1 | 19013002 | 16sitIII   | III | Salme 13,2-6                          | Hvor lenge, Herre?                 | 10   |   |    |
| 80c1 | 19019002 | SkapII     | II  | Salme 19,2-7                          | Himmelen forkynner Guds herlighet  | 10   |   | 88 |
| 45c1 | 19022008 | 4sitIII    | III | Salme 22,8-12                         | Gud som jordmor                    | 09   | < | 77 |
| 34c1 | 19023001 | 3sipIII    | III | Salme 23,1-6                          | Herren er min hyrde                | 10   | . | 77 |
| 01a1 | 19024001 | 1siaII     | I   | Salme 24,1-10                         | Gjør døren høy                     | 07   |   | 77 |
| 51a1 | 19032001 | 10sitI     | I   | Salme 32,1-11                         | Jeg vil bekjenne mine synder       | 07   |   | 77 |
| 02a1 | 19033012 | 2siaI      | I   | Salme 33,18-22                        | Han kan fri dem fra døden          | 07   | > | 77 |
| 59a1 | 19036006 | 18sitI     | I   | Salme 36,6-11                         | Hos deg er livets kilde            | 10   | . |    |
| 57a1 | 19040002 | 16sitI     | I   | Salme 40,2-6                          | En Gud som allting vet             | 07   | > | 77 |
| 77b1 | 19065010 | HøstII     | II  | Salme 65,10-14                        | Du har gitt jorden regn            | 07   |   |    |
| 43b1 | 19067002 | 2sitII     | II  | Salme 67,2-6                          | Folkene skal prise deg             | 09   |   | 77 |
| 11c1 | 19072017 | NydagIII   | III | Salme 72,17-19                        | La hans navn bestå til evig tid    | 07   |   |    |
| 64b1 | 19073023 | 23sitII    | II  | Salme 73,23-28                        | Siden tar du meg opp i herlighet   | 10   | . | 77 |
| 78b1 | 19084002 | AHII       | II  | Salme 84,2-8                          | Salige er de som bor i ditt hus    | 07   |   | 88 |
| 08b1 | 19086011 | 2julIII    | II  | Salme 86,11-17                        | Gi meg et udelt hjerte             | 07   |   |    |
| 70c1 | 19089012 | KyndelIII  | III | Salme 89,12-18                        | De som vandrer i ditt åsyns lys    | 07   |   |    |
| 79a1 | 19090001 | Minnel     | I   | Salme 90,1-4.12-14                    | Å vente på hjelp fra Herren        | O 10 |   | 88 |
| 57b1 | 19090013 | 16sitII    | II  | Salme 90,13-17                        | Vend tilbake, Herre! Hvor lenge?   | O 07 |   |    |
| 76b1 | 19091001 | MikkellIII | II  | Salme 91,1-2.9-16                     | Han skal gi sine engler befaling   | 07   |   | 99 |
| 55a1 | 19092002 | 14sitI     | I   | Salme 92,2-6.14-16                    | Med ditt verk har du gledet meg    | 10   |   |    |
| 16c1 | 19103001 | 5siaIII    | III | Salme 103,1-6                         | Han tilgir og leger                | 07   |   | 77 |
| 11b1 | 19103013 | NydagII    | II  | Salme 103,13-18                       | Forgjengelighet og miskunn         | 10   | . | 77 |
| 77c1 | 19104024 | HøstIII    | III | Salme 104,24-30                       | Hvor mange dine gjerninger er      | 10   |   | 88 |
| 16b1 | 19107023 | 5siaII     | II  | Salme 107,23-32                       | Han fikk stormen til å stilne      | 07   |   | 88 |
| 38a1 | 19110001 | KrHiI      | I   | Salme 110,1-3                         | Sett deg ved min høyre hånd        | 09   |   | 77 |
| 280p | 19111001 | SkjærP     |     | Salme 111, 2 / 4 / 5<br>Om kvad: v 1a | Han gir mat                        | 07   |   |    |
| 28c1 | 19116001 | SkjærIII   | III | Salme 116,1-14                        | Herren kom meg til hjelp           | 10   |   | 88 |
| 31a1 | 19118018 | PådagI     | I   | Salme 118,14-24                       | Dagen som Herren har gjort         | 07   | < | 88 |
| 17b1 | 19119080 | 6siaII     | II  | Salme 119,80-83                       | Så jeg ikke blir til skamme        | 07   |   |    |
| 70b1 | 19119101 | KyndelIII  | II  | Salme 119,101-105                     | Ditt ord er et lys på min sti      | 07   |   |    |
| 17a1 | 19126001 | 6siaI      | I   | Salme 126,1-6                         | Så med tårer, høste med jubelrop   | 07   |   | 77 |
| 71b1 | 19126001 | SameII     | II  | Salme 126,1-6                         | Så med tårer, høste med jubelrop   | 10   |   |    |
| 73a1 | 19127001 | 17maiI     | I   | Salme 127,1-3                         | Hvis ikke Herren bygger huset      | 08   |   | 77 |
| 79c1 | 19139001 | MinnelIII  | III | Salme 139,1-18.23-24                  | Herre, du ransaker meg             | 10   | . | 77 |
| 82a1 | 19142002 | RettfI     | I   | Salme 142,2-8                         | Jeg øser ut min klage for ham      | 09   |   |    |
| 50b1 | 19145009 | 9sitII     | II  | Salme 145,9-16                        | Herren reiser alle nedbøyde opp    | 10   |   | 77 |
| 15a1 | 19146001 | 4siaI      | I   | Salme 146,1-10                        | Herren åpner blindes øyne          | 10   |   | 77 |
| 17c1 | 20004018 | 6siaIII    | III | Ordsp 4,18-27                         | Bevar ditt hjerte                  | 07   |   | 77 |
| 63b1 | 20006020 | 22sitII    | II  | Ordsp 6,20-23a                        | Forkast ikke det du har lært       | 10   |   |    |
| 46b1 | 20007001 | 5sitII     | II  | Ordsp 7,1-3                           | Ta vare på mine ord                | 08   |   |    |
| 07a1 | 20008001 | JuledA     | A   | Ordsp 8,1-2.22-31                     | Visdommen og bygningsmannen        | 10   | . |    |
| 15c1 | 20014021 | 4siaIII    | III | Ordsp 14,21-22.25.31                  | Stakkaren og skaperen              | 07   |   |    |
| 48b1 | 20030007 | 7sitII     | II  | Ordsp 30,7-9                          | Gi verken armod eller rikdom       | 07   |   | 77 |
| 10a1 | 21003001 | NyafI      | I   | Fork 3,1-2.4-7.11a                    | Alt har sin tid                    | 07   |   |    |
| 63a1 | 21004017 | 22sitII    | I   | Fork 4,17-5,6                         | Vær ikke snar med munnen           | 07   |   |    |
| 62c1 | 21005009 | 21sitIII   | III | Fork 5,9-14                           | Rikdom kan bli til ulykke          | 07   |   |    |
| 20a1 | 22008006 | FastI      | I   | Høys 8,6-7                            | Kjærligheten er sterk som døden    | 07   |   |    |
| 64a1 | 23001016 | 23sitI     | I   | Jes 1,16-19                           | Kom, la oss gjøre opp vår sak      | 09   | > | 77 |
| 02c1 | 23002001 | 2siaIII    | III | Jes 2,1-5                             | Herrens fjell i de siste dager     | 07   |   | 77 |
| 42c1 | 23006001 | TreenIII   | III | Jes 6,1-8                             | Gud kaller Jesaja                  | 10   | . | 77 |
| 52f1 | 23006001 | 11sitF     | F   | Jes 6,1-8                             | Jesaja møter Gud i tempelet        | 07   |   | 77 |
| 26a1 | 23007010 | MBI        | I   | Jes 7,10-14                           | Immanuels-tegnet                   | 07   |   | 77 |
| 05a1 | 23009001 | JulafA     | A   | Jes 9,1a.2.6-7                        | Fredsyrsten                        | 09   |   | 77 |
| 82c1 | 23011001 | RettfIII   | III | Jes 11,1-10                           | Frelserkongen og hans rike         | 07   |   | 77 |
| 01c1 | 23012001 | 1siaIII    | III | Jes 12,1-6                            | Lovsang for Herrens frelse         | 07   |   | 77 |
| 44a1 | 23025006 | 3sitI      | I   | Jes 25,6-9                            | Herrens gjestebud                  | 07   |   | 77 |
| 53a1 | 23027002 | 12sitI     | I   | Jes 27,2-6                            | Herren vokter sin vingård          | 07   |   |    |
| 03a1 | 23035001 | 3siaI      | I   | Jes 35,1-10                           | Den hellige vei                    | 07   |   | 77 |
| 03b1 | 23040001 | 3siaII     | II  | Jes 40,1-5                            | Trøst mitt folk og rydd veg        | 09   |   | 77 |
| 35c1 | 23040026 | 4sipIII    | III | Jes 40,26-31                          | Han gir den trette kraft           | 07   |   | 77 |
| 13a1 | 23042001 | 2siaI      | I   | Jes 42,1-4                            | Herrens tjener, et lys for folkene | 07   |   | 77 |

|      |          |          |     |                      |                                      |    |    |      |
|------|----------|----------|-----|----------------------|--------------------------------------|----|----|------|
| 42a1 | 23042005 | TreenI   | I   | Jes 42,5-10          | Et lys for folkeslagene              | 07 |    |      |
| 33a1 | 23043010 | 2sipI    | I   | Jes 43,10-13         | Dere er mine vitner                  | 07 |    | 77   |
| 35b1 | 23043016 | 4sipII   | II  | Jes 43,16-21         | Se, jeg skaper noe nytt              | 10 | .  | 77   |
| 41b1 | 23044003 | 2piII    | II  | Jes 44,3-5           | Min Ånd vil jeg utøse                | 07 |    | 77   |
| 33c1 | 23045005 | 2sipIII  | III | Jes 45,5-8           | Jeg skaper lyset og mørket           | 10 | .  | 88   |
| 12b1 | 23049001 | KrÅpII   | II  | Jes 49,1-7           | Et lys for folkeslag                 | 08 |    | 77   |
| 78a1 | 23049008 | AHI      | I   | Jes 49,8-10          | Jeg hjelper deg på frelsens dag      | 07 |    | 77   |
| 54b1 | 23049013 | 13sitII  | II  | Jes 49,13-16         | Kan en kvinne glemme                 | 10 | .  | 77   |
| 44b1 | 23050004 | 3sitII   | II  | Jes 50,4-5           | Å høre på disiplers vis              | 07 |    | 77   |
| 12c1 | 23051004 | KrÅpIII  | III | Jes 51,4-8           | Min frelse varer fra slekt til slekt | 07 |    |      |
| 64c1 | 23051009 | 23sitIII | III | Jes 51,11-16         | Jeg er den som trøster dere          | 09 | >  | 77   |
| 31b1 | 23052007 | PådagII  | II  | Jes 52,7-10          | Den som bringer gledesbud            | 10 | .  | 77   |
| 20c1 | 23052013 | FastIII  | III | Jes 52,13-15         | Herrens lidende tjener               | 09 |    | 77   |
| 20b1 | 23053001 | FastII   | II  | Jes 53,1-5           | Såret for våre overtredder           | 10 |    | 77   |
| 13c1 | 23053006 | 2siaIII  | III | Jes 53,6-9           | Han har båret deres synder           | 09 | >  | 77   |
| 35a1 | 23054007 | 4sipI    | I   | Jes 54,7-10          | Herrens fredspakt                    | 07 |    | 77   |
| 14b1 | 23055001 | 3siaII   | II  | Jes 55,1-3           | Alle som tørster, kom hit            | 0  | 09 | 77   |
| 23c1 | 23055006 | 2sifIII  | III | Jes 55,1-7           | Søk Herren                           | 0  | 09 | 77   |
| 18a1 | 23055010 | SåmI     | I   | Jes 55,8-13          | Ordet vender ikke tomt tilbake       | 08 | <  | 77   |
| 27b1 | 23056006 | PalmII   | II  | Jes 56,6-8           | Bønnens hus for alle folk            | 07 | <  |      |
| 69a1 | 23057014 | SistI    | I   | Jes 57,14-16         | Jeg vil ikke evig føre klagemål      | 07 |    | 88   |
| 21c1 | 23058004 | AskeIII  | III | Jes 58,4-10          | Den rette faste: å bryte åk          | 0  | 07 | 77   |
| 72a1 | 23058004 | ImaI     | I   | Jes 58,6-10          | Den rette faste: å bryte åk          | 0  | 07 | > 77 |
| 61b1 | 23059001 | 20sitII  | II  | Jes 59,1-4           | Deres misgjerninger skiller          | 09 | >  | 77   |
| 12a1 | 23060001 | KrÅpI    | I   | Jes 60,1-6           | Herrens herlighet over deg           | 07 |    | 77   |
| 78c1 | 23060018 | AHIII    | III | Jes 60,18-22         | Herren skal være ditt lys            | 07 |    | 77   |
| 01b1 | 23061001 | 1siaII   | II  | Jes 61,1-3           | Et nådens år med gjengjeld           | 09 |    | 77   |
| 52a1 | 23064006 | 11sitI   | I   | Jes 64,6b-65,2       | Kan du rolig se på dette, Herre?     | 07 | >  |      |
| 02b1 | 23065017 | 2siaII   | II  | Jes 65,17-19         | Ny himmel og jord                    | 07 | >  | 77   |
| 09c1 | 23066010 | RomjIII  | III | Jes 66,10-13         | Gled dere med Jerusalem              | 09 |    |      |
| 47c1 | 23066018 | 6sitIII  | III | Jes 66,18-19         | Å samle alle folk og tungemål        | 07 |    |      |
| 47b1 | 24001004 | 6sitII   | II  | Jer 1,4-10           | Gud kaller Jeremia til profet        | 07 |    | 77   |
| 75a1 | 24001017 | OlsokI   | I   | Jer 1,17-19          | Jeg gjør deg til en fast borg        | 07 |    | 77   |
| 46c1 | 24006016 | 5sitIII  | III | Jer 6,16-19          | Spør etter de gamle stiene           | 07 |    | 77   |
| 53c1 | 24009023 | 12sitIII | III | Jer 9,23-24          | Den rette ros                        | 10 | .  | 77   |
| 61a1 | 24018001 | 20sitI   | I   | Jer 18,1-10          | Leiren i pottemakerens hånd          | 07 | >  | 77   |
| 18b1 | 24020007 | SåmII    | II  | Jer 20,7-9           | Som flammende ild                    | 0  | 08 | 77   |
| 83a1 | 24020007 | ForfI    | I   | Jer 20,7-13          | Jeg har overlatt min sak til deg     | 0  | 07 | 77   |
| 46a1 | 24023016 | 5sitI    | I   | Jer 23,16-24         | Dom over løgnprofetene               | 07 |    | 77   |
| 62a1 | 24029004 | 21sitI   | I   | Jer 29,4-7           | Be til Herren for byen               | 07 |    | 77   |
| 10b1 | 24029010 | NyafII   | II  | Jer 29,10-14         | Fredstanker, fremtid og håp          | 0  | 07 | 88   |
| 37a1 | 24029010 | 6sipI    | I   | Jer 29,10-14         | Fredstanker, fremtid og håp          | 0  | 07 | 88   |
| 33b1 | 24031001 | 2sipII   | II  | Jer 31,1-6           | Enda en gang vil jeg bygge deg       | 10 | .  |      |
| 32c1 | 24031009 | 2påIII   | III | Jer 31,9-13          | Jeg vender deres sorg til fryd       | 08 |    |      |
| 08a1 | 24031015 | 2julI    | I   | Jer 31,15-17         | Det lyder klagerop i Rama            | 07 |    |      |
| 28b1 | 24031031 | SkjærII  | II  | Jer 31,31-34         | Den nye pakt                         | 07 |    |      |
| 26b1 | 24033014 | MBII     | II  | Jer 33,14-17         | En rettferdig spire for Davids ætt   | 07 |    |      |
| 10c1 | 25003022 | NyafIII  | III | Klag 3,22-26         | Herrens miskunn er ikke forbi        | 07 |    | 77   |
| 08c1 | 25003052 | 2julIII  | III | Klag 3,52-57         | Nå er det ute med meg                | 07 |    |      |
| 34a1 | 26034011 | 3sipI    | I   | Esek 34,11-16        | Den gode gjeteren                    | 07 |    | 77   |
| 34b1 | 26034023 | 3sipII   | II  | Esek 34,23-31        | David – hyrde og fyrste              | 07 |    |      |
| 43c1 | 26036025 | 2sitIII  | III | Esek 36,25-29a       | Renselse og et nytt hjerte           | 07 |    | 77   |
| 58c1 | 26037001 | 17sitIII | I   | Esek 37,1-5 og 10-14 | De døde ben blir levende             | 07 |    | 77   |
| 03f1 | 27006004 | 3siaF    | F   | Dan 6,4-24           | Daniel i løvehulen                   | 07 |    | 77   |
| 38b1 | 27007013 | KrHiII   | II  | Dan 7,13-14          | Lik en menneskesønn                  | 07 |    | 77   |
| 37b1 | 27009017 | 6sipII   | II  | Dan 9,17-19          | Min Gud, vend ditt øre hit           | 10 |    | 77   |
| 50a1 | 28006001 | 9sitI    | I   | Hos 6,1-3            | Han vekker oss til liv               | 07 |    | 77   |
| 36a1 | 28014005 | 5sipI    | I   | Hos 14,5-9           | Jeg vil lege deres frafall           | 07 |    |      |
| 21a1 | 29002012 | Askel    | I   | Joel 2,12-13         | Vend om for Gud er nådig             | 07 |    | 77   |
| 41a1 | 29003001 | 2piI     | I   | Joel 3,1-2           | Når Ånden blir utøst                 | 07 |    | 77   |
| 82b1 | 30005011 | RetfII   | II  | Amos 5,11-15         | Hold retten høyt på tingen           | 07 |    | 77   |
| 72b1 | 30008004 | ImaIII   | II  | Amos 8,4-7           | Dere som trækker fattigfolk ned      | 07 |    |      |
| 81a1 | 30009005 | EnhI     | I   | Amos 9,5-7           | Er dere, israelitter, mer for meg    | 07 |    |      |

|      |          |          |     |                         |                                   |   |    |      |
|------|----------|----------|-----|-------------------------|-----------------------------------|---|----|------|
| 46f1 | 32001001 | 5sitF    | F   | Jona 1,1-2,2; 2,11-4,11 | Jonafortellingen                  |   | 07 | 77   |
| 32a1 | 32002001 | 2påI     | I   | Jona 2,1-11             | Herren berger Jona fra dypet      |   | 09 | 77   |
| 21b1 | 32003003 | AskeII   | II  | Jona 3,3-10             | Jona i Ninive                     |   | 07 |      |
| 04b1 | 33005001 | 4siaII   | II  | Mika 5,1-4a             | Fredsyrsten fra Betlehem          | O | 07 | 77   |
| 06a1 | 33005001 | JnattA   | A   | Mika 5,1-4a             | Fredsyrsten fra Betlehem          | O | 07 | 77   |
| 56a1 | 33006006 | 15sitI   | I   | Mika 6,6-8              | Herren har sagt hva godhet er     |   | 07 | > 77 |
| 61c1 | 33007018 | 20sitIII | III | Mika 7,18-19            | Du skal kaste våre synder i havet |   | 07 | 77   |
| 04c1 | 36003014 | 4siaIII  | III | Sef 3,14-17             | Han jubler over deg med fryd      |   | 07 | > 88 |
| 39a1 | 37002003 | SfpiI    | I   | Hag 2,3-9               | Bygg opp igjen Herrens tempel     |   | 07 | 77   |
| 24c1 | 38003001 | 3sifIII  | III | Sak 3,1-5               | Satan anklager Josva              |   | 07 |      |
| 27c1 | 38009009 | PalmIII  | III | Sak 9,9-10              | Fredskongen på Sion               |   | 07 | 77   |
| 39b1 | 38014006 | SfpiII   | II  | Sak 14,6-9              | Herrens evige dag                 |   | 07 | 77   |
| 81b1 | 39002010 | EnhII    | II  | Mal 2,10                | Har vi ikke alle samme far        |   | 10 |      |
| 03c1 | 39004004 | 3siaIII  | III | Mal 4,4-6               | Jeg sender Elia til dere          | O | 07 | 77   |
| 74b1 | 39004005 | JonsokII | II  | Mal 4,5-6               | Jeg sender Elia til dere          | O | 07 | > 77 |
| 04c5 | 40001018 | 4siaIII  |     | Matt 1,18-25            | Budskapet til Josef               | O | 09 | F 77 |
| 06a5 | 40001018 | JnattA   |     | Matt 1,18-25            | Josef og Jesu fødsel              | O | 07 | 77   |
| 11f1 | 40001018 | NydaF    | F   | Matt 1,18-25            | Josefs drøm og Jesu navn          |   | 07 | 77   |
| 11b5 | 40001020 | NydaII   |     | Matt 1,20b-21           | Navnet Jesus, han skal frelse     | O | 07 | 77   |
| 12a5 | 40002001 | KrÅpI    |     | Matt 2,1-12             | Vismennene hyller Jesus           |   | 07 | 77   |
| 12f1 | 40002001 | KrÅpF    | F   | Matt 2,1-12             | Vismennene hyller Jesus           |   | 07 | 77   |
| 08f1 | 40002013 | 2julF    | F   | Matt 2,13-23            | Flukten til Egypt                 |   | 07 | 77   |
| 09a5 | 40002013 | RomjI    |     | Matt 2,13-15            | Flukten til Egypt                 |   | 07 | 77   |
| 08a5 | 40002016 | 2julI    |     | Matt 2,16-23            | Barnemordet og veien til Nasaret  |   | 07 | 77   |
| 43a5 | 40003011 | 2sitI    |     | Matt 3,11-12            | Johannesdåp og dåp med Ånden      |   | 07 | 77   |
| 13a5 | 40003013 | 2siaI    |     | Matt 3,13-17            | Jesus blir døpt                   |   | 07 | 77   |
| 13f1 | 40003013 | 2siaF    | F   | Matt 3,13-4,11          | Jesus blir døpt og fristet        |   | 07 | 77   |
| 22a5 | 40004001 | 1sifI    |     | Matt 4,1-11             | Jesus blir fristet                |   | 07 | 77   |
| 78a5 | 40005001 | AHI      |     | Matt 5,1-12             | Saligprisningene                  | O | 07 | 77   |
| 82b5 | 40005006 | RettfII  |     | Matt 5,6-10             | Salige er de som skaper fred      | O | 09 | < 77 |
| 57b5 | 40005010 | 16sitII  |     | Matt 5,10-12            | Salige er de som blir forfulgt    | O | 07 | 77   |
| 83c5 | 40005010 | ForfIII  |     | Matt 5,10-12            | Salige er de som blir forfulgt    | O | 09 | 77   |
| 71a5 | 40005013 | SameI    |     | Matt 5,13-16            | Jordens salt og verdens lys       | O | 10 |      |
| 78b5 | 40005013 | AHII     |     | Matt 5,13-16            | Jordens salt og verdens lys       | O | 07 | 77   |
| 59a5 | 40005020 | 18sitI   |     | Matt 5,20-26            | Men jeg sier dere                 |   | 07 | 77   |
| 56a5 | 40005038 | 15sitI   |     | Matt 5,38-48            | Elsk deres fiender                |   | 07 | F 77 |
| 21a5 | 40006001 | AskeI    |     | Matt 6,1-6.16-18        | Gaver, bønn og faste              |   | 07 | 77   |
| 37c5 | 40006007 | 6sipIII  |     | Matt 6,7-13             | Herrens bønn                      |   | 09 | 77   |
| 82c5 | 40006010 | RettfIII |     | Matt 6,10               | På jorden som i himmelen          |   | 09 | 77   |
| 49a5 | 40006019 | 8sitI    |     | Matt 6,19-24            | Det udelte hjertet                |   | 07 | 77   |
| 54a5 | 40006024 | 13sitI   |     | Matt 6,24-34            | Vær ikke bekymret for livet       |   | 07 | 77   |
| 37b5 | 40007007 | 6sipII   |     | Matt 7,7-12             | Bønn og den gylne regel           |   | 07 | 77   |
| 46a5 | 40007015 | 5sitI    |     | Matt 7,15-20            | Falske profeter                   |   | 07 | 77   |
| 46b5 | 40007021 | 5sitII   |     | Matt 7,21-29            | Falske disipler og huset på fjell |   | 07 | 77   |
| 45c5 | 40009035 | 4sitIII  |     | Matt 9,35-38            | Høsten er stor                    |   | 07 | 77   |
| 08b5 | 40010016 | 2julIII  |     | Matt 10,16-22           | Som sauer blant ulver             |   | 07 | 77   |
| 80a5 | 40010029 | SkapI    |     | Matt 10,29-31           | Hvert hårstrå er talt             |   | 09 | 77   |
| 03a5 | 40011002 | 3siaI    |     | Matt 11,2-11            | Jesus og Johannes                 | O | 07 | > 77 |
| 74b5 | 40011007 | JonsokII |     | Matt 11,7-14            | Johannes er Elia                  | O | 07 | 77   |
| 10c5 | 40011028 | NyafiIII |     | Matt 11,25-30           | Jeg vil gi dere hvile             | O | 07 | 77   |
| 50a5 | 40011028 | 9sitI    |     | Matt 11,28-30           | Jeg vil gi dere hvile             | O | 07 | 77   |
| 63a5 | 40012033 | 22sitII  |     | Matt 12,33-37           | Treet og fruktene og tungen       |   | 07 | 77   |
| 21b5 | 40012038 | AskeII   |     | Matt 12,38-42           | En ond slekt krever tegn          |   | 07 |      |
| 18c5 | 40013024 | SåmIII   |     | Matt 13,24-30           | Ugresset i hveten                 |   | 10 | . 77 |
| 16b5 | 40014022 | 5siaII   |     | Matt 14,22-34           | Jesus og Peter går på vannet      |   | 07 | > 77 |
| 41f1 | 40014022 | 2piF     | F   | Matt 14,22-34           | Jesus og Peter går på vannet      |   | 07 | 77   |
| 23a5 | 40015021 | 2sifI    |     | Matt 15,21-28           | Den kanaaneiske kvinnen           |   | 07 | 77   |
| 47b5 | 40016013 | 6sitII   |     | Matt 16,13-20           | Peters bekjennelse                |   | 07 | 77   |
| 22b5 | 40016021 | 1sifII   |     | Matt 16,21-23           | Om lidelsen og Peters protest     |   | 07 | 77   |
| 45b5 | 40016024 | 4sitII   |     | Matt 16,24-27           | Å følge etter Jesus               |   | 07 | 77   |
| 19a5 | 40017001 | KrFoI    |     | Matt 17,1-9             | Disiplene får se Jesu herlighet   |   | 07 | 77   |
| 19f1 | 40017001 | KrFoF    | F   | Matt 17,1-8             | Disiplene får se Jesu herlighet   |   | 07 | 77   |
| 60c5 | 40018001 | 19sitIII |     | Matt 18,1-11            | De små har sine engler hos Gud    | O | 10 | . 99 |

|      |          |          |    |                   |                                  |   |    |   |    |
|------|----------|----------|----|-------------------|----------------------------------|---|----|---|----|
| 76a5 | 40018008 | Mikkell  |    | Matt 18,1-6.10-11 | De små har sine engler hos Gud   | O | 07 | > | 99 |
| 46c5 | 40018012 | 5sitIII  |    | Matt 18,12-18     | Sau på villspor, bror som synder |   | 07 | > | 77 |
| 11c5 | 40018020 | NydagIII |    | Matt 18,19-20     | Samlet i mitt navn               |   | 10 | . | 77 |
| 51b5 | 40018021 | 10sitII  |    | Matt 18,21-35     | Den ubarmhjertige medtjener      |   | 07 |   | 77 |
| 51f1 | 40018021 | 10sitF   | F  | Matt 18,21-35     | Den ubarmhjertige medtjener      |   | 07 |   | 77 |
| 53c5 | 40019027 | 12sitIII |    | Matt 19,27-30     | Forsakelse og lønn               |   | 07 |   | 77 |
| 53a5 | 40020001 | 12sitI   |    | Matt 20,1-16      | Arbeiderne i vingården           |   | 07 |   | 77 |
| 53f1 | 40020001 | 12sitF   | F  | Matt 20,1-16      | Arbeiderne i vingården           |   | 07 |   | 77 |
| 72c5 | 40020025 | 1maiIII  |    | Matt 20,25-28     | Ikke for å la seg tjene          |   | 10 |   | 77 |
| 01a5 | 40021001 | 1siaI    |    | Matt 21,1-11      | Inntoget i Jerusalem             | O | 07 |   | 77 |
| 01f1 | 40021001 | 1siaF    | F  | Matt 21,1-17      | Inntoget i Jerusalem og barna    |   | 07 |   | 77 |
| 27f1 | 40021001 | PalmF    | F  | Matt 21,1-17      | Inntoget i Jerusalem og barna    |   | 07 |   | 77 |
| 01c5 | 40021017 | 1siaIII  |    | Matt 21,10-17     | Jesus drar inn i Jerusalem       | O | 07 |   |    |
| 62a5 | 40022015 | 21sitI   |    | Matt 22,15-22     | Gi keiseren hva keiserens er     | O | 07 |   | 77 |
| 73b5 | 40022017 | 17maiII  |    | Matt 22,17-22     | Gi keiseren hva keiserens er     | O | 07 | > | 77 |
| 71b5 | 40022034 | SameII   |    | Matt 22,34-40     | De to store bud                  | O | 10 |   |    |
| 08c5 | 40023034 | 2julIII  |    | Matt 23,34-37     | Du slår profetene i hjel         | O | 07 | > | 77 |
| 52a5 | 40023037 | 11sitI   |    | Matt 23,37-39     | Som en høne samler kyllingene    |   | 07 |   | 77 |
| 64c5 | 40024035 | 23sitIII |    | Matt 24,35-44     | Dagen og timen kjenner ingen     |   | 07 |   |    |
| 69b5 | 40025001 | SistII   |    | Matt 25,1-13      | Brudepikene                      |   | 07 |   | 77 |
| 55a5 | 40025014 | 14sitI   |    | Matt 25,14-30     | Talentene                        |   | 07 |   | 77 |
| 69a5 | 40025031 | SistI    |    | Matt 25,31-46     | Dommen                           | O | 07 |   | 77 |
| 82a5 | 40025031 | Rettf1   |    | Matt 25,31-40     | De rettferdige får sin dom       | O | 07 |   | 77 |
| 27b5 | 40026006 | PalmII   |    | Matt 26,6-13      | Jesus salves                     |   | 07 | > |    |
| 28a5 | 40026017 | SkjærI   |    | Matt 26,17-30     | Det siste måltid                 |   | 07 |   | 77 |
| 29a1 | 40026030 | LangI    | I  | Matt 26,30-27,50  | Lidelsesberetningen              | O | 07 |   | 77 |
| 22c5 | 40026036 | 1sifIII  |    | Matt 26,36-45     | I Getsemane                      | O | 09 |   | 77 |
| 31b5 | 40028001 | PådagII  |    | Matt 28,1-10      | Jesus står opp                   |   | 07 |   | 77 |
| 31f1 | 40028001 | PådagF   | F  | Matt 28,1-10      | Jesus står opp                   |   | 07 |   | 77 |
| 42a5 | 40028016 | TreenI   |    | Matt 28,16-20     | Misjonsbefalingen                |   | 07 |   | 77 |
| 13b5 | 41001003 | 2siaII   |    | Mark 1,3-11       | Døperen Johannes og Jesu dåp     |   | 07 |   |    |
| 16a5 | 41002001 | 5siaI    |    | Mark 2,1-12       | Den lamme mannen                 |   | 07 |   | 77 |
| 16f1 | 41002001 | 5siaF    | F  | Mark 2,1-12       | Jesus og den lamme mannen        |   | 07 |   | 77 |
| 21c5 | 41002018 | AskeIII  |    | Mark 2,18-20      | Fest eller faste                 |   | 07 |   | 77 |
| 52b5 | 41002023 | 11sitII  |    | Mark 2,23-28      | Jesus og sabbaten                |   | 07 | > | 77 |
| 47c5 | 41003013 | 6sitIII  |    | Mark 3,13-19      | Jesus kaller de tolv             |   | 09 |   |    |
| 18b5 | 41004026 | SåmII    |    | Mark 4,26-34      | Såkornet og sennepsfrøet         |   | 07 |   | 77 |
| 80c5 | 41004035 | SkapII   |    | Mark 4,35-41      | Jesus stiller stormen            |   | 07 |   |    |
| 48c5 | 41005025 | 7sitIII  |    | Mark 5,25-34      | Hun som rørte ved Jesu kappe     |   | 07 |   |    |
| 58c5 | 41005035 | 17sitIII |    | Mark 5,35-43      | Jesus vekker opp Jairus' datter  |   | 08 |   |    |
| 34c5 | 41006030 | 3sipIII  |    | Mark 6,30-44      | Jesus metter 5000                | O | 07 |   |    |
| 80b5 | 41006035 | SkapII   |    | Mark 6,35-44      | Jesus metter 5000                | O | 07 |   |    |
| 57a5 | 41007031 | 16sitI   |    | Mark 7,31-37      | Jesus sa til den døde: Effata    |   | 07 |   | 77 |
| 20f1 | 41008027 | FastF    | F  | Markus 8,27-38    | Peter frister Jesus              |   | 07 |   |    |
| 19b5 | 41009002 | KrFoII   |    | Mark 9,2-13       | Disiplene får se Jesu herlighet  |   | 10 | . |    |
| 24b5 | 41009017 | 3sifII   |    | Mark 9,17-29      | Jesus driver ut en vond ånd      |   | 07 |   | 77 |
| 60b5 | 41010002 | 19sitII  |    | Mark 10,2-9       | Ekteskap og skilsmisse           |   | 08 |   | 77 |
| 44c5 | 41010013 | 3sitIII  |    | Mark 10,13-16     | Jesus og barna                   |   | 07 |   | 77 |
| 44f1 | 41010013 | 3sitF    | F  | Mark 10,13-16     | Jesus og barna                   |   | 07 |   | 77 |
| 45a5 | 41010017 | 4sitI    |    | Mark 10,17-27     | Jesus og den rike mannen         |   | 07 |   | 77 |
| 64a5 | 41010028 | 23sitI   |    | Mark 10,28-31     | Få hundre ganger så mye igjen    |   | 07 |   |    |
| 51c5 | 41011025 | 10sitIII |    | Mark 11,25-26     | Far tilgir som dere              |   | 07 |   | 77 |
| 49c5 | 41012028 | 8sitIII  |    | Mark 12,28-34     | Du skal elske Gud og din neste   |   | 07 |   | 77 |
| 45f1 | 41012037 | 4sitF    | F  | Mark 12,37b-44    | Enkens gave                      |   | 07 |   | 77 |
| 49b5 | 41012037 | 8sitII   |    | Mark 12,37b-44    | De skriftlærde og enkens gave    |   | 07 |   |    |
| 17c5 | 41013021 | 6siaIII  |    | Mark 13,21-27     | Når Menneskesønnen kommer        |   | 07 | > | 77 |
| 29a2 | 41014026 | LangII   | II | Mark 14,26-15,37  | Lidelsesberetningen              |   | 07 |   | 88 |
| 29f1 | 41015020 | LangF    | F  | Mark 15,20-39     | Jesus korsfestes og dør          |   | 07 |   | 77 |
| 30a5 | 41016001 | PånattA  |    | Mark 16,1-8       | Jesus står opp                   |   | 07 |   | 77 |
| 38a5 | 41016019 | KrHiI    |    | Mark 16,19-20     | Jesus tas opp til himmelen       |   | 07 |   |    |
| 74a5 | 42001005 | JonsokI  |    | Luk 1,5-17        | Løftet om døperens fødsel        |   | 10 | . |    |
| 74f1 | 42001005 | JonsokF  | F  | Luk 1,5-25        | Løftet om døperens fødsel        |   | 07 |   |    |
| 26a5 | 42001026 | MBI      |    | Luk 1,26-38       | Budskapet til Maria              |   | 07 |   | 77 |

|      |          |            |   |                  |                                   |   |    |      |
|------|----------|------------|---|------------------|-----------------------------------|---|----|------|
| 26f1 | 42001026 | MBF        | F | Luk 1,26-38      | Budskapet til Maria               |   | 07 | 77   |
| 04b5 | 42001039 | 4siaII     |   | Luk 1,39-45      | Maria og Elisabeth                | O | 07 | 77   |
| 04f1 | 42001039 | 4siaF      | F | Luk 1,39-45      | Maria og Elisabeth                |   | 07 | 77   |
| 26c5 | 42001039 | MBIII      |   | Luk 1,39-45      | Maria og Elisabeth                | O | 07 | 77   |
| 04a5 | 42001046 | 4siaI      |   | Luk 1,46-55      | Marias lovsang                    | O | 07 | 77   |
| 26b5 | 42001046 | MBII       |   | Luk 1,46-55      | Marias lovsang                    | O | 07 | 77   |
| 73a5 | 42001050 | 17mail     |   | Luk 1,50-53      | Fra slekt til slekt               | O | 07 | 77   |
| 70b5 | 42001076 | KyndelIII  |   | Luk 1,76-79      | Gjeste oss som en soloppgang      |   | 07 | 77   |
| 05a5 | 42002001 | JulaftA    |   | Luk 2,1-20       | Jesus blir født                   | O | 07 | 77   |
| 07f1 | 42002001 | JuledF     | F | Luk 2,1-20       | Jesus blir født                   |   | 07 | 77   |
| 11a5 | 42002021 | NydagI     |   | Luk 2,21         | Han fikk navnet Jesus             | O | 07 | 77   |
| 09f1 | 42002022 | RomjF      | F | Luk 2,22-40      | Jesus blir båret frem i tempelet  |   | 07 | 77   |
| 70a5 | 42002022 | KyndelIII  |   | Luk 2,22-40      | Jesus blir båret frem i tempelet  | O | 07 | 77   |
| 70f1 | 42002022 | KyndelF    | F | Luk 2,22-40      | Jesus blir båret frem i tempelet  |   | 07 | 77   |
| 09c5 | 42002025 | RomjIII    |   | Luk 2,25-35      | Simeons lovsang                   | O | 10 | 77   |
| 09b5 | 42002036 | RomjII     |   | Luk 2,36-38      | Profeten Anna fortalte om barnet  | O | 07 | 77   |
| 12b5 | 42002040 | KrÅpII     |   | Luk 2,40-52      | Jesus som tolvåring i tempelet    |   | 07 | 77   |
| 14f1 | 42002040 | 3siaF      | F | Luk 2,40-52      | Jesus som tolvåring i tempelet    |   | 07 | 77   |
| 03b5 | 42003007 | 3siaII     |   | Luk 3,7-18       | Frukt som svarer til omvendelsen  |   | 07 | 88   |
| 01b5 | 42004016 | IsiaII     |   | Luk 4,16-22a     | Jesus står frem i Nasaret         |   | 09 | 77   |
| 47a5 | 42005001 | 6sitI      |   | Luk 5,1-11       | Peters fiskefangst                |   | 07 | 77   |
| 47f1 | 42005001 | 6sitF      | F | Luk 5,1-11       | Peters fiskefangst                |   | 07 | 77   |
| 51a5 | 42005027 | 10siII     |   | Luk 5,27-32      | Å kalle syndere til omvendelse    |   | 07 |      |
| 78c5 | 42006020 | AHIII      |   | Luk 6,20-23      | Saligprisningene                  |   | 10 | 77   |
| 72a5 | 42006031 | ImaiI      |   | Luk 6,31-36      | Gjør godt og vær barmhjertige     |   | 08 | 77   |
| 50c5 | 42006036 | 9sitIII    |   | Luk 6,36-42      | Døm ikke                          |   | 07 | 77   |
| 58b5 | 42007011 | 17sitII    |   | Luk 7,11-17      | Jesus vekker opp enkens sønn      |   | 07 | 77   |
| 23b5 | 42007036 | 2sifII     |   | Luk 7,36-50      | Hun som fikk syndene tilgitt      |   | 07 | 77   |
| 54b5 | 42008001 | 13sitII    |   | Luk 8,1-3        | Kvinner som fulgte Jesus          |   | 10 |      |
| 18a5 | 42008004 | SåmI       |   | Luk 8,4-15       | Såmannen og jordsmonnet           |   | 07 | 77   |
| 18f1 | 42008004 | SåmF       | F | Luk 8,4-15       | Såmannen og jordsmonnet           |   | 07 | 77   |
| 75b5 | 42009023 | OlsokII    |   | Luk 9,23-26      | Hva gagnar det et menneske        |   | 07 |      |
| 19c5 | 42009028 | KrFøII     |   | Luk 9,28-36      | Disiplene får se Jesu herlighet   |   | 07 |      |
| 59c5 | 42009057 | 18sitIII   |   | Luk 9,57-62      | Jesus og samaritanerne            |   | 08 | > 77 |
| 76b5 | 42010001 | MikkellIII |   | Luk 10,1-2.16-20 | Jeg så Satan falle ned            |   | 10 | 99   |
| 42b5 | 42010021 | TreenII    |   | Luk 10,21-24     | Jesus jublet i Ånden              |   | 07 | 77   |
| 63c5 | 42010025 | 22sitIII   |   | Luk 10,25-37     | Den barmhjertige samaritan        |   | 07 | 77   |
| 63f1 | 42010025 | 22sitF     | F | Luk 10,25-37     | Den barmhjertige samaritan        |   | 07 | 77   |
| 56b5 | 42010038 | 15sitII    |   | Luk 10,38-42     | Jesus hos Marta og Maria          |   | 07 | 77   |
| 56f1 | 42010038 | 15sitF     | F | Luk 10,38-42     | Jesus hos Marta og Maria          |   | 07 | 77   |
| 77c5 | 42011003 | HøstIII    |   | Luk 11,3         | Gi oss hver dag vårt daglige brød |   | 07 | 77   |
| 24a5 | 42011014 | 3sifI      |   | Luk 11,14-28     | Jesu makt over urene ånder        |   | 07 | 77   |
| 62c5 | 42012013 | 21sitIII   |   | Luk 12,13-21     | Den rike bonden                   | O | 07 | 77   |
| 77a5 | 42012013 | HøstI      |   | Luk 12,13-21     | Den rike bonden                   | O | 07 | 77   |
| 17b5 | 42012035 | 6siaII     |   | Luk 12,35-40     | Lykkelige de han finner våkne     |   | 07 | 77   |
| 17f1 | 42012035 | 6siaF      | F | Luk 12,35-40     | Lykkelige de han finner våkne     |   | 07 | 77   |
| 55b5 | 42012041 | 14sitII    |   | Luk 12,41-48     | En tro og klok forvalter          |   | 07 | 77   |
| 57c5 | 42013001 | 16sitIII   |   | Luk 13,1-5       | Var de mer skyldige enn andre?    |   | 07 | 88   |
| 10a5 | 42013006 | NyafI      |   | Luk 13,6-9       | Fikentreet som ikke bar frukt     |   | 07 | 77   |
| 15c5 | 42013010 | 4siaIII    |   | Luk 13,10-17     | Jesus helbreder en kvinne         |   | 07 | 77   |
| 36b5 | 42013018 | 5sipII     |   | Luk 13,18-21     | Sennepsfrø og surdeig             |   | 07 |      |
| 23c5 | 42013022 | 2sifIII    |   | Luk 13,22-30     | Den trange dør                    | O | 07 | 77   |
| 61a5 | 42013022 | 20sitI     |   | Luk 13,22-30     | Er det få som blir frelst?        | O | 07 | 77   |
| 72b5 | 42014012 | ImaiII     |   | Luk 14,12-14     | Innby fattige og uføre            |   | 10 | 77   |
| 44a5 | 42014015 | 3sitI      |   | Luk 14,15-24     | Det store gjestebudet             |   | 07 | 77   |
| 48a5 | 42015001 | 7sitI      |   | Luk 15,1-10      | Sauen og sølvmynten               |   | 09 | 77   |
| 73f1 | 42015001 | 17maiF     | F | Luk 15,1-10      | Sauen og sølvmynten               |   | 07 | 77   |
| 61c5 | 42015011 | 20sitIII   |   | Luk 15,11-32     | Den bortkomne og hans bror        |   | 07 | 77   |
| 61f1 | 42015011 | 20sitF     | F | Luk 15,11-32     | Den bortkomne og hans bror        |   | 07 | 77   |
| 62b5 | 42016019 | 21sitII    |   | Luk 16,19-31     | Den rike mann og Lasarus          | O | 07 | 77   |
| 72f1 | 42016019 | ImaiF      | F | Luk 16,19-31     | Den rike mann og Lasarus          |   | 07 | 77   |
| 53b5 | 42017010 | 12sitIII   |   | Luk 17,7-10      | Uverdige tjenere                  |   | 10 | 77   |
| 73c5 | 42017011 | 17maiIII   |   | Luk 17,11-19     | Den taknemlige samaritan          | O | 10 | 77   |



|      |          |            |     |                       |                                   |   |    |      |
|------|----------|------------|-----|-----------------------|-----------------------------------|---|----|------|
| 77b5 | 42017011 | HøstII     |     | Luk 17,11-19          | Den takknemlige samaritan         | O | 07 | 77   |
| 37a5 | 42018001 | 6sipI      |     | Luk 18,1-8            | Enken og dommeren                 |   | 07 | 77   |
| 61b5 | 42018009 | 20sitII    |     | Luk 18,9-14           | Fariseeren og tolleren            |   | 07 | 77   |
| 55f1 | 42018018 | 14sitF     | F   | Luk 18,18-30          | Jesus og den rike mannen          |   | 07 |      |
| 20c5 | 42018031 | FastIII    |     | Luk 18,31-34          | Se vi går opp til Jerusalem       |   | 10 | 77   |
| 15a5 | 42018035 | 4siaI      |     | Luk 18,35-43          | Den blinde ved Jeriko             |   | 10 | 77   |
| 15f1 | 42018035 | 4siaF      | F   | Luk 18,35-43          | Den blinde ved Jeriko             |   | 07 | 77   |
| 48b5 | 42019001 | 7sitII     |     | Luk 19,1-10           | Sakkeus                           |   | 07 | 77   |
| 48f1 | 42019001 | 7sitF      | F   | Luk 19,1-10           | Jesus og Sakkeus                  |   | 07 | 77   |
| 83b5 | 42021010 | ForfII     |     | Luk 21,10-19          | Da skal dere få vitne             |   | 09 |      |
| 02b5 | 42021028 | 2siaII     |     | Luk 21,27-36          | Guds rike er nær, våk og be       |   | 07 | > 77 |
| 28b5 | 42022014 | SkjærII    |     | Luk 22,14-23          | Nattverden                        |   | 07 | 77   |
| 28f1 | 42022014 | SkjærF     | F   | Luk 22,14-23          | Jesus innstifter nattverden       |   | 07 | 77   |
| 75c5 | 42022024 | OlsokIII   |     | Luk 22,24-27          | Hersker eller tjener              |   | 07 | 77   |
| 24c5 | 42022028 | 3sifIII    |     | Luk 22,28-34          | Jeg ba for deg                    |   | 07 |      |
| 29a3 | 42022039 | LangIII    | III | Luk 22,39-23,46       | Lidelsesberetningen               |   | 07 | 77   |
| 31a5 | 42024001 | PådagI     |     | Luk 24,1-9            | Jesus står opp                    |   | 10 | 77   |
| 32a5 | 42024013 | 2påI       |     | Luk 24,13-35          | Emmaus-vandrerne                  |   | 07 | 77   |
| 32b5 | 42024036 | 2påII      |     | Luk 24,36-45          | Jesus viser seg for disiplene     |   | 07 | 77   |
| 32f1 | 42024036 | 2påF       | F   | Luk 24,36-45          | Jesus viser seg for disiplene     |   | 07 | 77   |
| 42c5 | 42024045 | TreenIII   |     | Luk 24,45-48          | Tilgivelse for folkeslagene       | O | 07 | 77   |
| 38b5 | 42024046 | KrHI       |     | Luk 24,46-53          | Jesu avskjed                      | O | 07 | 77   |
| 07a5 | 43001001 | JuledA     |     | Joh 1,1-14            | Ordet ble menneske                | O | 07 | 77   |
| 74c5 | 43001001 | JonsokIII  |     | Joh 1,1-8             | Johannes skulle vitne om lyset    | O | 07 | 77   |
| 14c5 | 43001015 | 3siaIII    |     | Joh 1,15-18           | Han har vist oss hvem Gud er      |   | 07 | 77   |
| 13c5 | 43001029 | 2siaIII    |     | Joh 1,29-34           | Guds lam bærer verdens synd       |   | 07 | 77   |
| 44b5 | 43001035 | 3sitII     |     | Joh 1,35-51           | De første disiplene               | O | 07 | 77   |
| 76c5 | 43001047 | MikkellIII |     | Joh 1,47-51           | Se Guds engler stige opp og ned   | O | 10 | . 99 |
| 14a5 | 43002001 | 3siaI      |     | Joh 2,1-11            | Bryllupet i Kana                  |   | 07 | 77   |
| 43c5 | 43003001 | 2sitIII    |     | Joh 3,1-13            | Jesus og Nikodemus                | O | 07 | 77   |
| 25b5 | 43003011 | 4sifII     |     | Joh 3,11-16           | Så høyt har Gud elsket verden     | O | 07 | 77   |
| 39b5 | 43003016 | SfpII      |     | Joh 3,16-21           | Lyset er kommet til verden        |   | 07 | 77   |
| 43b5 | 43003026 | 2sitII     |     | Joh 3,26-30           | Han skal vokse, jeg skal avta     |   | 09 | 77   |
| 14b5 | 43004004 | 3siaII     |     | Joh 4,4-26            | Kvinnen ved brønnen               |   | 07 | 88   |
| 54c5 | 43004028 | 13sitIII   |     | Joh 4,27-30,39-43     | Kvinnen som vitnet                |   | 10 | . 77 |
| 16c5 | 43005001 | 5siaIII    |     | Joh 5,1-15            | Den syke ved Betesda              |   | 09 | 77   |
| 64b5 | 43005024 | 23sitII    |     | Joh 5,24-29           | Å stå opp til livet eller til dom |   | 07 | 77   |
| 03c5 | 43005031 | 3siaIII    |     | Joh 5,31-36           | Skriftene vitner om meg           |   | 07 | > 77 |
| 54f1 | 43006001 | 13sitF     | F   | Joh 6,1-15            | Jesus metter fem tusen            |   | 07 | 77   |
| 25c5 | 43006024 | 4sifIII    |     | Joh 6,24-36           | Jeg er livets brød                |   | 09 | 77   |
| 79a5 | 43006037 | Minnel     |     | Joh 6,37-40           | Den som kommer til meg            |   | 07 | 77   |
| 41b5 | 43006044 | 2piII      |     | Joh 6,44-47           | Far drar mennesker til Jesus      |   | 07 | 77   |
| 17a5 | 43006063 | 6siaI      |     | Joh 6,63-69           | Du har det evige livs ord         |   | 08 | 77   |
| 59b5 | 43007014 | 18sitII    |     | Joh 7,14-17           | Den som vil gjøre hans vilje      |   | 10 | . 77 |
| 41c5 | 43007037 | 2piIII     |     | Joh 7,37-39           | Elver av levende vann             |   | 07 | 77   |
| 50b5 | 43008002 | 9sitII     |     | Joh 8,2-11            | Kvinnen grepet i ekteskapsbrudd   |   | 07 | 77   |
| 70c5 | 43008012 | KyndellIII |     | Joh 8,12              | Jeg er verdens lys                |   | 07 | 77   |
| 52c5 | 43008031 | 11sitIII   |     | Joh 8,31-36           | Virkelig fri                      |   | 07 | 77   |
| 15b5 | 43009001 | 4siaII     |     | Joh 9,1-7,35b-38      | Mannen som var født blind         |   | 07 | 77   |
| 69c5 | 43009039 | SistIII    |     | Joh 9,39-41           | Til dom er jeg kommet             |   | 10 |      |
| 34b5 | 43010001 | 3sipII     |     | Joh 10,1-10           | Jeg er porten                     |   | 07 | 77   |
| 34a5 | 43010011 | 3sipI      |     | Joh 10,11-18          | Den gode gjeteren                 |   | 07 | 77   |
| 58f1 | 43011001 | 17sitF     | F   | Joh 11,1-44           | Jesus vekker opp Lasarus          |   | 07 | 77   |
| 60a5 | 43011001 | 19sitI     |     | Joh 11,1-5            | Jesu venner i Betania             | O | 07 |      |
| 79b5 | 43011001 | Minnel     |     | Joh 11,1-5,33-38      | Jesus sørger med sine venner      | O | 07 |      |
| 58a5 | 43011017 | 17sitI     |     | Joh 11,17-29 og 30-46 | Jesus vekker opp Lasarus          | O | 10 | 77   |
| 79c5 | 43011019 | MinnelIII  |     | Joh 11,19-27          | Herre, hadde du vært her          | O | 10 | 77   |
| 25a5 | 43011045 | 4sifI      |     | Joh 11,45-53          | Ett menneske dør for folket       | O | 07 | 77   |
| 27c5 | 43012001 | PalmIII    |     | Joh 12,1-13           | Salving og inntog                 | O | 07 | 77   |
| 27a5 | 43012012 | PalmI      |     | Joh 12,12-24          | Inntoget og grekerne              | O | 07 | 77   |
| 20b5 | 43012020 | FastII     |     | Joh 12,20-33          | Jesu død og herliggjørelse        | O | 07 | 77   |
| 63b5 | 43012033 | 22sitII    |     | Joh 12,35-36          | Tro på lyset, bli lysets barn     |   | 10 | . 77 |
| 12c5 | 43012042 | KrÅpIII    |     | Joh 12,42-47          | Som lys er jeg kommet til verden  |   | 07 | > 77 |

|      |          |          |    |                     |                                    |   |    |   |    |
|------|----------|----------|----|---------------------|------------------------------------|---|----|---|----|
| 28c5 | 43013001 | SkjærIII |    | Joh 13,1-17         | Jesus vasker disiplenes føtter     | O | 07 | > | 77 |
| 81c5 | 43013001 | EnhIII   |    | Joh 13,1-17         | Jesus vasker disiplenes føtter     | O | 07 |   | 77 |
| 35b5 | 43013030 | 4sipII   |    | Joh 13,30-35        | Et nytt bud: Elsk hverandre        |   | 07 |   | 88 |
| 02a5 | 43014001 | 2siaI    |    | Joh 14,1-4          | Jeg vil ta dere til meg            | O | 07 |   | 77 |
| 02f1 | 43014001 | 2siaF    | F  | Joh 14,1-11         | Veien, sannheten og livet          |   | 07 |   | 77 |
| 35c5 | 43014001 | 4sipIII  |    | Joh 14,1-11         | Veien, sannheten og livet          | O | 07 | > | 77 |
| 40b5 | 43014015 | PidagII  |    | Joh 14,15-21        | Talsmannen og Jesu bud             |   | 07 |   | 77 |
| 40c5 | 43014023 | PidagIII |    | Joh 14,23-29        | Løfte om Ånd og fred               | O | 07 | > | 77 |
| 10b5 | 43014027 | Nyaf1III |    | Joh 14,27           | Min fred gir jeg dere              | O | 07 |   | 77 |
| 36a5 | 43015001 | 5sipI    |    | Joh 15,1-8          | Det sanne vintre                   |   | 07 |   | 77 |
| 56c5 | 43015009 | 15sitIII |    | Joh 15,9-12         | Som jeg har elsket dere            |   | 07 |   | 77 |
| 55c5 | 43015013 | 14sitIII |    | Joh 15,13-17        | Jeg har satt dere til å bære frukt |   | 07 |   | 77 |
| 83a5 | 43015017 | ForfI    |    | Joh 15,17-21        | Derfor hater verden dere           |   | 07 |   |    |
| 39a5 | 43015026 | SfpiI    |    | Joh 15,26-27        | Talsmannen og dere skal vitne      |   | 07 |   | 77 |
| 41a5 | 43016005 | 2piI     |    | Joh 16,5-11         | Ånden går i rette med verden       |   | 10 | . | 77 |
| 39c5 | 43016012 | SfpiIII  |    | Joh 16,12-15        | Når sannhetens Ånd kommer          |   | 07 |   | 77 |
| 35a5 | 43016016 | 4sipI    |    | Joh 16,16-22        | Sorgen skal bli til glede          | O | 07 |   | 77 |
| 02c5 | 43016021 | 2siaIII  |    | Joh 16,21-24        | Angst og glede                     | O | 07 |   | 77 |
| 38c5 | 43017001 | KrHiIII  |    | Joh 17,1-5          | La din Sønn bli herliggjort        | O | 07 |   | 77 |
| 81b5 | 43017001 | EnhII    |    | Joh 17,1-11         | Så de kan være ett                 | O | 07 | < | 77 |
| 36c5 | 43017006 | 5sipIII  |    | Joh 17,6-11         | Jesus ber for sine                 | O | 07 |   | 77 |
| 81a5 | 43017012 | EnhI     |    | Joh 17,12-19        | Jeg ber at du skal bevare dem      |   | 07 |   | 77 |
| 20a5 | 43017020 | FastI    |    | Joh 17,20-26        | Så kjærligheten kan være i dem     |   | 10 |   | 77 |
| 29a4 | 43018001 | LangIV   | IV | Joh 18,1-19,42      | Lidelsesberetningen                | O | 09 |   | 77 |
| 69f1 | 43018033 | SistF    | F  | Joh 18,33-37        | Jesus og Pilatus                   | O | 07 |   | 88 |
| 31c5 | 43020001 | PådagIII |    | Joh 20,1-10         | Den tomme graven                   |   | 07 | > | 77 |
| 32c5 | 43020011 | 2påIII   |    | Joh 20,11-18        | Jesus og Maria Magdalena           |   | 07 |   | 77 |
| 40a5 | 43020019 | PidagI   |    | Joh 20,19-23        | Ta imot Ånden                      |   | 07 |   | 77 |
| 33c5 | 43020024 | 2sipIII  |    | Joh 20,24-31        | Jesus og Tomas                     |   | 07 |   | 77 |
| 33f1 | 43020024 | 2sipF    | F  | Joh 20, 24-31       | Jesus møter Tomas                  |   | 07 |   | 77 |
| 33a5 | 43021001 | 2sipI    |    | Joh 21,1-14         | Peters fiskefangst                 | O | 07 |   | 77 |
| 71c5 | 43021009 | SameIII  |    | Joh 21,9-13         | Jesus møter disiplene              | O | 10 |   |    |
| 33b5 | 43021015 | 2sipII   |    | Joh 21,15-19        | Jesus og Peter                     | O | 07 |   | 77 |
| 75a5 | 43021017 | OlsokI   |    | Joh 21,15-19        | Jesus og Peter                     | O | 07 |   | 77 |
| 33a2 | 44001001 | 2sipI    |    | eller Apg 1,1-5     | Løftet om Ånden                    |   | 07 |   | 77 |
| 33b2 | 44001001 | 2sipII   |    | eller Apg 1,1-5     | Løftet om Ånden                    |   | 07 |   | 77 |
| 33c2 | 44001001 | 2sipIII  |    | eller Apg 1,1-5     | Løftet om Ånden                    |   | 07 |   | 77 |
| 38a2 | 44001001 | KrHiI    |    | eller Apg 1,1-11    | Jesus tas opp til himmelen         |   | 07 |   | 77 |
| 38b2 | 44001001 | KrHiII   |    | eller Apg 1,1-11    | Jesus tas opp til himmelen         |   | 07 |   | 77 |
| 38c2 | 44001001 | KrHiIII  |    | eller Apg 1,1-11    | Jesus tas opp til himmelen         |   | 07 |   | 77 |
| 38f1 | 44001001 | KrHiF    | F  | Apg 1,1-14          | Jesus tas opp til himmelen         |   | 07 |   | 77 |
| 39a2 | 44001012 | SfpiI    |    | eller Apg 1,12-14   | Disiplene venter i bønn            |   | 07 |   | 77 |
| 40a3 | 44002001 | PidagI   |    | Apg 2,1-11          | Ånden blir gitt                    | O | 07 |   | 77 |
| 40b3 | 44002001 | PidagII  |    | Apg 2,1-11          | Ånden blir gitt                    |   | 07 |   | 77 |
| 40c3 | 44002001 | PidagIII |    | Apg 2,1-11          | Ånden blir gitt                    |   | 07 |   | 77 |
| 40f1 | 44002001 | PidagF   | F  | Apg 2,1-18          | Disiplene får Den hellige ånd      |   | 07 |   | 77 |
| 71c3 | 44002001 | SameIII  |    | Apg 2,1-12          | Pinsedagen                         | O | 10 |   |    |
| 34a2 | 44002036 | 3sipI    |    | eller Apg 2,36-41   | Vend om og la dere døpe            |   | 07 |   | 77 |
| 36b2 | 44002042 | 5sipII   |    | eller Apg 2,42-47   | Fellesskap mellom troende          |   | 07 |   | 77 |
| 34b2 | 44003012 | 3sipII   |    | eller Apg 3,12-21   | Livets opphavsmann                 |   | 07 |   | 88 |
| 11b3 | 44004008 | NydagII  |    | Apg 4,8-12          | Ikke noe annet navn                |   | 10 | . | 77 |
| 37b2 | 44004023 | 6sipII   |    | eller Apg 4,23-31   | Bønn og fellesskap                 |   | 07 |   |    |
| 36a2 | 44004032 | 5sipI    |    | eller Apg 4,32-35   | De hadde alt felles                |   | 07 |   | 88 |
| 34c2 | 44005027 | 3sipIII  |    | eller Apg 5,27-42   | Apostlene for Rådet                |   | 07 |   |    |
| 55c3 | 44006001 | 14sitIII |    | Apg 6,1-7           | En ny tjeneste i menigheten        |   | 07 |   |    |
| 08b2 | 44006008 | 2julI    |    | Apg 6,8-15          | Stefanus for Rådet                 |   | 07 |   | 77 |
| 83f1 | 44006008 | ForfF    | F  | Apg 6,8-15;7,55-8,1 | Stefanus steines                   |   | 07 |   | 77 |
| 09b3 | 44007017 | RomjII   |    | Apg 7,17-22         | Moses var full av kraft            |   | 07 |   |    |
| 08a3 | 44007052 | 2julI    |    | Apg 7,52-60         | Stefanus blir steinet              |   | 07 |   | 77 |
| 35c2 | 44008026 | 4sipIII  |    | eller Apg 8,26-39   | Den etiopiske hoffmann             |   | 07 | > | 77 |
| 43f1 | 44008026 | 2sitF    | F  | Apg 8,26-40         | Filip og den etiopiske hoffmann    |   | 07 |   | 77 |
| 35b2 | 44009001 | 4sipII   |    | eller Apg 9,1-19    | Saulus ved Damaskus                | O | 07 |   | 77 |
| 42f1 | 44009001 | TreenF   | F  | Apg 9,1-19          | Saulus kalles til tjeneste         |   | 10 |   | 77 |

|      |          |           |   |                        |                                    |   |    |      |
|------|----------|-----------|---|------------------------|------------------------------------|---|----|------|
| 47c3 | 44009019 | 6sitIII   |   | Apg 9,1-19             | Saulus ved Damaskus                | O | 07 | 77   |
| 35a2 | 44009036 | 4sipI     |   | eller Apg 9,36-43      | Tabita vekkes opp                  |   | 07 |      |
| 41a3 | 44010034 | 2piI      |   | Apg 10,34-48           | Ånden kom over alle                |   | 07 | 77   |
| 36c2 | 44011001 | 5sipIII   |   | eller Apg 11,1-18      | Hedningene får vende om            |   | 07 |      |
| 41b3 | 44011019 | 2piII     |   | Apg 11,19-26           | Den første hedn-kristne menighet   |   | 07 |      |
| 37c2 | 44012001 | 6sipIII   |   | eller Apg 12,1-17      | Peter og Rode                      |   | 10 | .    |
| 76f1 | 44012001 | Mikkelf   | F | Apg 12,1-17            | Herrens engel satte Paulus fri     |   | 10 | 99   |
| 21c3 | 44013001 | AskelIII  |   | Apg 13,1-4;14,22-23    | Paulus og Barnabas sendes ut       |   | 07 |      |
| 74b3 | 44013016 | JonsokII  |   | Apg 13,16-26           | Johannes forkynte omvendelse       |   | 08 | >    |
| 32a3 | 44013032 | 2påI      |   | Apg 13,32-35           | Jeg vil oppfylle løftene           |   | 07 |      |
| 74c3 | 44014008 | JonsokIII |   | Apg 14,8-18            | Dere må vende om til skaperen      |   | 07 | 77   |
| 41c3 | 44015001 | 2piIII    |   | Apg 15,1-11            | Apostelmøtet om folkeslagene       |   | 07 | 77   |
| 26c3 | 44016012 | MBIII     |   | Apg16,12-15            | Lydia i Filippi                    |   | 10 | .    |
| 37a2 | 44016025 | 6sipI     |   | eller Apg 16,25-40     | Paulus og Silas løslates           |   | 07 |      |
| 42c3 | 44017022 | TreenIII  |   | Apg 17,22-34           | Han gir liv og ånde til alle       | O | 07 | 77   |
| 73a3 | 44017022 | 17mail    |   | Apg 17,22-25 og 26-31  | Han gir liv og ånde til alle       | O | 07 | 77   |
| 13a3 | 44018024 | 2siaII    |   | Apg 18,24-19,7         | Johannesdåpen og kristen dåp       |   | 07 | 77   |
| 75c3 | 44020017 | OlsokIII  |   | Apg 20,17-24           | Avskjedstalen i Milet              |   | 07 | 77   |
| 47b3 | 44020024 | 6sitII    |   | Apg 20,24-32           | Avskjedstalen i Milet              |   | 07 | 77   |
| 39c2 | 44024010 | SfpiIII   |   | eller Apg 24,10-21     | Paulus' forsvarstale               |   | 07 |      |
| 39b2 | 44026001 | SfpiII    |   | eller Apg 26,1-3.20-29 | I Jerusalem og for folkeslagene    |   | 10 | .    |
| 47a3 | 45001001 | 6sitI     |   | Rom 1,1-7              | Paulus kalt til apostel            |   | 07 |      |
| 18a3 | 45001016 | SåmI      |   | Rom 1,16-17            | Guds kraft til frelse              | O | 07 | 77   |
| 54c3 | 45001016 | 13sitIII  |   | Rom 1,16-17            | Guds kraft til frelse              | O | 07 | 77   |
| 61a3 | 45002001 | 20sitI    |   | Rom 2,1-11             | Menneskenes ansvar overfor Gud     |   | 07 | 77   |
| 59b3 | 45002013 | 18sitII   |   | Rom 2,13-16            | Lovens krav i hedningenes hjerter  |   | 09 | 88   |
| 27b3 | 45003021 | PalmII    |   | Rom 3,21-26            | Rettferdighet ved troen            |   | 10 | > 77 |
| 16a3 | 45004001 | 5siaI     |   | Rom 4,1-8              | Abrahams tro                       |   | 07 | 77   |
| 40c4 | 45005001 | PidagIII  |   | eller Rom 5,1-5        | Guds kjærlighet utøst ved Ånden    |   | 07 | 77   |
| 79a3 | 45005005 | Minnel    |   | Rom 5,5-11             | Mens vi ennå var svake             |   | 07 | 77   |
| 23b3 | 45005017 | 2sifII    |   | Rom 5,17-19            | Fall og rettferdighetens gave      |   | 07 |      |
| 30a3 | 45006001 | PånattA   |   | Rom 6,3-11             | Forenet med Kristus i dåpen        | O | 07 | > 77 |
| 43c3 | 45006003 | 2sitIII   |   | Rom 6,3-8              | Forenet med Kristus i dåpen        | O | 07 | > 77 |
| 52c3 | 45008001 | 11sitIII  |   | Rom 8,1-4.14-18        | Livet i Ånden                      |   | 09 | 77   |
| 40a4 | 45008009 | PidagI    |   | eller Rom 8,9-11       | Dersom hans Ånd bor i dere         |   | 07 | 77   |
| 57a3 | 45008018 | 16sitI    |   | Rom 8,19-23            | Håpet om herlighet                 | O | 07 | > 77 |
| 80b3 | 45008018 | SkapII    |   | Rom 8,19-23            | Håpet om herlighet                 | O | 07 | > 77 |
| 44b3 | 45008028 | 3sitII    |   | Rom 8,28-30            | De han har kalt                    |   | 08 |      |
| 50a3 | 45008031 | 9sitI     |   | Rom 8,31-39            | Han som ga sin Sønn for oss alle   |   | 07 | 77   |
| 52a3 | 45009002 | 11sitI    |   | Rom 9,2-5;10,1-4       | Guds gaver til Israel              |   | 07 | 77   |
| 15b3 | 45009020 | 4siaII    |   | Rom 9,20-24            | Jeg viser godhet mot den jeg vil   |   | 09 | >    |
| 38b3 | 45010006 | KrHiII    |   | Rom 10,6-10            | Han går i forbønn for dem          | O | 07 |      |
| 11c3 | 45010008 | NydagIII  |   | Rom 10,8b-13           | Rik nok for alle som påkaller ham  | O | 07 | <    |
| 18b3 | 45010013 | SåmII     |   | Rom 10,13-17           | Troen kommer av budskapet          |   | 08 | 77   |
| 36a3 | 45011013 | 5sipI     |   | Rom 11,13-20           | Du er podet inn blant grenene      |   | 10 | > 77 |
| 09c3 | 45011033 | RomjIII   |   | Rom 11,33-36           | Hvor ufattelige hans veier         | O | 07 | 77   |
| 42b3 | 45011033 | TreenII   |   | Rom 11,33-36           | Å dyp av visdom hos Gud            | O | 08 | 77   |
| 36b3 | 45012001 | 5sipII    |   | Rom 12,1-3             | Til glede for Gud                  |   | 07 |      |
| 82a3 | 45012017 | RettfI    |   | Rom 12,17-21           | Hold fred med alle                 |   | 07 |      |
| 62a3 | 45013001 | 21sitI    |   | Rom 13,1-7             | Forholdet til styresmaktene        |   | 07 | 88   |
| 01a3 | 45013011 | IsiaI     |   | Rom 13,11-12           | Timen er kommet, våkn opp          |   | 07 | > 77 |
| 31b3 | 45014007 | PådagII   |   | Rom 14,7-9             | Herre over levende og døde         |   | 10 | . 77 |
| 50c3 | 45014010 | 9sitIII   |   | Rom 14,10-13           | Enhver skal avlegge regnskap       |   | 07 | 77   |
| 12b3 | 45015004 | KrÅpII    |   | Rom 15,4-6             | Håp som skriftene gir              |   | 07 | > 77 |
| 04a3 | 45015008 | 4siaI     |   | Rom 15,8-13            | Isais rotskudd                     |   | 07 |      |
| 15a3 | 45016025 | 4siaI     |   | Rom 16,25-27           | Mysteriet er kommet for dagen      |   | 10 | 88   |
| 53a3 | 46001001 | 12sitI    |   | 1 Kor 1,1-3            | Dere er helliget ved Kristus       |   | 08 |      |
| 20b3 | 46001018 | FastII    |   | 1 Kor 1,18-25          | Vi forkynner en korsfestet Kristus |   | 10 | 77   |
| 48c3 | 46001026 | 7sitIII   |   | 1 Kor 1,26-31          | Det som er svakt, utvalgte Gud     |   | 09 | 77   |
| 53b3 | 46003004 | 12sitII   |   | 1 Kor 3,4-11           | Guds medarbeidere                  | O | 10 | . 77 |
| 46b3 | 46003010 | 5sitII    |   | 1 Kor 3,10-18          | Grunnvollen og byggverket          | O | 07 | 77   |
| 03a3 | 46003018 | 3siaI     |   | 1 Kor 3,18-23          | Denne verdens visdom               |   | 07 | >    |
| 50b3 | 46004003 | 9sitIII   |   | 1 Kor 4,3-5            | Døm ikke før tiden                 |   | 07 | 77   |

|      |          |          |  |                      |                                   |    |   |    |
|------|----------|----------|--|----------------------|-----------------------------------|----|---|----|
| 73c3 | 46004007 | 17maiIII |  | 1 Kor 4,7            | Hvem har satt deg høyere?         | 10 |   |    |
| 28a3 | 46005006 | SkjørI   |  | 1 Kor 5,6b-8         | Vårt påskelam er slaktet          | 07 |   | 77 |
| 14c3 | 46008005 | 3siaIII  |  | 1 Kor 8,5-6          | For oss er det én Gud             | 07 |   | 77 |
| 59c3 | 46009019 | 18sitIII |  | 1 Kor 9,19-23        | Alt gjør jeg for evangeliet       | 08 |   | 77 |
| 45a3 | 46009024 | 4sitI    |  | 1 Kor 9,24-27        | Jeg løper for å vinne             | 07 |   | 77 |
| 22b3 | 46010010 | 1sifII   |  | 1 Kor 10,10-13       | Ingen overmenneskelig fristelse   | 07 | > |    |
| 25c3 | 46010016 | 4sifIII  |  | 1 Kor 10,16-17       | Vin og brød gir del i Kristus     | 10 |   | 77 |
| 28c3 | 46011023 | SkjørIII |  | 1 Kor 11,23-26       | Herrens måltid                    | 07 | > | 77 |
| 55a3 | 46012004 | 14sitI   |  | 1 Kor 12,4-11        | Nådegaver til hver enkelt         | 09 | > | 88 |
| 40b4 | 46012012 | PidagII  |  | eller 1 Kor 12,12-13 | Døpt med én Ånd                   | 07 |   | 77 |
| 83c3 | 46012012 | ForfIII  |  | 1 Kor 12,12-27       | Lemmer på Kristi kropp            | 09 |   | 77 |
| 20a3 | 46013001 | FastI    |  | 1 Kor 13,1-7         | Kjærlighetens vei                 | 07 |   | 77 |
| 56c3 | 46013007 | 15sitIII |  | 1 Kor 13,7-13        | Størst blant dem er kjærligheten  | 07 |   | 77 |
| 31a3 | 46015001 | PådagI   |  | 1 Kor 15,1-11        | Oppstandelsen                     | 07 |   | 77 |
| 33a3 | 46015012 | 2sipI    |  | 1 Kor 15,12-21       | Nå er Kristus stått opp           | 07 |   | 77 |
| 69c3 | 46015022 | SistIII  |  | 1 Kor 15,22-28       | De som hører Kristus til          | 07 |   | 77 |
| 58b3 | 46015035 | 17sitII  |  | 1 Kor 15,35-45       | Det står opp en åndelig kropp     | 07 |   | 77 |
| 02b3 | 46015050 | 2siaII   |  | 1 Kor 15,50-57       | Vi skal bli forvandlet            | 07 | > | 77 |
| 79c3 | 46015051 | MinneIII |  | 1 Kor 15,51-58       | Vi skal bli forvandlet            | 07 |   | 77 |
| 79b3 | 47001003 | MinneII  |  | 2 Kor 1,3-7          | Takk til Gud som trøster          | 07 |   | 88 |
| 16b3 | 47001008 | 5siaII   |  | 2 Kor 1,8-11         | Han reddet oss fra den visse død  | 07 |   | 77 |
| 04c3 | 47001018 | 4siaIII  |  | 2 Kor 1,18-22        | Løftenes ja og amen               | 07 |   | 88 |
| 19c3 | 47003012 | KrFoIII  |  | 2 Kor 3,12-18        | Moses la et slør over ansiktet    | 07 |   | 88 |
| 12c3 | 47004001 | KrÅpIII  |  | 2 Kor 4,1-6          | Kristi herlighet                  | 07 |   | 77 |
| 75b3 | 47004006 | OlsokII  |  | 2 Kor 4,6-11         | Skatten i leirkrukker             | 07 |   | 77 |
| 35c3 | 47004014 | 4sipIII  |  | 2 Kor 4,14-18        | Han skal reise oss opp            | 07 |   | 77 |
| 64b3 | 47005004 | 23sitII  |  | 2 Kor 5,4-10         | Lønn for det onde og det gode     | 07 |   | 77 |
| 32c3 | 47005014 | 2påIII   |  | 2 Kor 5,14-18        | En ny skapning                    | 07 |   | 77 |
| 25b3 | 47005019 | 4sifII   |  | 2 Kor 5,19-21        | Forsoningens tjeneste             | 07 | > | 77 |
| 23c3 | 47006001 | 2sifIII  |  | 2 Kor 6,1-10         | Tålmodighet i tjenesten           | 07 |   | 77 |
| 49b3 | 47008001 | 8sitII   |  | 2 Kor 8,9-15         | Denne gangen har dere overflod    | 07 | > | 88 |
| 54b3 | 47009001 | 13sitII  |  | 2 Kor 9,1-8          | Tjenesten for de hellige          | 10 | . | 77 |
| 24c3 | 47012007 | 3sifIII  |  | 2 Kor 12,7-10        | En torn i kroppen                 | 10 |   | 77 |
| 61c3 | 47013005 | 20sitIII |  | 2 Kor 13,5-8         | Ransak dere selv                  | 10 |   |    |
| 51b3 | 47013011 | 10sitII  |  | 2 Kor 13,11-13       | Hils hverandre med et hellig kyss | 07 |   |    |
| 46c3 | 48001006 | 5sitIII  |  | Gal 1,6-9            | Bare ett evangelium               | 07 |   | 77 |
| 43b3 | 48003023 | 2sitII   |  | Gal 3,23-29          | Kledd dere i Kristus              | 09 |   | 77 |
| 71a3 | 48003026 | SameI    |  | Gal 3,26-29          | Dere er alle én i Kristus         | 10 |   |    |
| 26a3 | 48004004 | MBI      |  | Gal 4,4-7            | Født av en kvinne, barnekåret     | 07 | > | 77 |
| 52b3 | 48005001 | 11sitII  |  | Gal 5,1-6            | Til frihet                        | 10 |   | 77 |
| 59a3 | 48005016 | 18sitI   |  | Gal 5,16-26          | Livet i Ånden                     | 09 |   | 77 |
| 26b3 | 49001003 | MBII     |  | Ef 1,3-6             | Nåden i Kristus                   | 07 |   | 77 |
| 13b3 | 49001007 | 2siaIII  |  | Ef 1,7-12            | Skapelse og forsoning             | 07 |   | 77 |
| 38c3 | 49001017 | KrHiIII  |  | Ef 1,17-23           | Satte ham ved høyre hånd          | 07 |   | 77 |
| 45b3 | 49002001 | 4sitII   |  | Ef 2,1-10            | Skapt til gode gjerninger         | 07 |   | 77 |
| 81a3 | 49002011 | EnhI     |  | Ef 2,11-18           | Kristus forener                   | 07 |   | 77 |
| 27a3 | 49002012 | PalmI    |  | Ef 2,12-18           | Kristus forener                   | 07 | > | 77 |
| 36c3 | 49002017 | 5sipIII  |  | Ef 2,17-22           | Kristus er hjørnesteinen          | 07 |   | 77 |
| 12a3 | 49003001 | KrÅpI    |  | Ef 3,1-7             | Kristi mysterium                  | 07 |   | 77 |
| 37c3 | 49003014 | 6sipIII  |  | Ef 3,14-21           | Bønn om styrke og innsikt         | 07 |   | 77 |
| 81c3 | 49004001 | EnhIII   |  | Ef 4,1-6             | Å bevare Åndens enhet             | 07 |   | 77 |
| 38a3 | 49004007 | KrHiI    |  | Ef 4,7-10            | Han steg opp og gav gaver         | 07 |   | 77 |
| 55b3 | 49004011 | 14sitII  |  | Ef 4,11-16           | Så Kristi kropp kan bygges opp    | 07 | > | 77 |
| 51c3 | 49004029 | 10sitIII |  | Ef 4,29-32           | Tilgi slik Gud har tilgitt        | 08 |   | 77 |
| 24a3 | 49005001 | 3sifI    |  | Ef 5,1-2.8-11        | Ha Gud som forbilde               | 07 |   | 77 |
| 82b3 | 49005001 | RetfII   |  | Ef 5,1-2.8-16        | Lysets barn                       | 09 |   | 77 |
| 77b3 | 49005015 | HøstII   |  | Ef 5,15-20           | Takk alltid vår Gud og Far        | 08 |   | 77 |
| 60b3 | 49005031 | 19sitII  |  | Ef 5,31-33           | Mysteriet Kristus og kirken       | 10 | > | 77 |
| 60c3 | 49006001 | 19sitIII |  | Ef 6,1-4             | Oppdragelse etter Herrens vilje   | 10 | . | 88 |
| 24b3 | 49006010 | 3sifII   |  | Ef 6,10-18           | Guds rustning                     | 07 | > | 77 |
| 17a3 | 50001002 | 6siaI    |  | Fil 1,2-6            | Han som begynte, skal fullføre    | 07 | > | 77 |
| 49c3 | 50001009 | 8sitIII  |  | Fil 1,9-11           | Innsikt og dømmekraft             | 08 |   | 77 |
| 56a3 | 50001009 | 15sitI   |  | Fil 1,9-11           | Kjærlighet rik på dømmekraft      | 08 |   | 77 |

|      |          |            |                          |                                  |   |    |      |
|------|----------|------------|--------------------------|----------------------------------|---|----|------|
| 15c3 | 50001020 | 4siaIII    | Fil 1,20                 | At Kristus skal bli opphøyd      | O | 07 | 77   |
| 58c3 | 50001020 | 17sitIII   | Fil 1,20-26              | Jeg er trukket til begge sider   | O | 07 | 77   |
| 08c3 | 50001027 | 2julIII    | Fil 1,27-30              | Kjemp for evangeliet             |   | 10 | 77   |
| 63b3 | 50002001 | 22sitII    | Fil 2,1-4                | Ikke selvhedelse, men ydmykhet   |   | 08 | 88   |
| 11a3 | 50002005 | NydagI     | Fil 2,5-11               | Navnet over alle navn            | O | 07 | 77   |
| 27c3 | 50002005 | PalmIII    | Fil 2,5-11               | Navnet over alle navn            | O | 07 | 77   |
| 53c3 | 50003007 | 12sitIII   | Fil 3,7-14               | Vinning og tap                   | O | 07 | 77   |
| 35a3 | 50003012 | 4sipaI     | Fil 3,12-14              | Jeg jager fram mot målet         | O | 07 | 77   |
| 04b3 | 50004004 | 4siaII     | Fil 4,4-7                | Gled dere i Herren!              | O | 07 | 77   |
| 71b3 | 50004004 | SameII     | Fil 4,4-9                | Gled dere i Herren               | O | 10 |      |
| 56b3 | 50004010 | 15sitII    | Fil 4,10-14              | Alt makter jeg i ham             |   | 08 | 77   |
| 69b3 | 51001009 | SistII     | Kol 1,9-14               | Et liv som er Herren verdig      |   | 07 | 77   |
| 13c3 | 51001015 | 2siaI      | Kol 1,15-20              | Skapelse og forsoning            | O | 07 | 77   |
| 80c3 | 51001015 | SkapII     | Kol 1,15-20              | Skapelse og forsoning            | O | 07 | 77   |
| 17b3 | 51001024 | 6siaII     | Kol 1,24-29              | Lidelser og tjeneste             |   | 07 | 77   |
| 31c3 | 51002012 | PådagIII   | Kol 2,12-15              | Begravet med Kristus             |   | 07 | 77   |
| 45c3 | 52002005 | 4sitIII    | 1 Tess 2,5-13            | Vi forkynte evangeliet for dere  |   | 07 |      |
| 64c3 | 52004013 | 23sitIII   | 1 Tess 4,13-18           | Når Herren kommer                |   | 07 | 77   |
| 77a3 | 52005015 | HøstI      | 1 Tess 5,15-24           | Takk Gud under alle forhold      |   | 07 | 77   |
| 64a3 | 53001010 | 23sitI     | 2 Tess 1,10b-12          | Verdige det kallet dere har fått |   | 07 | >    |
| 20c3 | 54002001 | FastIII    | 1 Tim 2,1-6a             | Løsepenge for alle               | O | 07 | 77   |
| 73b3 | 54002001 | 17maiII    | 1 Tim 2,1-4              | Be for konger                    | O | 07 | 77   |
| 09a3 | 54003016 | RomjI      | 1 Tim 3,16               | Gudsfryktens mysterium           |   | 07 | 77   |
| 62c3 | 54006006 | 21sitIII   | 1 Tim 6,6-12             | Gudsfrykt, nøysomhet og tro      | O | 07 | 77   |
| 80a3 | 54006006 | SkapI      | 1 Tim 6,6-12             | Gudsfrykt, nøysomhet og tro      | O | 07 | 77   |
| 48b3 | 54006017 | 7sitII     | 1 Tim 6,17-19            | Forman dem som er rike           |   | 07 |      |
| 18c3 | 55001001 | SåmIII     | 2 Tim 1,1-5;3,14-17      | Du vet hvem du har lært av       |   | 10 | 88   |
| 58a3 | 55001007 | 17sitI     | 2 Tim 1,7-12             | Han har gjort ende på døden      |   | 07 | 77   |
| 43a3 | 56003004 | 2sitI      | Tit 3,4-7                | Det bad som gjenföder            |   | 09 | 77   |
| 07a3 | 58001001 | JuledA     | Hebr 1,1-6               | Utstrålingen av Guds herlighet   | O | 07 | 77   |
| 76a3 | 58001005 | Mikkell    | Hebr 1,5-14              | Englene sendes ut for å hjelpe   | O | 10 | . 99 |
| 76c3 | 58002004 | MikkellIII | Hebr 2,4-10              | En kort tid lavere enn englene   |   | 08 | 99   |
| 25a3 | 58004014 | 4sijaI     | Hebr 4,14-16             | Jesus bar fram ett offer         |   | 10 | 77   |
| 22c3 | 58005007 | 1sijaIII   | Hebr 5,7-9               | Prøvet i alt                     |   | 10 | > 88 |
| 02a3 | 58006013 | 2siaI      | Hebr 6,13-19a            | Et fast anker for sjelen         |   | 07 | >    |
| 28b3 | 58010019 | SkjærII    | Hebr 10,19-25            | Frimodighet og bekjennelse       |   | 08 | 88   |
| 83b3 | 58010032 | ForfII     | Hebr 10,32-39            | Dere led med dem                 | O | 09 | 77   |
| 02c3 | 58010035 | 2siaIII    | Heb 10,35-39             | Bare en kort stund               | O | 09 | 77   |
| 74a3 | 58011001 | JonsokI    | Hebr 11,1-2.32b-34.38-40 | Forbilder i tro                  | O | 10 | >    |
| 78c3 | 58011011 | AHIII      | Hebr 11,11-16.39-40      | Et bedre land de lengter etter   | O | 07 |      |
| 78b3 | 58012001 | AHII       | Hebr 12,1-3              | En sky av vitner                 |   | 07 | 77   |
| 60a3 | 58013001 | 19sitI     | Hebr 13,1-3              | Søskenkjærlighet og gjestfrihet  |   | 08 |      |
| 54a3 | 58013005 | 13sitI     | Hebr 13,5-6              | Jeg slipper deg ikke             |   | 07 | 77   |
| 34b3 | 58013020 | 3sipaII    | Hebr 13,20-21            | Den store hyrden                 |   | 07 | 77   |
| 23a3 | 59001002 | 2sijaI     | Jak 1,2-8                | Tro i prøvelse                   |   | 07 |      |
| 22a3 | 59001012 | 1sijaI     | Jak 1,12-16              | Gud frister ingen                |   | 07 | 77   |
| 77c3 | 59001017 | HøstIII    | Jak 1,17-18              | All god gave kommer ovenfra      |   | 07 | 77   |
| 63c3 | 59002001 | 22sitIII   | Jak 2,1-9                | Rike og fattige i menigheten     | O | 07 | 77   |
| 72b3 | 59002001 | 1maiIII    | Jak 2,1-9                | Rike og fattige i menigheten     | O | 07 | 77   |
| 63a3 | 59003007 | 22sitII    | Jak 3,7-12               | Tungen                           |   | 10 | . 77 |
| 72c3 | 59005001 | 1maiIII    | Jak 5,1-6                | Lønner dere holdt tilbake roper  |   | 07 |      |
| 03b3 | 59005007 | 3siaII     | Jak 5,7-8                | Vær tålmodige til Herren kommer  |   | 07 | 77   |
| 16c3 | 59005013 | 5siaIII    | Jak 5,13-16              | Forbønn, salving og omsorg       |   | 07 | > 77 |
| 33c3 | 60001003 | 2sipaIII   | 1 Pet 1,3-9              | Et levende håp                   |   | 07 | 77   |
| 32b3 | 60001018 | 2påII      | 1 Pet 1,18-23            | Han som reiste Kristus opp       | O | 09 | 77   |
| 10a3 | 60001022 | NyafI      | 1 Pet 1,22-25            | Herrens ord varer til evig tid   | O | 07 |      |
| 42a3 | 60002004 | TreenI     | 1 Pet 2,4-10             | Forkynne hans storverk           |   | 10 | . 77 |
| 34a3 | 60002020 | 3sipaI     | 1 Pet 2,20-25            | Hyrde og tilsynsmann             |   | 07 | 77   |
| 51a3 | 60003008 | 10sitI     | 1 Pet 3,8-13             | Han må vende seg fra det onde    |   | 10 | >    |
| 21a3 | 60003018 | AskeI      | 1 Pet 3,18-4,2           | Dåpen og det nye livet           |   | 10 | . 77 |
| 39a3 | 60004007 | SfpiI      | 1 Pet 4,7-11             | Tjen hverandre med nådegavene    |   | 07 | 77   |
| 57b3 | 60004012 | 16sitII    | 1 Pet 4,12-19            | Når en kristen lider             |   | 07 |      |
| 34c3 | 60005001 | 3sipaIII   | 1 Pet 5,1-4              | Menigheten og hyrdene            |   | 07 | 77   |

|      |          |            |   |                      |                                      |   |    |    |
|------|----------|------------|---|----------------------|--------------------------------------|---|----|----|
| 83a3 | 60005007 | ForfI      |   | 1 Pet 5,7-11         | En kort tid må dere nok lide         |   | 07 | 77 |
| 21b3 | 61001003 | Askell     |   | 2 Pet 1,5-11         | Troen skal utfolde seg i livet       |   | 07 | >  |
| 19b3 | 61001016 | KrFoII     |   | 2 Pet 1,16-18        | Øyenvitner på fjellet                |   | 07 | 77 |
| 03c3 | 61001019 | 3siaIII    |   | 2 Pet 1,19-21        | Profetordet                          |   | 07 | 77 |
| 82c3 | 61003008 | RettfIII   |   | 2 Pet 3,8-15         | En ny himmel og jord                 | O | 10 | 77 |
| 10b3 | 61003013 | NyafII     |   | 2 Pet 3,13-15a.17-18 | Forventning                          | O | 10 | 77 |
| 05a3 | 62001001 | JulaftA    |   | 1 Joh 1,1-4          | Livets ord                           | O | 07 | 77 |
| 06a3 | 62001001 | JnattA     |   | 1 Joh 1,1-4          | Livets ord                           | O | 07 | 77 |
| 70a3 | 62001001 | Kyndell    |   | 1 Joh 1,1-4          | Livets ord                           | O | 07 | 77 |
| 10c3 | 62001005 | NyafIIII   |   | 1 Joh 1,5-7          | Dersom vi vandrer i lyset            |   | 07 | 77 |
| 61b3 | 62001008 | 20sitII    |   | 1 Joh 1,8-2,2        | Dersom vi bekjenner våre synder      |   | 07 | 77 |
| 70b3 | 62002007 | KyndellIII |   | 1 Joh 2,7-13         | Det sanne lys skinner                |   | 10 | .  |
| 49a3 | 62002015 | 8sitI      |   | 1 Joh 2,15-17        | Elsk din bror og ikke verden         |   | 07 | 77 |
| 44c3 | 62003001 | 3sitIII    |   | 1 Joh 3,1-3          | Vi får kalles Guds barn              |   | 07 | 77 |
| 62b3 | 62003016 | 21sitII    |   | 1 Joh 3,16-18        | Den som lukker sitt hjerte           |   | 07 | >  |
| 46a3 | 62004001 | 5sitI      |   | 1 Joh 4,1-6          | Prøv åndene                          |   | 10 | 77 |
| 48a3 | 62004007 | 7sitI      |   | 1 Joh 4,7-10         | Gud er kjærlighet                    |   | 07 | 77 |
| 72a3 | 62004016 | 1mail      |   | 1 Joh 4,16-21        | Vi elsker fordi han elsket oss først | O | 08 | 77 |
| 81b3 | 62004018 | EnhII      |   | 1 Joh 4,18-21        | Vi elsker fordi han elsket oss først | O | 07 | 77 |
| 33b3 | 62005001 | 2sipII     |   | 1 Joh 5,1-5          | Troen har seiret                     |   | 07 | 77 |
| 39c3 | 62005006 | SfpiIII    |   | 1 Joh 5,6-12         | Ånden er sannheten                   |   | 07 | 77 |
| 37a3 | 62005013 | 6sipI      |   | 1 Joh 5,13-15        | Han hører når vi ber                 |   | 07 | 77 |
| 37b3 | 64000011 | 6sipII     |   | 3 Joh 11             | Ta det gode til forbilde             |   | 10 | .  |
| 19a3 | 66001009 | KrFoI      |   | Åp 1,9-18            | Menneskesønnen åpenbarer seg         |   | 07 | 77 |
| 78f1 | 66001009 | AHF        | F | Åp 1,9-11a;21,1-5    | En ny himmel og en ny jord           |   | 07 | 77 |
| 35b3 | 66002001 | 4sipII     |   | Åp 2,1-7             | Forlatt din første kjærlighet        |   | 10 | .  |
| 57c3 | 66002008 | 16sitIII   |   | Åp 2,8-11            | Vær ikke redd for det du skal lide   |   | 10 | .  |
| 01c3 | 66003019 | 1siaIII    |   | Åp 3,19-22           | Se, jeg står for døren               |   | 10 | 88 |
| 01b3 | 66005001 | 1siaII     |   | Åp 5,1-5             | Boken med de sju segl                |   | 07 | >  |
| 78a3 | 66007009 | AHI        |   | Åp 7,9-17            | Den store hvite skaren               |   | 07 | 77 |
| 76b3 | 66012001 | MikkellIII |   | Åp 12,1-10           | Dragen ble kastet ned                |   | 07 | <  |
| 75a3 | 66012010 | OlsokI     |   | Åp 12,10-11          | Anklageren er styrtet                |   | 07 | >  |
| 44a3 | 66019005 | 3sitI      |   | Åp 19,5-9            | Salige er de som er innbudt          |   | 09 | 77 |
| 69a3 | 66020011 | SistI      |   | Åp 20,11-13          | Livets bok                           |   | 07 | >  |
| 14a3 | 66021001 | 3siaI      |   | Åp 21,1-6            | En ny himmel og en ny jord           |   | 09 | >  |
| 39b3 | 66021022 | SfpiII     |   | Åp 21,22-27          | Det nye Jerusalem                    |   | 07 | 77 |
| 70c3 | 66022001 | KyndellIII |   | Åp 22,1-7            | Herren skal lyse                     |   | 07 | 77 |
| 17c3 | 66022012 | 6siaIII    |   | Åp 22,12-17          | Jeg vil gjengjelde hver og en        | O | 07 | 77 |
| 14b3 | 66022016 | 3siaII     |   | Åp 22,16-17          | Livets vann                          | O | 07 | 77 |

## REGISTER OVER TEKSTENE I KIRKEÅRSREKKEFØLGE

|      |          |         |     |                                 |                               |   |    |    |
|------|----------|---------|-----|---------------------------------|-------------------------------|---|----|----|
| 010o |          |         |     | <b>1. søndag i adventstiden</b> |                               |   |    |    |
| 01a1 | 19024001 | 1siaII  | I   | Salme 24,1-10                   | Gjør døren høy                |   | 07 | 77 |
| 01a3 | 45013011 | 1siaI   |     | Rom 13,11-12                    | Timen er kommet, våkn opp     |   | 07 | >  |
| 01a5 | 40021001 | 1siaI   |     | Matt 21,1-11                    | Inntoget i Jerusalem          | O | 07 | 77 |
| 01b1 | 23061001 | 1siaII  | II  | Jes 61,1-3                      | Et nådens år med gjengjeld    |   | 09 | 77 |
| 01b3 | 66005001 | 1siaII  |     | Åp 5,1-5                        | Boken med de sju segl         |   | 07 | >  |
| 01b5 | 42004016 | 1siaII  |     | Luk 4,16-22a                    | Jesus står frem i Nasaret     |   | 09 | 77 |
| 01c1 | 23012001 | 1siaIII | III | Jes 12,1-6                      | Lovsang for Herrens frelse    |   | 07 | 77 |
| 01c3 | 66003019 | 1siaIII |     | Åp 3,19-22                      | Se, jeg står for døren        |   | 10 | 88 |
| 01c5 | 40021017 | 1siaIII |     | Matt 21,10-17                   | Jesus drar inn i Jerusalem    | O | 07 |    |
| 01f1 | 40021001 | 1siaF   | F   | Matt 21,1-17                    | Inntoget i Jerusalem og barna |   | 07 | 77 |
| 020o |          |         |     | <b>2. søndag i adventstiden</b> |                               |   |    |    |
| 02a1 | 19033012 | 2siaI   | I   | Salme 33,18-22                  | Han kan fri dem fra døden     |   | 07 | >  |
| 02a3 | 58006013 | 2siaI   |     | Hebr 6,13-19a                   | Et fast anker for sjelen      |   | 07 | >  |
| 02a5 | 43014001 | 2siaI   |     | Joh 14,1-4                      | Jeg vil ta dere til meg       | O | 07 | 77 |
| 02b1 | 23065017 | 2siaII  | II  | Jes 65,17-19                    | Ny himmel og jord             |   | 07 | >  |
| 02b3 | 46015050 | 2siaII  |     | 1 Kor 15,50-57                  | Vi skal bli forvandlet        | O | 07 | >  |

|      |          |         |     |                                 |                                  |      |   |    |
|------|----------|---------|-----|---------------------------------|----------------------------------|------|---|----|
| 02b5 | 42021028 | 2siaII  |     | Luk 21,27-36                    | Guds rike er nær, våk og be      | 07   | > | 77 |
| 02c1 | 23002001 | 2siaIII | III | Jes 2,1-5                       | Herrens fjell i de siste dager   | 07   |   | 77 |
| 02c3 | 58010035 | 2siaIII |     | Heb 10,35-39                    | Bare en kort stund               | O 09 |   | 77 |
| 02c5 | 43016021 | 2siaIII |     | Joh 16,21-24                    | Angst og glede                   | O 07 |   | 77 |
| 02fl | 43014001 | 2siaF   | F   | Joh 14,1-11                     | Veien, sannheten og livet        | 07   |   | 77 |
| 030o |          |         |     | <b>3. søndag i adventstiden</b> |                                  |      |   |    |
| 03a1 | 23035001 | 3siaI   | I   | Jes 35,1-10                     | Den hellige vei                  | 07   |   | 77 |
| 03a3 | 46003018 | 3siaI   |     | 1 Kor 3,18-23                   | Denne verdens visdom             | 07   | > |    |
| 03a5 | 40011002 | 3siaI   |     | Matt 11,2-11                    | Jesus og Johannes                | O 07 | > | 77 |
| 03b1 | 23040001 | 3siaII  | II  | Jes 40,1-5                      | Trøst mitt folk og rydd veg      | 09   |   | 77 |
| 03b3 | 59005007 | 3siaII  |     | Jak 5,7-8                       | Vær tålmodige til Herren kommer  | 07   |   | 77 |
| 03b5 | 42003007 | 3siaII  |     | Luk 3,7-18                      | Frukt som svarer til omvendelsen | 07   |   | 88 |
| 03c1 | 39004004 | 3siaIII | III | Mal 4,4-6                       | Jeg sender Elia til dere         | O 07 |   | 77 |
| 03c3 | 61001019 | 3siaIII |     | 2 Pet 1,19-21                   | Profetordet                      | 07   |   | 77 |
| 03c5 | 43005031 | 3siaIII |     | Joh 5,31-36                     | Skriftene vitner om meg          | 07   | > | 77 |
| 03fl | 27006004 | 3siaF   | F   | Dan 6,4-24                      | Daniel i løvehulen               | 07   |   | 77 |
| 040o |          |         |     | <b>4. søndag i adventstiden</b> |                                  |      |   |    |
| 04a1 | 08004013 | 4siaI   | I   | Rut 4,13-17                     | Ruth blir stammor til David      | 07   |   |    |
| 04a3 | 45015008 | 4siaI   |     | Rom 15,8-13                     | Isais rotskudd                   | 07   |   |    |
| 04a5 | 42001046 | 4siaI   |     | Luk 1,46-55                     | Marias lovsang                   | O 07 |   | 77 |
| 04b1 | 33005001 | 4siaII  | II  | Mika 5,1-4a                     | Fredsfyrsten fra Betlehem        | O 07 |   | 77 |
| 04b3 | 50004004 | 4siaII  |     | Fil 4,4-7                       | Gled dere i Herren!              | O 07 |   | 77 |
| 04b5 | 42001039 | 4siaII  |     | Luk 1,39-45                     | Maria og Elisabeth               | O 07 |   | 77 |
| 04c1 | 36003014 | 4siaIII | III | Sef 3,14-17                     | Han jubler over deg med fryd     | 07   | > | 88 |
| 04c3 | 47001018 | 4siaIII |     | 2 Kor 1,18-22                   | Løftenes ja og amen              | 07   |   | 88 |
| 04c5 | 40001018 | 4siaIII |     | Matt 1,18-25                    | Budskapet til Josef              | O 09 | F | 77 |
| 04fl | 42001039 | 4siaF   | F   | Luk 1,39-45                     | Maria og Elisabeth               | 07   |   | 77 |
| 050o |          |         |     | <b>Julaften</b>                 |                                  |      |   |    |
| 05a1 | 23009001 | JulaftA | A   | Jes 9,1a.2.6-7                  | Fredsfyrsten                     | 09   |   | 77 |
| 05a3 | 62001001 | JulaftA |     | 1 Joh 1,1-4                     | Livets ord                       | O 07 |   | 77 |
| 05a5 | 42002001 | JulaftA |     | Luk 2,1-20                      | Jesus blir født                  | O 07 |   | 77 |
| 060o |          |         |     | <b>Julenatt / Ottesang</b>      |                                  |      |   |    |
| 06a1 | 33005001 | JnattA  | A   | Mika 5,1-4a                     | Fredsfyrsten fra Betlehem        | O 07 |   | 77 |
| 06a3 | 62001001 | JnattA  |     | 1 Joh 1,1-4                     | Livets ord                       | O 07 |   | 77 |
| 06a5 | 40001018 | JnattA  |     | Matt 1,18-25                    | Josef og Jesu fødsel             | O 07 |   | 77 |
| 070o |          |         |     | <b>Juledag</b>                  |                                  |      |   |    |
| 07a1 | 20008001 | JuledA  | A   | Ordsp 8,1-2.22-31               | Visdommen og bygningsmannen      | 10   | . |    |
| 07a3 | 58001001 | JuledA  |     | Hebr 1,1-6                      | Utstrålingen av Guds herlighet   | O 07 |   | 77 |
| 07a5 | 43001001 | JuledA  |     | Joh 1,1-14                      | Ordet ble menneske               | O 07 |   | 77 |
| 07fl | 42002001 | JuledF  | F   | Luk 2,1-20                      | Jesus blir født                  | 07   |   | 77 |
| 080o |          |         |     | <b>2. juledag</b>               |                                  |      |   |    |
| 08a1 | 24031015 | 2julI   | I   | Jer 31,15-17                    | Det lyder klagerop i Rama        | 07   |   |    |
| 08a3 | 44007052 | 2julI   |     | Apg 7,52-60                     | Stefanus blir steinet            | 07   |   | 77 |
| 08a5 | 40002016 | 2julI   |     | Matt 2,16-23                    | Barnemordet og veien til Nasaret | 07   |   | 77 |
| 08b1 | 19086011 | 2julII  | II  | Salme 86,11-17                  | Gi meg et udelt hjerte           | 07   |   |    |
| 08b2 | 44006008 | 2julIII |     | Apg 6,8-15                      | Stefanus for Rådet               | 07   |   | 77 |
| 08b5 | 40010016 | 2julIII |     | Matt 10,16-22                   | Som sauer blant ulver            | 07   |   | 77 |
| 08c1 | 25003052 | 2julIII | III | Klag 3,52-57                    | Nå er det ute med meg            | 07   |   |    |
| 08c3 | 50001027 | 2julIII |     | Fil 1,27-30                     | Kjemp for evangeliet             | 10   |   | 77 |
| 08c5 | 40023034 | 2julIII |     | Matt 23,34-37                   | Du slår profetene i hjel         | O 07 | > | 77 |
| 08fl | 40002013 | 2julF   | F   | Matt 2,13-23                    | Flukten til Egypt                | 07   |   | 77 |
| 090o |          |         |     | <b>Romjuls søndag</b>           |                                  |      |   |    |
| 09a1 | 19001001 | RomjI   | I   | Salme 1,1-6                     | De to veier                      | 07   |   |    |
| 09a3 | 54003016 | RomjI   |     | 1 Tim 3,16                      | Gudsfryktens mysterium           | 07   |   | 77 |
| 09a5 | 40002013 | RomjI   |     | Matt 2,13-15                    | Flukten til Egypt                | 07   |   | 77 |
| 09b1 | 02001015 | RomjII  | II  | 2 Mos 1,15-21                   | Jordmødrene fryktet Gud          | 07   |   | 77 |

|      |          |         |     |                                     |                                      |   |    |      |
|------|----------|---------|-----|-------------------------------------|--------------------------------------|---|----|------|
| 09b3 | 44007017 | RomjII  |     | Apg 7,17-22                         | Moses var full av kraft              |   | 07 |      |
| 09b5 | 42002036 | RomjIII |     | Luk 2,36-38                         | Profeten Anna fortalte om barnet     | O | 07 | 77   |
| 09c1 | 23066010 | RomjIII | III | Jes 66,10-13                        | Gled dere med Jerusalem              |   | 09 |      |
| 09c3 | 45011033 | RomjIII |     | Rom 11,33-36                        | Hvor ufattelige hans veier           | O | 07 | 77   |
| 09c5 | 42002025 | RomjIII |     | Luk 2,25-35                         | Simeons lovsang                      | O | 10 | 77   |
| 09f1 | 42002022 | RomjF   | F   | Luk 2,22-40                         | Jesus blir båret frem i tempelet     |   | 07 | 77   |
| 100o |          |         |     | <b>Nyttårsaftnen</b>                |                                      |   |    |      |
| 10a1 | 21003001 | NyafI   | I   | Fork 3,1-2.4-7.11a                  | Alt har sin tid                      |   | 07 |      |
| 10a3 | 60001022 | NyafI   |     | 1 Pet 1,22-25                       | Herrens ord varer til evig tid       | O | 07 |      |
| 10a5 | 42013006 | NyafI   |     | Luk 13,6-9                          | Fikentreet som ikke bar frukt        |   | 07 | 77   |
| 10b1 | 24029010 | NyafII  | II  | Jer 29,10-14                        | Fredstanker, fremtid og håp          | O | 07 | 88   |
| 10b3 | 61003013 | NyafII  |     | 2 Pet 3,13-15a.17-18                | Forventning                          | O | 10 | 77   |
| 10b5 | 43014027 | NyafII  |     | Joh 14,27                           | Min fred gir jeg dere                | O | 07 | 77   |
| 10c1 | 25003022 | NyafIII | III | Klag 3,22-26                        | Herrens miskunn er ikke forbi        |   | 07 | 77   |
| 10c3 | 62001005 | NyafIII |     | 1 Joh 1,5-7                         | Dersom vi vandrer i lyset            |   | 07 | 77   |
| 10c5 | 40011028 | NyafIII |     | Matt 11,25-30                       | Jeg vil gi dere hvile                | O | 07 | 77   |
| 10f1 | 01028010 | NyafF   | F   | 1 Mos 28,10-29,1                    | Jakobs drøm                          |   | 07 | 88   |
| 110o |          |         |     | <b>Nyttårsdag</b>                   |                                      |   |    |      |
| 11a1 | 04006022 | NydaI   | I   | 4 Mos 6,22-27                       | Velsignelsen                         |   | 07 | 77   |
| 11a3 | 50002005 | NydaI   |     | Fil 2,5-11                          | Navnet over alle navn                | O | 07 | 77   |
| 11a5 | 42002021 | NydaI   |     | Luk 2,21                            | Han fikk navnet Jesus                | O | 07 | 77   |
| 11b1 | 19103013 | NydaII  | II  | Salme 103,13-18                     | Forgjengelighet og miskunn           |   | 10 | 77   |
| 11b3 | 44004008 | NydaII  |     | Apg 4,8-12                          | Ikke noe annet navn                  |   | 10 | 77   |
| 11b5 | 40001020 | NydaII  |     | Matt 1,20b-21                       | Navnet Jesus, han skal frelse        | O | 07 | 77   |
| 11c1 | 19072017 | NydaIII | III | Salme 72,17-19                      | La hans navn bestå til evig tid      |   | 07 |      |
| 11c3 | 45010008 | NydaIII |     | Rom 10,8b-13                        | Rik nok for alle som påkaller ham    | O | 07 | <    |
| 11c5 | 40018020 | NydaIII |     | Matt 18,19-20                       | Samlet i mitt navn                   |   | 10 | 77   |
| 11f1 | 40001018 | NydaF   | F   | Matt 1,18-25                        | Josefs drøm og Jesu navn             |   | 07 | 77   |
| 120o |          |         |     | <b>Kristi åpenbaringsdag</b>        |                                      |   |    |      |
| 12a1 | 23060001 | KrÅpI   | I   | Jes 60,1-6                          | Herrens herlighet over deg           |   | 07 | 77   |
| 12a3 | 49003001 | KrÅpI   |     | Ef 3,1-7                            | Kristi mysterium                     |   | 07 | 77   |
| 12a5 | 40002001 | KrÅpI   |     | Matt 2,1-12                         | Vismennene hyller Jesus              |   | 07 | 77   |
| 12b1 | 23049001 | KrÅpII  | II  | Jes 49,1-7                          | Et lys for folkeslag                 |   | 08 | 77   |
| 12b3 | 45015004 | KrÅpII  |     | Rom 15,4-6                          | Håp som skriftene gir                |   | 07 | > 77 |
| 12b5 | 42002040 | KrÅpII  |     | Luk 2,40-52                         | Jesus som tolvåring i tempelet       |   | 07 | 77   |
| 12c1 | 23051004 | KrÅpIII | III | Jes 51,4-8                          | Min frelse varer fra slekt til slekt |   | 07 |      |
| 12c3 | 47004001 | KrÅpIII |     | 2 Kor 4,1-6                         | Kristi herlighet                     |   | 07 | 77   |
| 12c5 | 43012042 | KrÅpIII |     | Joh 12,42-47                        | Som lys er jeg kommet til verden     |   | 07 | > 77 |
| 12f1 | 40002001 | KrÅpF   | F   | Matt 2,1-12                         | Vismennene hyller Jesus              |   | 07 | 77   |
| 130o |          |         |     | <b>2. søndag i åpenbaringstiden</b> |                                      |   |    |      |
| 13a1 | 23042001 | 2siåI   | I   | Jes 42,1-4                          | Herrens tjener, et lys for folkene   |   | 07 | 77   |
| 13a3 | 44018024 | 2siåII  |     | Apg 18,24-19,7                      | Johannesdåpen og kristen dåp         |   | 07 | 77   |
| 13a5 | 40003013 | 2siåI   |     | Matt 3,13-17                        | Jesus blir døpt                      |   | 07 | 77   |
| 13b1 | 02001022 | 2siåII  | II  | 2 Mos 1,22-2,10                     | Moses blir født                      |   | 07 | 77   |
| 13b3 | 49001007 | 2siåIII |     | Ef 1,7-12                           | Skapelse og forsoning                |   | 07 | 77   |
| 13b5 | 41001003 | 2siåII  |     | Mark 1,3-11                         | Døperen Johannes og Jesu dåp         |   | 07 |      |
| 13c1 | 23053006 | 2siåIII | III | Jes 53,6-9                          | Han har båret deres synder           |   | 09 | > 77 |
| 13c3 | 51001015 | 2siåI   |     | Kol 1,15-20                         | Skapelse og forsoning                | O | 07 | 77   |
| 13c5 | 43001029 | 2siåIII |     | Joh 1,29-34                         | Guds lam bærer verdens synd          |   | 07 | 77   |
| 13f1 | 40003013 | 2siåF   | F   | Matt 3,13-4,11                      | Jesus blir døpt og fristet           |   | 07 | 77   |
| 140o |          |         |     | <b>3. søndag i åpenbaringstiden</b> |                                      |   |    |      |
| 14a1 | 01001027 | 3siåI   | I   | 1 Mos 1,26-31                       | Mann og kvinne i Guds bilde          | O | 10 | . 77 |
| 14a3 | 66021001 | 3siåI   |     | Åp 21,1-6                           | En ny himmel og en ny jord           |   | 09 | > 77 |
| 14a5 | 43002001 | 3siåI   |     | Joh 2,1-11                          | Bryllupet i Kana                     |   | 07 | 77   |
| 14b1 | 23055001 | 3siåII  | II  | Jes 55,1-3                          | Alle som tørster, kom hit            | O | 09 | 77   |
| 14b3 | 66022016 | 3siåII  |     | Åp 22,16-17                         | Livets vann                          | O | 07 | 77   |
| 14b5 | 43004004 | 3siåIII |     | Joh 4,4-26                          | Kvinnen ved brønnen                  |   | 07 | 88   |
| 14c1 | 02003013 | 3siåIII | III | 2 Mos 3,13-15                       | Jeg er den jeg er                    |   | 07 | 77   |



|      |          |         |     |                                     |                                  |      |      |
|------|----------|---------|-----|-------------------------------------|----------------------------------|------|------|
| 14c3 | 46008005 | 3siåIII |     | 1 Kor 8,5-6                         | For oss er det én Gud            | 07   | 77   |
| 14c5 | 43001015 | 3siåIII |     | Joh 1,15-18                         | Han har vist oss hvem Gud er     | 07   | 77   |
| 14f1 | 42002040 | 3siåF   | F   | Luk 2,40-52                         | Jesus som tolvåring i templet    | 07   | 77   |
| 150o |          |         |     | <b>4. søndag i åpenbaringstiden</b> |                                  |      |      |
| 15a1 | 19146001 | 4siåI   | I   | Salme 146,1-10                      | Herren åpner blindes øyne        | 10   | 77   |
| 15a3 | 45016025 | 4siåI   |     | Rom 16,25-27                        | Mysteriet er kommet for dagen    | 10   | 88   |
| 15a5 | 42018035 | 4siåI   |     | Luk 18,35-43                        | Den blinde ved Jeriko            | 10   | 77   |
| 15b1 | 02003010 | 4siåII  | II  | 2 Mos 3,10-12; 4,10-16              | Hvem har gitt mennesket munn?    | 07   | 77   |
| 15b3 | 45009020 | 4siåII  |     | Rom 9,20-24                         | Jeg viser godhet mot den jeg vil | 09   | >    |
| 15b5 | 43009001 | 4siåII  |     | Joh 9,1-7.35b-38                    | Mannen som var født blind        | 07   | 77   |
| 15c1 | 20014021 | 4siåIII | III | Ordsp 14,21-22.25.31                | Stakkaren og skaperen            | 07   |      |
| 15c3 | 50001020 | 4siåIII |     | Fil 1,20                            | At Kristus skal bli opphøyd      | O 07 | 77   |
| 15c5 | 42013010 | 4siåIII |     | Luk 13,10-17                        | Jesus helbreder en kvinne        | 07   | 77   |
| 15f1 | 42018035 | 4siåF   | F   | Luk 18,35-43                        | Den blinde ved Jeriko            | 07   | 77   |
| 160o |          |         |     | <b>5. søndag i åpenbaringstiden</b> |                                  |      |      |
| 16a1 | 01015001 | 5siåI   | I   | 1 Mos 15,1-6                        | Herren regnet ham som rettferdig | 07   | 77   |
| 16a3 | 45004001 | 5siåI   |     | Rom 4,1-8                           | Abrahams tro                     | 07   | 77   |
| 16a5 | 41002001 | 5siåI   |     | Mark 2,1-12                         | Den lamme mannen                 | 07   | 77   |
| 16b1 | 19107023 | 5siåII  | II  | Salme 107,23-32                     | Han fikk stormen til å stilne    | 07   | 88   |
| 16b3 | 47001008 | 5siåII  |     | 2 Kor 1,8-11                        | Han reddet oss fra den visse død | 07   | 77   |
| 16b5 | 40014022 | 5siåII  |     | Matt 14,22-34                       | Jesus og Peter går på vannet     | 07   | > 77 |
| 16c1 | 19103001 | 5siåIII | III | Salme 103,1-6                       | Han tilgir og leger              | 07   | 77   |
| 16c3 | 59005013 | 5siåIII |     | Jak 5,13-16                         | Forbønn, salving og omsorg       | 07   | > 77 |
| 16c5 | 43005001 | 5siåIII |     | Joh 5,1-15                          | Den syke ved Betesda             | 09   | 77   |
| 16f1 | 41002001 | 5siåF   | F   | Mark 2,1-12                         | Jesus og den lamme mannen        | 07   | 77   |
| 170o |          |         |     | <b>6. søndag i åpenbaringstiden</b> |                                  |      |      |
| 17a1 | 19126001 | 6siåI   | I   | Salme 126,1-6                       | Så med tårer, høste med jubelrop | 07   | 77   |
| 17a3 | 50001002 | 6siåI   |     | Fil 1,2-6                           | Han som begynte, skal fullføre   | 07   | > 77 |
| 17a5 | 43006063 | 6siåI   |     | Joh 6,63-69                         | Du har det evige livs ord        | 08   | 77   |
| 17b1 | 19119080 | 6siåII  | II  | Salme 119,80-83                     | Så jeg ikke blir til skamme      | 07   |      |
| 17b3 | 51001024 | 6siåII  |     | Kol 1,24-29                         | Lidelser og tjeneste             | 07   | 77   |
| 17b5 | 42012035 | 6siåII  |     | Luk 12,35-40                        | Lykkelige de han finner våkne    | 07   | 77   |
| 17c1 | 20004018 | 6siåIII | III | Ordsp 4,18-27                       | Bevar ditt hjerte                | 07   | 77   |
| 17c3 | 66022012 | 6siåIII |     | Åp 22,12-17                         | Jeg vil gjengjelde hver og en    | O 07 | 77   |
| 17c5 | 41013021 | 6siåIII |     | Mark 13,21-27                       | Når Menneskesønnen kommer        | 07   | > 77 |
| 17f1 | 42012035 | 6siåF   | F   | Luk 12,35-40                        | Lykkelige de han finner våkne    | 07   | 77   |
| 180o |          |         |     | <b>Såmannssøndag</b>                |                                  |      |      |
| 18a1 | 23055010 | SåmI    | I   | Jes 55,8-13                         | Ordet vender ikke tomt tilbake   | 08   | < 77 |
| 18a3 | 45001016 | SåmI    |     | Rom 1,16-17                         | Guds kraft til frelse            | O 07 | 77   |
| 18a5 | 42008004 | SåmI    |     | Luk 8,4-15                          | Såmannen og jordsmonnet          | 07   | 77   |
| 18b1 | 24020007 | SåmII   | II  | Jer 20,7-9                          | Som flammende ild                | O 08 | 77   |
| 18b3 | 45010013 | SåmII   |     | Rom 10,13-17                        | Troen kommer av budskapet        | 08   | 77   |
| 18b5 | 41004026 | SåmII   |     | Mark 4,26-34                        | Såkornet og sennepsfrøet         | 07   | 77   |
| 18c1 | 05006001 | SåmIII  | III | 5 Mos 6,1-9                         | Du skal elske Herren din Gud     | O 09 | 77   |
| 18c3 | 55001001 | SåmIII  |     | 2 Tim 1,1-5;3,14-17                 | Du vet hvem du har lært av       | 10   | 88   |
| 18c5 | 40013024 | SåmIII  |     | Matt 13,24-30                       | Ugresset i hveten                | 10   | . 77 |
| 18f1 | 42008004 | SåmF    | F   | Luk 8,4-15                          | Såmannen og jordsmonnet          | 07   | 77   |
| 190o |          |         |     | <b>Kristi forklarelsesdag</b>       |                                  |      |      |
| 19a1 | 05018015 | KrFoI   | I   | 5 Mos 18,15-18                      | En profet som deg                | 07   | 77   |
| 19a3 | 66001009 | KrFoI   |     | Åp 1,9-18                           | Menneskesønnen åpenbarer seg     | 07   | 77   |
| 19a5 | 40017001 | KrFoI   |     | Matt 17,1-9                         | Disiplene får se Jesu herlighet  | 07   | 77   |
| 19b1 | 02003001 | KrFoII  | II  | 2 Mos 3,1-6                         | Moses og tornebusken             | 07   | 77   |
| 19b3 | 61001016 | KrFoII  |     | 2 Pet 1,16-18                       | Øyenvitner på fjellet            | 07   | 77   |
| 19b5 | 41009002 | KrFoII  |     | Mark 9,2-13                         | Disiplene får se Jesu herlighet  | 10   | .    |
| 19c1 | 02034027 | KrFoIII | III | 2 Mos 34,27-35                      | Det strålte av ansiktet hans     | 07   | 77   |
| 19c3 | 47003012 | KrFoIII |     | 2 Kor 3,12-18                       | Moses la et slør over ansiktet   | 07   | 88   |
| 19c5 | 42009028 | KrFoIII |     | Luk 9,28-36                         | Disiplene får se Jesu herlighet  | 07   |      |

|      |          |         |     |                          |                                    |    |      |
|------|----------|---------|-----|--------------------------|------------------------------------|----|------|
| 19fl | 40017001 | KrFoF   | F   | Matt 17,1-8              | Disiplene får se Jesu herlighet    | 07 | 77   |
| 200o |          |         |     | <b>Fastelavnssøndag</b>  |                                    |    |      |
| 20a1 | 22008006 | FastI   | I   | Høys 8,6-7               | Kjærligheten er sterk som døden    | 07 |      |
| 20a3 | 46013001 | FastI   |     | 1 Kor 13,1-7             | Kjærlighetens vei                  | 07 | 77   |
| 20a5 | 43017020 | FastI   |     | Joh 17,20-26             | Så kjærligheten kan være i dem     | 10 | 77   |
| 20b1 | 23053001 | FastII  | II  | Jes 53,1-5               | Såret for våre overtredelser       | 10 | 77   |
| 20b3 | 46001018 | FastII  |     | 1 Kor 1,18-25            | Vi forkynner en korsfestet Kristus | 10 | 77   |
| 20b5 | 43012020 | FastII  |     | Joh 12,20-33             | Jesu død og herliggjørelse         | 07 | 77   |
| 20c1 | 23052013 | FastIII | III | Jes 52,13-15             | Herrens lidende tjener             | 09 | 77   |
| 20c3 | 54002001 | FastIII |     | 1 Tim 2,1-6a             | Løsepenge for alle                 | 07 | 77   |
| 20c5 | 42018031 | FastIII |     | Luk 18,31-34             | Se vi går opp til Jerusalem        | 10 | 77   |
| 20fl | 41008027 | FastF   | F   | Markus 8,27-38           | Peter frister Jesus                | 07 |      |
| 210o |          |         |     | <b>Askeonsdag</b>        |                                    |    |      |
| 21a1 | 29002012 | AskeI   | I   | Joel 2,12-13             | Vend om for Gud er nådig           | 07 | 77   |
| 21a3 | 60003018 | AskeI   |     | 1 Pet 3,18-4,2           | Dåpen og det nye livet             | 10 | 77   |
| 21a5 | 40006001 | AskeI   |     | Matt 6,1-6.16-18         | Gaver, bønn og faste               | 07 | 77   |
| 21b1 | 32003003 | AskeII  | II  | Jona 3,3-10              | Jona i Ninive                      | 07 |      |
| 21b3 | 61001003 | AskeII  |     | 2 Pet 1,5-11             | Troen skal utfolde seg i livet     | 07 | >    |
| 21b5 | 40012038 | AskeII  |     | Matt 12,38-42            | En ond slekt krever tegn           | 07 |      |
| 21c1 | 23058004 | AskeIII | III | Jes 58,4-10              | Den rette faste: å bryte åk        | 07 | 77   |
| 21c3 | 44013001 | AskeIII |     | Apg 13,1-4;14,22-23      | Paulus og Barnabas sendes ut       | 07 |      |
| 21c5 | 41002018 | AskeIII |     | Mark 2,18-20             | Fest eller faste                   | 07 | 77   |
| 21fl | 01027001 | AskeF   | F   | 1 Mos 27,1-29            | Jakob lurte til seg velsignelsen   | 10 |      |
| 220o |          |         |     | <b>1. søndag i faste</b> |                                    |    |      |
| 22a1 | 01002008 | 1sifI   | I   | 1 Mos 2,8-9;3,1-8        | Syndefallet                        | 07 | 77   |
| 22a3 | 59001012 | 1sifI   |     | Jak 1,12-16              | Gud frister ingen                  | 07 | 77   |
| 22a5 | 40004001 | 1sifI   |     | Matt 4,1-11              | Jesus blir fristet                 | 07 | 77   |
| 22b1 | 01004001 | 1sifII  | II  | 1 Mos 4,1-7              | Du skal være herre over synden     | 07 | 77   |
| 22b3 | 46010010 | 1sifII  |     | 1 Kor 10,10-13           | Ingen overmenneskelig fristelse    | 07 | >    |
| 22b5 | 40016021 | 1sifII  |     | Matt 16,21-23            | Om lidelsen og Peters protest      | 07 | 77   |
| 22c1 | 10012001 | 1sifIII | III | 2 Sam 12,1-10            | Natan og David                     | 07 |      |
| 22c3 | 58005007 | 1sifIII |     | Hebr 5,7-9               | Prøvet i alt                       | 10 | > 88 |
| 22c5 | 40026036 | 1sifIII |     | Matt 26,36-45            | I Getsemane                        | 09 | 77   |
| 22fl | 01037001 | 1sifF   | F   | 1 Mos 37,1-36            | Josef og brødrene hans             | 07 |      |
| 230o |          |         |     | <b>2. søndag i faste</b> |                                    |    |      |
| 23a1 | 01032024 | 2sifI   | I   | 1 Mos 32,24-30           | Jakobs kamp                        | 09 | 77   |
| 23a3 | 59001002 | 2sifI   |     | Jak 1,2-8                | Tro i prøvelse                     | 07 |      |
| 23a5 | 40015021 | 2sifI   |     | Matt 15,21-28            | Den kanaaneiske kvinnen            | 07 | 77   |
| 23b1 | 01003008 | 2sifII  | II  | 1 Mos 3,8-15             | Oppgjør etter syndefallet          | 07 |      |
| 23b3 | 45005017 | 2sifII  |     | Rom 5,17-19              | Fall og rettferdighetens gave      | 07 |      |
| 23b5 | 42007036 | 2sifII  |     | Luk 7,36-50              | Hun som fikk syndene tilgitt       | 07 | 77   |
| 23c1 | 23055006 | 2sifIII | III | Jes 55,1-7               | Søk Herren                         | 09 | 77   |
| 23c3 | 47006001 | 2sifIII |     | 2 Kor 6,1-10             | Tålmodighet i tjenesten            | 07 | 77   |
| 23c5 | 42013022 | 2sifIII |     | Luk 13,22-30             | Den trange dør                     | 07 | 77   |
| 23fl | 01039001 | 2sifF   | F   | 1 Mos 39,1-23            | Josef hos Potifar                  | 07 |      |
| 240o |          |         |     | <b>3. søndag i faste</b> |                                    |    |      |
| 24a1 | 09018006 | 3sifI   | I   | 1 Sam 18,6-14            | Saul blir misunnelig på David      | 07 | >    |
| 24a3 | 49005001 | 3sifI   |     | Ef 5,1-2.8-11            | Ha Gud som forbilde                | 07 | 77   |
| 24a5 | 42011014 | 3sifI   |     | Luk 11,14-28             | Jesu makt over urene ånder         | 07 | 77   |
| 24b1 | 18002001 | 3sifII  | II  | Job 2,1-10               | Godt og vondt fra Gud              | 07 | 88   |
| 24b3 | 49006010 | 3sifII  |     | Ef 6,10-18               | Guds rustning                      | 07 | > 77 |
| 24b5 | 41009017 | 3sifII  |     | Mark 9,17-29             | Jesus driver ut en vond ånd        | 07 | 77   |
| 24c1 | 38003001 | 3sifIII | III | Sak 3,1-5                | Satan anklager Josva               | 07 |      |
| 24c3 | 47012007 | 3sifIII |     | 2 Kor 12,7-10            | En torn i kroppen                  | 10 | 77   |
| 24c5 | 42022028 | 3sifIII |     | Luk 22,28-34             | Jeg ba for deg                     | 07 |      |
| 24fl | 01045001 | 3sifF   | F   | 1 Mos 45,1-15;50,14-21   | Josef tilgir sine brødre           | 07 |      |
| 250o |          |         |     | <b>4. søndag i faste</b> |                                    |    |      |

|      |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|------|----------|----------|-----|--------------------------------------|------------------------------------|---|----|------|--|
| 25a1 | 01022001 | 4sifI    | I   | 1 Mos 22,1-14                        | Gud setter Abraham på prøve        |   | 07 | 88   |  |
| 25a3 | 58004014 | 4sifI    |     | Hebr 4,14-16                         | Jesus bar fram ett offer           |   | 10 | 77   |  |
| 25a5 | 43011045 | 4sifI    |     | Joh 11,45-53                         | Ett menneske dør for folket        | O | 07 | 77   |  |
| 25b1 | 04021004 | 4sifII   | II  | 4 Mos 21,4-9                         | Kobberslangen                      |   | 07 | 77   |  |
| 25b3 | 47005019 | 4sifII   |     | 2 Kor 5,19-21                        | Forsoningens tjeneste              |   | 07 | > 77 |  |
| 25b5 | 43003011 | 4sifII   |     | Joh 3,11-16                          | Så høyt har Gud elsket verden      | O | 07 | 77   |  |
| 25c1 | 05008002 | 4sifIII  | III | 5 Mos 8,2-3                          | Herren ledet i ørkenen             |   | 10 | . 77 |  |
| 25c3 | 46010016 | 4sifIII  |     | 1 Kor 10,16-17                       | Vin og brød gir del i Kristus      |   | 10 | 77   |  |
| 25c5 | 43006024 | 4sifIII  |     | Joh 6,24-36                          | Jeg er livets brød                 |   | 09 | 77   |  |
| 25f1 | 02012001 | 4sif F   | F   | 2 Mos 12,1-28                        | Påskemåltidet og utferden          |   | 07 | 77   |  |
| 260o |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|      |          |          |     | <b>Maria budskapsdag</b>             |                                    |   |    |      |  |
| 26a1 | 23007010 | MBI      | I   | Jes 7,10-14                          | Immanuels-tegnet                   |   | 07 | 77   |  |
| 26a3 | 48004004 | MBI      |     | Gal 4,4-7                            | Født av en kvinne, barnekåret      |   | 07 | > 77 |  |
| 26a5 | 42001026 | MBI      |     | Luk 1,26-38                          | Budskapet til Maria                |   | 07 | 77   |  |
| 26b1 | 24033014 | MBII     | II  | Jer 33,14-17                         | En rettferdig spire for Davids ætt |   | 07 |      |  |
| 26b3 | 49001003 | MBII     |     | Ef 1,3-6                             | Nåden i Kristus                    |   | 07 | 77   |  |
| 26b5 | 42001046 | MBII     |     | Luk 1,46-55                          | Marias lovsang                     | O | 07 | 77   |  |
| 26c1 | 09001021 | MBIII    | III | 1 Sam 1,21-28                        | Hanna får Samuel                   | O | 07 |      |  |
| 26c3 | 44016012 | MBIII    |     | Apg 16,12-15                         | Lydia i Filippi                    |   | 10 | . 77 |  |
| 26c5 | 42001039 | MBIII    |     | Luk 1,39-45                          | Maria og Elisabeth                 | O | 07 | 77   |  |
| 26f1 | 42001026 | MBF      | F   | Luk 1,26-38                          | Budskapet til Maria                |   | 07 | 77   |  |
| 270o |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|      |          |          |     | <b>Palmesøndag</b>                   |                                    |   |    |      |  |
| 27a1 | 02012021 | PalmI    | I   | 2 Mos 12,21-28                       | Påskelammet                        |   | 07 | 77   |  |
| 27a3 | 49002012 | PalmI    |     | Ef 2,12-18                           | Kristus forener                    | O | 07 | > 77 |  |
| 27a5 | 43012012 | PalmI    |     | Joh 12,12-24                         | Inntoget og grekerne               | O | 07 | 77   |  |
| 27b1 | 23056006 | PalmII   | II  | Jes 56,6-8                           | Bønnens hus for alle folk          |   | 07 | < 77 |  |
| 27b3 | 45003021 | PalmII   |     | Rom 3,21-26                          | Rettferdighet ved troen            |   | 10 | > 77 |  |
| 27b5 | 40026006 | PalmII   |     | Matt 26,6-13                         | Jesus salves                       |   | 07 | > 77 |  |
| 27c1 | 38009009 | PalmIII  | III | Sak 9,9-10                           | Fredskongen på Sion                |   | 07 | 77   |  |
| 27c3 | 50002005 | PalmIII  |     | Fil 2,5-11                           | Navnet over alle navn              | O | 07 | 77   |  |
| 27c5 | 43012001 | PalmIII  |     | Joh 12,1-13                          | Salving og inntog                  | O | 07 | 77   |  |
| 27f1 | 40021001 | PalmF    | F   | Matt 21,1-17                         | Inntoget i Jerusalem og barna      |   | 07 | 77   |  |
| 280o |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|      |          |          |     | <b>Skjærtorsdag</b>                  |                                    |   |    |      |  |
| 280p | 19111001 | SkjærP   |     | Salme 111, 2 / 4 / 5<br>Omkvad: v 1a | Han gir mat                        |   | 07 |      |  |
| 28a1 | 02012001 | SkjærI   | I   | 2 Mos 12,1.3-8.11-14                 | Herren innstifter påskehøytiden    |   | 07 | > 77 |  |
| 28a3 | 46005006 | SkjærI   |     | 1 Kor 5,6b-8                         | Vårt påskelam er slaktet           |   | 07 | 77   |  |
| 28a5 | 40026017 | SkjærI   |     | Matt 26,17-30                        | Det siste måltid                   |   | 07 | 77   |  |
| 28b1 | 24031031 | SkjærII  | II  | Jer 31,31-34                         | Den nye pakt                       |   | 07 |      |  |
| 28b3 | 58010019 | SkjærII  |     | Hebr 10,19-25                        | Frimodighet og bekjennelse         |   | 08 | 88   |  |
| 28b5 | 42022014 | SkjærII  |     | Luk 22,14-23                         | Nattverden                         |   | 07 | 77   |  |
| 28c1 | 19116001 | SkjærIII | III | Salme 116,1-14                       | Herren kom meg til hjelp           |   | 10 | 88   |  |
| 28c3 | 46011023 | SkjærIII |     | 1 Kor 11,23-26                       | Herrens måltid                     |   | 07 | > 77 |  |
| 28c5 | 43013001 | SkjærIII |     | Joh 13,1-17                          | Jesus vasker disiplenes føtter     | O | 07 | > 77 |  |
| 28f1 | 42022014 | SkjærF   | F   | Luk 22,14-23                         | Jesus innstifter nattverden        |   | 07 | 77   |  |
| 290o |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|      |          |          |     | <b>Langfredag</b>                    |                                    |   |    |      |  |
| 29a1 | 40026030 | LangI    | I   | Matt 26,30-27,50                     | Lidelsesberetningen                | O | 07 | 77   |  |
| 29a2 | 41014026 | LangII   | II  | Mark 14,26-15,37                     | Lidelsesberetningen                |   | 07 | 88   |  |
| 29a3 | 42022039 | LangIII  | III | Luk 22,39-23,46                      | Lidelsesberetningen                |   | 07 | 77   |  |
| 29a4 | 43018001 | LangIV   | IV  | Joh 18,1-19,42                       | Lidelsesberetningen                | O | 09 | 77   |  |
| 29f1 | 41015020 | LangF    | F   | Mark 15,20-39                        | Jesus korsfestes og dør            |   | 07 | 77   |  |
| 300o |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|      |          |          |     | <b>Påskennatt / Ottesang</b>         |                                    |   |    |      |  |
| 30a1 | 01001001 | PånattA  | A   | 1 Mos 1,1-5; 1,26-2,2                | Gud skaper lyset og menneskene     | O | 07 |      |  |
| 30a2 | 02014001 | PånattA  |     | og 2 Mos 14,1-22                     | Sivsjo-underet                     | O | 07 | 77   |  |
| 30a3 | 45006001 | PånattA  |     | Rom 6,3-11                           | Forenet med Kristus i dåpen        | O | 07 | > 77 |  |
| 30a5 | 41016001 | PånattA  |     | Mark 16,1-8                          | Jesus står opp                     |   | 07 | 77   |  |
| 310o |          |          |     |                                      |                                    |   |    |      |  |
|      |          |          |     | <b>Påskedag</b>                      |                                    |   |    |      |  |

|      |          |          |     |                               |                                    |      |   |    |
|------|----------|----------|-----|-------------------------------|------------------------------------|------|---|----|
| 31a1 | 19118018 | PådagI   | I   | Salme 118,14-24               | Dagen som Herren har gjort         | 07   | < | 88 |
| 31a3 | 46015001 | PådagI   |     | 1 Kor 15,1-11                 | Oppstandelsen                      | 07   |   | 77 |
| 31a5 | 42024001 | PådagI   |     | Luk 24,1-9                    | Jesus står opp                     | 10   |   | 77 |
| 31b1 | 23052007 | PådagII  | II  | Jes 52,7-10                   | Den som bringer gledesbud          | 10   | . | 77 |
| 31b3 | 45014007 | PådagII  |     | Rom 14,7-9                    | Herre over levende og døde         | 10   | . | 77 |
| 31b5 | 40028001 | PådagII  |     | Matt 28,1-10                  | Jesus står opp                     | 07   |   | 77 |
| 31c1 | 02015001 | PådagIII | III | 2 Mos 15,1-3                  | Hest og kriger styrtet han i sjøen | 07   | > |    |
| 31c3 | 51002012 | PådagIII |     | Kol 2,12-15                   | Begravet med Kristus               | 07   |   | 77 |
| 31c5 | 43020001 | PådagIII |     | Joh 20,1-10                   | Den tomme graven                   | 07   | > | 77 |
| 31fl | 40028001 | PådagF   | F   | Matt 28,1-10                  | Jesus står opp                     | 07   |   | 77 |
| 320o |          |          |     | <b>2. påskedag</b>            |                                    |      |   |    |
| 32a1 | 32002001 | 2påI     | I   | Jona 2,1-11                   | Herren berger Jona fra dyppet      | 09   |   | 77 |
| 32a3 | 44013032 | 2påI     |     | Apg 13,32-35                  | Jeg vil oppfylle løftene           | 07   |   |    |
| 32a5 | 42024013 | 2påI     |     | Luk 24,13-35                  | Emmaus-vandrerne                   | 07   |   | 77 |
| 32b1 | 01045001 | 2påII    | II  | 1 Mos 45,1-15                 | Josef forteller hvem han er        | 07   |   |    |
| 32b3 | 60001018 | 2påII    |     | 1 Pet 1,18-23                 | Han som reiste Kristus opp         | O 09 |   | 77 |
| 32b5 | 42024036 | 2påII    |     | Luk 24,36-45                  | Jesus viser seg for disiplene      | 07   |   | 77 |
| 32c1 | 24031009 | 2påIII   | III | Jer 31,9-13                   | Jeg vender deres sorg til fryd     | 08   |   |    |
| 32c3 | 47005014 | 2påIII   |     | 2 Kor 5,14-18                 | En ny skapning                     | 07   |   | 77 |
| 32c5 | 43020011 | 2påIII   |     | Joh 20,11-18                  | Jesus og Maria Magdalena           | 07   |   | 77 |
| 32fl | 42024036 | 2påF     | F   | Luk 24,36-45                  | Jesus viser seg for disiplene      | 07   |   | 77 |
| 330o |          |          |     | <b>2. søndag i påsketiden</b> |                                    |      |   |    |
| 33a1 | 23043010 | 2sipI    | I   | Jes 43,10-13                  | Dere er mine vitner                | 07   |   | 77 |
| 33a2 | 44001001 | 2sipI    |     | eller Apg 1,1-5               | Løftet om Ånden                    | 07   |   | 77 |
| 33a3 | 46015012 | 2sipI    |     | 1 Kor 15,12-21                | Nå er Kristus stått opp            | 07   |   | 77 |
| 33a5 | 43021001 | 2sipI    |     | Joh 21,1-14                   | Peters fiskefangst                 | O 07 |   | 77 |
| 33b1 | 24031001 | 2sipII   | II  | Jer 31,1-6                    | Enda en gang vil jeg bygge deg     | 10   | . |    |
| 33b2 | 44001001 | 2sipII   |     | eller Apg 1,1-5               | Løftet om Ånden                    | 07   |   | 77 |
| 33b3 | 62005001 | 2sipII   |     | 1 Joh 5,1-5                   | Troen har seiret                   | 07   |   | 77 |
| 33b5 | 43021015 | 2sipII   |     | Joh 21,15-19                  | Jesus og Peter                     | O 07 |   | 77 |
| 33c1 | 23045005 | 2sipIII  | III | Jes 45,5-8                    | Jeg skaper lyset og mørket         | 10   | . | 88 |
| 33c2 | 44001001 | 2sipIII  |     | eller Apg 1,1-5               | Løftet om Ånden                    | 07   |   | 77 |
| 33c3 | 60001003 | 2sipIII  |     | 1 Pet 1,3-9                   | Et levende håp                     | 07   |   | 77 |
| 33c5 | 43020024 | 2sipIII  |     | Joh 20,24-31                  | Jesus og Tomas                     | 07   |   | 77 |
| 33fl | 43020024 | 2sipF    | F   | Joh 20, 24-31                 | Jesus møter Tomas                  | 07   |   | 77 |
| 340o |          |          |     | <b>3. søndag i påsketiden</b> |                                    |      |   |    |
| 34a1 | 26034011 | 3sipI    | I   | Esek 34,11-16                 | Den gode gjeteren                  | 07   |   | 77 |
| 34a2 | 44002036 | 3sipI    |     | eller Apg 2,36-41             | Vend om og la dere døpe            | 07   |   | 77 |
| 34a3 | 60002020 | 3sipI    |     | 1 Pet 2,20-25                 | Hyrde og tilsynsmann               | 07   |   | 77 |
| 34a5 | 43010011 | 3sipI    |     | Joh 10,11-18                  | Den gode gjeteren                  | 07   |   | 77 |
| 34b1 | 26034023 | 3sipII   | II  | Esek 34,23-31                 | David – hyrde og fyrste            | 07   |   |    |
| 34b2 | 44003012 | 3sipII   |     | eller Apg 3,12-21             | Livets opphavsmann                 | 07   |   | 88 |
| 34b3 | 58013020 | 3sipII   |     | Hebr 13,20-21                 | Den store hyrden                   | 07   |   | 77 |
| 34b5 | 43010001 | 3sipII   |     | Joh 10,1-10                   | Jeg er porten                      | 07   |   | 77 |
| 34c1 | 19023001 | 3sipIII  | III | Salme 23,1-6                  | Herren er min hyrde                | 10   | . | 77 |
| 34c2 | 44005027 | 3sipIII  |     | eller Apg 5,27-42             | Apostlene for Rådet                | 07   |   |    |
| 34c3 | 60005001 | 3sipIII  |     | 1 Pet 5,1-4                   | Menigheten og hyrdene              | 07   |   | 77 |
| 34c5 | 41006030 | 3sipIII  |     | Mark 6,30-44                  | Jesus metter 5000                  | O 07 |   |    |
| 34fl | 09003001 | 3sipF    | F   | 1 Sam 3,1-10                  | Herren kaller Samuel               | 07   |   | 77 |
| 350o |          |          |     | <b>4. søndag i påsketiden</b> |                                    |      |   |    |
| 35a1 | 23054007 | 4sipI    | I   | Jes 54,7-10                   | Herrens fredspakt                  | 07   |   | 77 |
| 35a2 | 44009036 | 4sipI    |     | eller Apg 9,36-43             | Tabita vekkes opp                  | 07   |   |    |
| 35a3 | 50003012 | 4sipI    |     | Fil 3,12-14                   | Jeg jager fram mot målet           | O 07 |   | 77 |
| 35a5 | 43016016 | 4sipI    |     | Joh 16,16-22                  | Sorgen skal bli til glede          | O 07 |   | 77 |
| 35b1 | 23043016 | 4sipII   | II  | Jes 43,16-21                  | Se, jeg skaper noe nytt            | 10   | . | 77 |
| 35b2 | 44009001 | 4sipII   |     | eller Apg 9,1-19              | Saulus ved Damaskus                | O 07 |   | 77 |
| 35b3 | 66002001 | 4sipII   |     | Åp 2,1-7                      | Forlatt din første kjærlighet      | 10   | . | 88 |
| 35b5 | 43013030 | 4sipII   |     | Joh 13,30-35                  | Et nytt bud: Elsk hverandre        | 07   |   | 88 |
| 35c1 | 23040026 | 4sipIII  | III | Jes 40,26-31                  | Han gir den trette kraft           | 07   |   | 77 |

|      |          |         |     |                               |                                 |   |    |   |    |
|------|----------|---------|-----|-------------------------------|---------------------------------|---|----|---|----|
| 35c2 | 44008026 | 4sipIII |     | eller Apg 8,26-39             | Den etiopiske hoffmann          |   | 07 | > | 77 |
| 35c3 | 47004014 | 4sipIII |     | 2 Kor 4,14-18                 | Han skal reise oss opp          |   | 07 |   | 77 |
| 35c5 | 43014001 | 4sipIII |     | Joh 14,1-11                   | Veien, sannheten og livet       | O | 07 | > | 77 |
| 35fl | 09015034 | 4sipF   | F   | 1 Sam 15,34-16,13             | Samuel salver David til konge   |   | 07 |   | 77 |
| 360o |          |         |     | <b>5. søndag i påsketiden</b> |                                 |   |    |   |    |
| 36a1 | 28014005 | 5sipI   | I   | Hos 14,5-9                    | Jeg vil lege deres frafall      |   | 07 |   |    |
| 36a2 | 44004032 | 5sipI   |     | eller Apg 4,32-35             | De hadde alt felles             |   | 07 |   | 88 |
| 36a3 | 45011013 | 5sipI   |     | Rom 11,13-20                  | Du er podet inn blant grenene   |   | 10 | > | 77 |
| 36a5 | 43015001 | 5sipI   |     | Joh 15,1-8                    | Det sanne vintre                |   | 07 |   | 77 |
| 36b1 | 11017008 | 5sipII  | II  | 1 Kong 17,8-16                | Enken i Sarepta                 |   | 08 |   | 77 |
| 36b2 | 44002042 | 5sipII  |     | eller Apg 2,42-47             | Fellesskap mellom troende       |   | 07 |   | 77 |
| 36b3 | 45012001 | 5sipII  |     | Rom 12,1-3                    | Til glede for Gud               |   | 07 |   |    |
| 36b5 | 42013018 | 5sipII  |     | Luk 13,18-21                  | Sennepsfrø og surdeig           |   | 07 |   |    |
| 36c1 | 11008012 | 5sipIII | III | 1 Kong 8,12-13.27-30          | Salomo ber for templet          |   | 07 |   | 88 |
| 36c2 | 44011001 | 5sipIII |     | eller Apg 11,1-18             | Hedningene får vende om         |   | 07 |   |    |
| 36c3 | 49002017 | 5sipIII |     | Ef 2,17-22                    | Kristus er hjørnesteinen        | O | 07 |   | 77 |
| 36c5 | 43017006 | 5sipIII |     | Joh 17,6-11                   | Jesus ber for sine              | O | 07 |   | 77 |
| 36fl | 10001002 | 5sipF   | F   | 2 Sam 11,2-5.14-17; 12,1-10   | David, Batseba og Natan         |   | 07 |   |    |
| 370o |          |         |     | <b>6. søndag i påsketiden</b> |                                 |   |    |   |    |
| 37a1 | 24029010 | 6sipI   | I   | Jer 29,10-14                  | Fredstanker, fremtid og håp     | O | 07 |   | 88 |
| 37a2 | 44016025 | 6sipI   |     | eller Apg 16,25-40            | Paulus og Silas løslates        |   | 07 |   |    |
| 37a3 | 62005013 | 6sipI   |     | 1 Joh 5,13-15                 | Han hører når vi ber            |   | 07 |   | 77 |
| 37a5 | 42018001 | 6sipI   |     | Luk 18,1-8                    | Enken og dommeren               |   | 07 |   | 77 |
| 37b1 | 27009017 | 6sipII  | II  | Dan 9,17-19                   | Min Gud, vend ditt øre hit      |   | 10 |   | 77 |
| 37b2 | 44004023 | 6sipII  |     | eller Apg 4,23-31             | Bønn og fellesskap              |   | 07 |   |    |
| 37b3 | 64000011 | 6sipII  |     | 3 Joh 11                      | Ta det gode til forbilde        |   | 10 | . |    |
| 37b5 | 40007007 | 6sipII  |     | Matt 7,7-12                   | Bønn og den gylne regel         |   | 07 |   | 77 |
| 37c1 | 11003005 | 6sipIII | III | 1 Kong 3,5-14                 | Et lydhørt hjerte               |   | 07 |   |    |
| 37c2 | 44012001 | 6sipIII |     | eller Apg 12,1-17             | Peter og Rode                   |   | 10 | . |    |
| 37c3 | 49003014 | 6sipIII |     | Ef 3,14-21                    | Bønn om styrke og innsikt       |   | 07 |   | 77 |
| 37c5 | 40006007 | 6sipIII |     | Matt 6,7-13                   | Herrens bønn                    |   | 09 |   | 77 |
| 37fl | 13028001 | 6sipF   | F   | 1 Krøn 28,1-21                | David, Salomo og Herrens hus    |   | 07 |   |    |
| 380o |          |         |     | <b>Kristi himmelfartsdag</b>  |                                 |   |    |   |    |
| 38a1 | 19110001 | KrHiI   | I   | Salme 110,1-3                 | Sett deg ved min høyre hånd     |   | 09 |   | 77 |
| 38a2 | 44001001 | KrHiI   |     | eller Apg 1,1-11              | Jesus tas opp til himmelen      |   | 07 |   | 77 |
| 38a3 | 49004007 | KrHiI   |     | Ef 4,7-10                     | Han steg opp og gav gaver       |   | 07 |   | 77 |
| 38a5 | 41016019 | KrHiI   |     | Mark 16,19-20                 | Jesus tas opp til himmelen      |   | 07 |   |    |
| 38b1 | 27007013 | KrHiII  | II  | Dan 7,13-14                   | Lik en menneskesønn             |   | 07 |   | 77 |
| 38b2 | 44001001 | KrHiII  |     | eller Apg 1,1-11              | Jesus tas opp til himmelen      |   | 07 |   | 77 |
| 38b3 | 45010006 | KrHiII  |     | Rom 10,6-10                   | Han går i forbønn for dem       | O | 07 |   |    |
| 38b5 | 42024046 | KrHiII  |     | Luk 24,46-53                  | Jesu avskjed                    | O | 07 |   | 77 |
| 38c1 | 09002001 | KrHiIII | III | 1 Sam 2,1-9                   | En Gud som allting vet          |   | 07 |   | 77 |
| 38c2 | 44001001 | KrHiIII |     | eller Apg 1,1-11              | Jesus tas opp til himmelen      |   | 07 |   | 77 |
| 38c3 | 49001017 | KrHiIII |     | Ef 1,17-23                    | Satte ham ved høyre hånd        |   | 07 |   | 77 |
| 38c5 | 43017001 | KrHiIII |     | Joh 17,1-5                    | La din Sønn bli herliggjort     | O | 07 |   | 77 |
| 38fl | 44001001 | KrHiF   | F   | Apg 1,1-14                    | Jesus tas opp til himmelen      |   | 07 |   | 77 |
| 390o |          |         |     | <b>Søndag før pinse</b>       |                                 |   |    |   |    |
| 39a1 | 37002003 | SfpiI   | I   | Hag 2,3-9                     | Bygg opp igjen Herrens tempel   |   | 07 |   | 77 |
| 39a2 | 44001012 | SfpiI   |     | eller Apg 1,12-14             | Disiplene venter i bønn         |   | 07 |   | 77 |
| 39a3 | 60004007 | SfpiI   |     | 1 Pet 4,7-11                  | Tjen hverandre med nådegavene   |   | 07 |   | 77 |
| 39a5 | 43015026 | SfpiI   |     | Joh 15,26-27                  | Talsmannen og dere skal vitne   |   | 07 |   | 77 |
| 39b1 | 38014006 | SfpiII  | II  | Sak 14,6-9                    | Herrens evige dag               |   | 07 |   | 77 |
| 39b2 | 44026001 | SfpiII  |     | eller Apg 26,1-3.20-29        | I Jerusalem og for folkeslagene |   | 10 | . |    |
| 39b3 | 66021022 | SfpiII  |     | Åp 21,22-27                   | Det nye Jerusalem               |   | 07 |   | 77 |
| 39b5 | 43003016 | SfpiII  |     | Joh 3,16-21                   | Lyset er kommet til verden      |   | 07 |   | 77 |
| 39c1 | 11019005 | SfpiIII | III | 1 Kong 19,3b-13               | Herren åpenbarer seg            |   | 07 | < | 88 |
| 39c2 | 44024010 | SfpiIII |     | eller Apg 24,10-21            | Paulus' forsvarstale            |   | 07 |   |    |
| 39c3 | 62005006 | SfpiIII |     | 1 Joh 5,6-12                  | Ånden er sannheten              |   | 07 |   | 77 |
| 39c5 | 43016012 | SfpiIII |     | Joh 16,12-15                  | Når sannhetens Ånd kommer       |   | 07 |   | 77 |

|      |          |          |     |                                     |                                  |    |    |      |
|------|----------|----------|-----|-------------------------------------|----------------------------------|----|----|------|
| 39fl | 01011009 | SfpiF    | F   | 1 Mos 11,1-9                        | Tårnet i Babel                   |    | 07 | 77   |
| 400o |          |          |     |                                     |                                  |    |    |      |
|      |          |          |     | <b>Pinsedag</b>                     |                                  |    |    |      |
| 40a1 | 01002004 | PidagI   | I   | 1 Mos 2,4b-9                        | Guds livspust og livets tre      | O  | 07 | 77   |
| 40a3 | 44002001 | PidagI   |     | Apg 2,1-11                          | Ånden blir gitt                  | O  | 07 | 77   |
| 40a4 | 45008009 | PidagI   |     | eller Rom 8,9-11                    | Dersom hans Ånd bor i dere       |    | 07 | 77   |
| 40a5 | 43020019 | PidagI   |     | Joh 20,19-23                        | Ta imot Ånden                    |    | 07 | 77   |
| 40b1 | 01001001 | PidagII  | II  | 1 Mos 1,1-5                         | Guds Ånd svevet over vannet      | O  | 07 | 77   |
| 40b3 | 44002001 | PidagII  |     | Apg 2,1-11                          | Ånden blir gitt                  |    | 07 | 77   |
| 40b4 | 46012012 | PidagII  |     | eller 1 Kor 12,12-13                | Døpt med én Ånd                  | O  | 07 | 77   |
| 40b5 | 43014015 | PidagII  |     | Joh 14,15-21                        | Talsmannen og Jesu bud           |    | 07 | 77   |
| 40c1 | 01011001 | PidagIII | III | 1 Mos 11,1-9                        | Tårnet i Babel                   |    | 07 | 77   |
| 40c3 | 44002001 | PidagIII |     | Apg 2,1-11                          | Ånden blir gitt                  |    | 07 | 77   |
| 40c4 | 45005001 | PidagIII |     | eller Rom 5,1-5                     | Guds kjærlighet utøst ved Ånden  |    | 07 | 77   |
| 40c5 | 43014023 | PidagIII |     | Joh 14,23-29                        | Løfte om Ånd og fred             | O  | 07 | > 77 |
| 40fl | 44002001 | PidagF   | F   | Apg 2,1-18                          | Disiplene får Den hellige ånd    |    | 07 | 77   |
| 410o |          |          |     |                                     |                                  |    |    |      |
|      |          |          |     | <b>2. pinsedag</b>                  |                                  |    |    |      |
| 41a1 | 29003001 | 2pil     | I   | Joel 3,1-2                          | Når Ånden blir utøst             |    | 07 | 77   |
| 41a3 | 44010034 | 2pil     |     | Apg 10,34-48                        | Ånden kom over alle              |    | 07 | 77   |
| 41a5 | 43016005 | 2pil     |     | Joh 16,5-11                         | Ånden går i rette med verden     | 10 | .  | 77   |
| 41b1 | 23044003 | 2piII    | II  | Jes 44,3-5                          | Min Ånd vil jeg utøse            |    | 07 | 77   |
| 41b3 | 44011019 | 2piII    |     | Apg 11,19-26                        | Den første hedn-kristne menighet |    | 07 |      |
| 41b5 | 43006044 | 2piII    |     | Joh 6,44-47                         | Far drar mennesker til Jesus     |    | 07 | 77   |
| 41c1 | 02017001 | 2piIII   | III | 2 Mos 17,1-7                        | Vann av klippen                  |    | 07 | 88   |
| 41c3 | 44015001 | 2piIII   |     | Apg 15,1-11                         | Apostelmøtet om folkeslagene     |    | 07 | 77   |
| 41c5 | 43007037 | 2piIII   |     | Joh 7,37-39                         | Elver av levende vann            |    | 07 | 77   |
| 41fl | 40014022 | 2piF     | F   | Matt 14,22-34                       | Jesus og Peter går på vannet     |    | 07 | 77   |
| 420o |          |          |     |                                     |                                  |    |    |      |
|      |          |          |     | <b>Treenighetssøndag</b>            |                                  |    |    |      |
| 42a1 | 23042005 | TreenI   | I   | Jes 42,5-10                         | Et lys for folkeslagene          |    | 07 |      |
| 42a3 | 60002004 | TreenI   |     | 1 Pet 2,4-10                        | Forkynne hans storverk           | 10 | .  | 77   |
| 42a5 | 40028016 | TreenI   |     | Matt 28,16-20                       | Misjonsbefalingen                |    | 07 | 77   |
| 42b1 | 01018001 | TreenII  | II  | 1 Mos 18,1-8                        | Herren gjester Abraham           |    | 08 |      |
| 42b3 | 45011033 | TreenII  |     | Rom 11,33-36                        | Å dyp av visdom hos Gud          | O  | 08 | 77   |
| 42b5 | 42010021 | TreenII  |     | Luk 10,21-24                        | Jesus jublet i Ånden             |    | 07 | 77   |
| 42c1 | 23006001 | TreenIII | III | Jes 6,1-8                           | Gud kaller Jesaja                | 10 | .  | 77   |
| 42c3 | 44017022 | TreenIII |     | Apg 17,22-34                        | Han gir liv og ånde til alle     | O  | 07 | 77   |
| 42c5 | 42024045 | TreenIII |     | Luk 24,45-48                        | Tilgivelse for folkeslagene      | O  | 07 | 77   |
| 42fl | 44009001 | TreenF   | F   | Apg 9,1-19                          | Saulus kalles til tjeneste       |    | 10 | 77   |
| 430o |          |          |     |                                     |                                  |    |    |      |
|      |          |          |     | <b>2. søndag i treenighetstiden</b> |                                  |    |    |      |
| 43a1 | 02014015 | 2sitI    | I   | 2 Mos 14,15-22                      | Sivsjøunderet                    | O  | 07 | 77   |
| 43a3 | 56003004 | 2sitI    |     | Tit 3,4-7                           | Det bad som gjenföder            |    | 09 | 77   |
| 43a5 | 40003011 | 2sitI    |     | Matt 3,11-12                        | Johannesdåp og dåp med Ånden     |    | 07 | 77   |
| 43b1 | 19067002 | 2sitII   | II  | Salme 67,2-6                        | Folkene skal prise deg           |    | 09 | 77   |
| 43b3 | 48003023 | 2sitII   |     | Gal 3,23-29                         | Kledd dere i Kristus             | O  | 09 | 77   |
| 43b5 | 43003026 | 2sitII   |     | Joh 3,26-30                         | Han skal vokse, jeg skal avta    |    | 09 | 77   |
| 43c1 | 26036025 | 2sitIII  | III | Esek 36,25-29a                      | Renselse og et nytt hjerte       |    | 07 | 77   |
| 43c3 | 45006003 | 2sitIII  |     | Rom 6,3-8                           | Forenet med Kristus i dåpen      | O  | 07 | > 77 |
| 43c5 | 43003001 | 2sitIII  |     | Joh 3,1-13                          | Jesus og Nikodemus               | O  | 07 | 77   |
| 43fl | 44008026 | 2sitF    | F   | Apg 8,26-40                         | Filip og den etiopiske hoffmann  |    | 07 | 77   |
| 440o |          |          |     |                                     |                                  |    |    |      |
|      |          |          |     | <b>3. søndag i treenighetstiden</b> |                                  |    |    |      |
| 44a1 | 23025006 | 3sitI    | I   | Jes 25,6-9                          | Herrens gjestebud                |    | 07 | 77   |
| 44a3 | 66019005 | 3sitI    |     | Åp 19,5-9                           | Salige er de som er innbudt      |    | 09 | 77   |
| 44a5 | 42014015 | 3sitI    |     | Luk 14,15-24                        | Det store gjestebudet            |    | 07 | 77   |
| 44b1 | 23050004 | 3sitII   | II  | Jes 50,4-5                          | Å høre på disiplers vis          |    | 07 | 77   |
| 44b3 | 45008028 | 3sitII   |     | Rom 8,28-30                         | De han har kalt                  |    | 08 |      |
| 44b5 | 43001035 | 3sitII   |     | Joh 1,35-51                         | De første disiplene              | O  | 07 | 77   |
| 44c1 | 09001009 | 3sitIII  | III | 1 Sam 1,9-18                        | Jeg vil gi min sønn til Herren   |    | 07 |      |
| 44c3 | 62003001 | 3sitIII  |     | 1 Joh 3,1-3                         | Vi får kalles Guds barn          |    | 07 | 77   |
| 44c5 | 41010013 | 3sitIII  |     | Mark 10,13-16                       | Jesus og barna                   |    | 07 | 77   |



|      |          |          |   |                         |                                   |   |    |    |    |
|------|----------|----------|---|-------------------------|-----------------------------------|---|----|----|----|
|      |          |          | <b>9. søndag i treenighetstiden</b>                   |                         |                                   |   |    |    |    |
| 50a1 | 28006001 | 9sitI    | I   | Hos 6,1-3               | Han vekker oss til liv            |   | 07 | 77 |    |
| 50a3 | 45008031 | 9sitI    |   | Rom 8,31-39             | Han som ga sin Sønn for oss alle  |   | 07 | 77 |    |
| 50a5 | 40011028 | 9sitI    |   | Matt 11,28-30           | Jeg vil gi dere hvile             | O | 07 | 77 |    |
| 50b1 | 19145009 | 9sitII   | II  | Salme 145,9-16          | Herren reiser alle nedbøyde opp   |   | 10 | 77 |    |
| 50b3 | 46004003 | 9sitII   |   | 1 Kor 4,3-5             | Døm ikke før tiden                |   | 07 | 77 |    |
| 50b5 | 43008002 | 9sitII   |   | Joh 8,2-11              | Kvinnen grepet i ekteskapsbrudd   |   | 07 | 77 |    |
| 50c1 | 01004008 | 9sitIII  | III   | 1 Mos 4,8-15            | Skal jeg vokte min bror?          |   | 07 | 77 |    |
| 50c3 | 45014010 | 9sitIII  |   | Rom 14,10-13            | Enhver skal avlegge regnskap      |   | 07 | 77 |    |
| 50c5 | 42006036 | 9sitIII  |   | Luk 6,36-42             | Døm ikke                          |   | 07 | 77 |    |
| 50f1 | 02002023 | 9sitF    | F   | 2 Mos 2,23-3,15;4,10-16 | Gud kaller Moses                  |   | 07 |    |    |
| 510o |          |          |   |                         |                                   |   |    |    |    |
|      |          |          | <b>10. søndag i treenighetstiden</b>                  |                         |                                   |   |    |    |    |
| 51a1 | 19032001 | 10sitI   | I   | Salme 32,1-11           | Jeg vil bekjenne mine synder      |   | 07 | 77 |    |
| 51a3 | 60003008 | 10sitI   |   | 1 Pet 3,8-13            | Han må vende seg fra det onde     |   | 10 | >  |    |
| 51a5 | 42005027 | 10sitII  |   | Luk 5,27-32             | Å kalle syndere til omvendelse    |   | 07 |    |    |
| 51b1 | 01050014 | 10sitII  | II  | 1 Mos 50,14-21          | Josef tilgir sine brødre          | O | 07 | 77 |    |
| 51b3 | 47013011 | 10sitII  |   | 2 Kor 13,11-13          | Hils hverandre med et hellig kyss |   | 07 |    |    |
| 51b5 | 40018021 | 10sitII  |   | Matt 18,21-35           | Den ubarmhjertige medtjener       |   | 07 | 77 |    |
| 51c1 | 01033001 | 10sitIII | III   | 1 Mos 33,1-11           | Jakobs møte med Esau              |   | 07 |    |    |
| 51c3 | 49004029 | 10sitIII |   | Ef 4,29-32              | Tilgi slik Gud har tilgitt        |   | 08 | 77 |    |
| 51c5 | 41011025 | 10sitIII |   | Mark 11,25-26           | Far tilgir som dere               |   | 07 | 77 |    |
| 51f1 | 40018021 | 10sitF   | F   | Matt 18,21-35           | Den ubarmhjertige medtjener       |   | 07 | 77 |    |
| 520o |          |          |   |                         |                                   |   |    |    |    |
|      |          |          | <b>11. søndag i treenighetstiden</b>                  |                         |                                   |   |    |    |    |
| 52a1 | 23064006 | 11sitI   | I   | Jes 64,6b-65,2          | Kan du rolig se på dette, Herre?  |   | 07 | >  |    |
| 52a3 | 45009002 | 11sitI   |   | Rom 9,2-5;10,1-4        | Guds gaver til Israel             |   | 07 | 77 |    |
| 52a5 | 40023037 | 11sitI   |   | Matt 23,37-39           | Som en høne samler kyllingene     |   | 07 | 77 |    |
| 52b1 | 02020001 | 11sitII  | II  | 2 Mos 20,1-17           | De ti bud                         |   | 07 | 77 |    |
| 52b3 | 48005001 | 11sitII  |   | Gal 5,1-6               | Til frihet                        |   | 10 | 77 |    |
| 52b5 | 41002023 | 11sitII  |   | Mark 2,23-28            | Jesus og sabbaten                 |   | 07 | >  | 77 |
| 52c1 | 01021009 | 11sitIII | III   | 1 Mos 21,9-13           | Isak og trellkvinnens sønn        |   | 07 |    |    |
| 52c3 | 45008001 | 11sitIII |   | Rom 8,1-4.14-18         | Livet i Ånden                     |   | 09 | 77 |    |
| 52c5 | 43008031 | 11sitIII |   | Joh 8,31-36             | Virkelig fri                      |   | 07 | 77 |    |
| 52f1 | 23006001 | 11sitF   | F   | Jes 6,1-8               | Jesaja møter Gud i tempelet       |   | 07 | 77 |    |
| 530o |          |          |   |                         |                                   |   |    |    |    |
|      |          |          | <b>12. søndag i treenighetstiden / Vingårdssøndag</b> |                         |                                   |   |    |    |    |
| 53a1 | 23027002 | 12sitI   | I   | Jes 27,2-6              | Herren vokter sin vingård         |   | 07 |    |    |
| 53a3 | 46001001 | 12sitI   |   | 1 Kor 1,1-3             | Dere er helliget ved Kristus      |   | 08 |    |    |
| 53a5 | 40020001 | 12sitI   |   | Matt 20,1-16            | Arbeiderne i vingården            |   | 07 | 77 |    |
| 53b1 | 05008007 | 12sitII  | II  | 5 Mos 8,7.11-18         | Glem ikke Herren, din Gud         | O | 10 | .  | 77 |
| 53b3 | 46003004 | 12sitII  |   | 1 Kor 3,4-11            | Guds medarbeidere                 | O | 10 | .  | 77 |
| 53b5 | 42017010 | 12sitII  |   | Luk 17,7-10             | Uverdige tjenere                  |   | 10 | .  | 77 |
| 53c1 | 24009023 | 12sitIII | III   | Jer 9,23-24             | Den rette ros                     |   | 10 | .  | 77 |
| 53c3 | 50003007 | 12sitIII |   | Fil 3,7-14              | Vinning og tap                    | O | 07 | 77 |    |
| 53c5 | 40019027 | 12sitIII |   | Matt 19,27-30           | Forsakelse og lønn                |   | 07 | 77 |    |
| 53f1 | 40020001 | 12sitF   | F   | Matt 20,1-16            | Arbeiderne i vingården            |   | 07 | 77 |    |
| 540o |          |          |   |                         |                                   |   |    |    |    |
|      |          |          | <b>13. søndag i treenighetstiden</b>                  |                         |                                   |   |    |    |    |
| 54a1 | 16009019 | 13sitI   | I   | Neh 9,19-21             | Du forlot dem ikke i ørkenen      |   | 08 |    |    |
| 54a3 | 58013005 | 13sitI   |   | Hebr 13,5-6             | Jeg slipper deg ikke              |   | 07 | 77 |    |
| 54a5 | 40006024 | 13sitI   |   | Matt 6,24-34            | Vær ikke bekymret for livet       |   | 07 | 77 |    |
| 54b1 | 23049013 | 13sitII  | II  | Jes 49,13-16            | Kan en kvinne glemme              |   | 10 | .  | 77 |
| 54b3 | 47009001 | 13sitII  |   | 2 Kor 9,1-8             | Tjenesten for de hellige          |   | 10 | .  | 77 |
| 54b5 | 42008001 | 13sitII  |   | Luk 8,1-3               | Kvinner som fulgte Jesus          |   | 10 | .  |    |
| 54c1 | 04013017 | 13sitIII | III   | 4 Mos 13,17-27          | Moses sender ut speidere          |   | 10 | .  |    |
| 54c3 | 45001016 | 13sitIII |   | Rom 1,16-17             | Guds kraft til frelse             | O | 07 | 77 |    |
| 54c5 | 43004028 | 13sitIII |   | Joh 4,27-30.39-43       | Kvinnen som vitnet                |   | 10 | .  | 77 |
| 54f1 | 43006001 | 13sitF   | F   | Joh 6,1-15              | Jesus metter fem tusen            |   | 07 | 77 |    |
| 550o |          |          |   |                         |                                   |   |    |    |    |
|      |          |          | <b>14. søndag i treenighetstiden</b>                  |                         |                                   |   |    |    |    |
| 55a1 | 19092002 | 14sitI   | I   | Salme 92,2-6.14-16      | Med ditt verk har du gledet meg   |   | 10 |    |    |



|      |          |          |     |                                      |                                    |    |    |    |
|------|----------|----------|-----|--------------------------------------|------------------------------------|----|----|----|
| 55a3 | 46012004 | 14sitI   |     | 1 Kor 12,4-11                        | Nådegaver til hver enkelt          | 09 | >  | 88 |
| 55a5 | 40025014 | 14sitI   |     | Matt 25,14-30                        | Talentene                          | 07 |    | 77 |
| 55b1 | 14001007 | 14sitII  | II  | 2 Krøn 1,7-12                        | Salomo ber om visdom               | 07 |    |    |
| 55b3 | 49004011 | 14sitII  |     | Ef 4,11-16                           | Så Kristi kropp kan bygges opp     | 07 | >  | 77 |
| 55b5 | 42012041 | 14sitII  |     | Luk 12,41-48                         | En tro og klok forvalter           | 07 |    | 77 |
| 55c1 | 02018013 | 14sitIII | III | 2 Mos 18,13-24                       | Jetro gir Moses råd                | 07 |    |    |
| 55c3 | 44006001 | 14sitIII |     | Apg 6,1-7                            | En ny tjeneste i menigheten        | 07 |    |    |
| 55c5 | 43015013 | 14sitIII |     | Joh 15,13-17                         | Jeg har satt dere til å bære frukt | 07 |    | 77 |
| 55f1 | 42018018 | 14sitF   | F   | Luk 18,18-30                         | Jesus og den rike mannen           | 07 |    |    |
| 560o |          |          |     | <b>15. søndag i treenighetstiden</b> |                                    |    |    |    |
| 56a1 | 33006006 | 15sitI   | I   | Mika 6,6-8                           | Herren har sagt hva godhet er      | 07 | >  | 77 |
| 56a3 | 50001009 | 15sitI   |     | Fil 1,9-11                           | Kjærlighet rik på dømmekraft       | O  | 08 | 77 |
| 56a5 | 40005038 | 15sitI   |     | Matt 5,38-48                         | Elsk deres fiender                 | 07 | F  | 77 |
| 56b1 | 02019001 | 15sitII  | II  | 2 Mos 19,1-5                         | Dersom dere vil lytte til mine ord | 10 | .  | 77 |
| 56b3 | 50004010 | 15sitII  |     | Fil 4,10-14                          | Alt makter jeg i ham               | 08 |    | 77 |
| 56b5 | 42010038 | 15sitII  |     | Luk 10,38-42                         | Jesus hos Marta og Maria           | 07 |    | 77 |
| 56c1 | 08001007 | 15sitIII | III | Rut 1,7-11.16-19a                    | Rut og No'omi                      | 07 |    |    |
| 56c3 | 46013007 | 15sitIII |     | 1 Kor 13,7-13                        | Størst blant dem er kjærligheten   | 07 |    | 77 |
| 56c5 | 43015009 | 15sitIII |     | Joh 15,9-12                          | Som jeg har elsket dere            | 07 |    | 77 |
| 56f1 | 42010038 | 15sitF   | F   | Luk 10,38-42                         | Jesus hos Marta og Maria           | 07 |    | 77 |
| 570o |          |          |     | <b>16. søndag i treenighetstiden</b> |                                    |    |    |    |
| 57a1 | 19040002 | 16sitI   | I   | Salme 40,2-6                         | En Gud som allting vet             | 07 | >  | 77 |
| 57a3 | 45008018 | 16sitI   |     | Rom 8,19-23                          | Håpet om herlighet                 | O  | 07 | >  |
| 57a5 | 41007031 | 16sitI   |     | Mark 7,31-37                         | Jesus sa til den døde: Effata      | 07 |    | 77 |
| 57b1 | 19090013 | 16sitII  | II  | Salme 90,13-17                       | Vend tilbake, Herre! Hvor lenge?   | O  | 07 |    |
| 57b3 | 60004012 | 16sitII  |     | 1 Pet 4,12-19                        | Når en kristen lider               | 07 |    |    |
| 57b5 | 40005010 | 16sitII  |     | Matt 5,10-12                         | Salige er de som blir forfulgt     | O  | 07 | 77 |
| 57c1 | 19013002 | 16sitIII | III | Salme 13,2-6                         | Hvor lenge, Herre?                 | 10 |    |    |
| 57c3 | 66002008 | 16sitIII |     | Åp 2,8-11                            | Vær ikke redd for det du skal lide | 10 | .  | 88 |
| 57c5 | 42013001 | 16sitIII |     | Luk 13,1-5                           | Var de mer skyldige enn andre?     | 07 |    | 88 |
| 57f1 | 02016011 | 16sitF   | F   | 2 Mos 16,11-18                       | Gud gav folket manna               | 07 |    | 77 |
| 580o |          |          |     | <b>17. søndag i treenighetstiden</b> |                                    |    |    |    |
| 58a1 | 18019021 | 17sitI   | I   | Job 19,21-27                         | Jeg vet at min gjeløser lever      | 07 |    | 77 |
| 58a3 | 55001007 | 17sitI   |     | 2 Tim 1,7-12                         | Han har gjort ende på døden        | 07 |    | 77 |
| 58a5 | 43011017 | 17sitI   |     | Joh 11,17-29 og 30-46                | Jesus vekker opp Lasarus           | O  | 10 | 77 |
| 58b1 | 11017017 | 17sitII  | II  | 1 Kong 17,17-24                      | Elia vekker opp enkens sønn        | 07 |    |    |
| 58b3 | 46015035 | 17sitII  |     | 1 Kor 15,35-45                       | Det står opp en åndelig kropp      | 07 |    | 77 |
| 58b5 | 42007011 | 17sitII  |     | Luk 7,11-17                          | Jesus vekker opp enkens sønn       | 07 |    | 77 |
| 58c1 | 26037001 | 17sitIII | III | Esek 37,1-5 og 10-14                 | De døde ben blir levende           | 07 |    | 77 |
| 58c3 | 50001020 | 17sitIII |     | Fil 1,20-26                          | Jeg er trukket til begge sider     | O  | 07 | 77 |
| 58c5 | 41005035 | 17sitIII |     | Mark 5,35-43                         | Jesus vekker opp Jairus' datter    | 08 |    |    |
| 58f1 | 43011001 | 17sitF   | F   | Joh 11,1-44                          | Jesus vekker opp Lasarus           | 07 |    | 77 |
| 590o |          |          |     | <b>18. søndag i treenighetstiden</b> |                                    |    |    |    |
| 59a1 | 19036006 | 18sitI   | I   | Salme 36,6-11                        | Hos deg er livets kilde            | 10 | .  |    |
| 59a3 | 48005016 | 18sitI   |     | Gal 5,16-26                          | Livet i Ånden                      | 09 |    | 77 |
| 59a5 | 40005020 | 18sitI   |     | Matt 5,20-26                         | Men jeg sier dere                  | 07 |    | 77 |
| 59b1 | 05030011 | 18sitII  | II  | 5 Mos 30,11-15                       | Ordet er deg ganske nær            | 08 |    | 77 |
| 59b3 | 45002013 | 18sitII  |     | Rom 2,13-16                          | Lovens krav i hedningenes hjerter  | 09 |    | 88 |
| 59b5 | 43007014 | 18sitII  |     | Joh 7,14-17                          | Den som vil gjøre hans vilje       | 10 | .  | 77 |
| 59c1 | 09003001 | 18sitIII | III | 1 Sam 3,1-11                         | Herren kaller Samuel               | 10 | .  | 77 |
| 59c3 | 46009019 | 18sitIII |     | 1 Kor 9,19-23                        | Alt gjør jeg for evangeliet        | 08 |    | 77 |
| 59c5 | 42009057 | 18sitIII |     | Luk 9,57-62                          | Jesus og samaritanerne             | 08 | >  | 77 |
| 59f1 | 01001001 | 18sitF   | F   | 1 Mos 1,1-2,4a                       | Skapelsen                          | 07 |    | 88 |
| 600o |          |          |     | <b>19. søndag i treenighetstiden</b> |                                    |    |    |    |
| 60a1 | 09018001 | 19sitI   | I   | 1 Sam 18,1-4                         | Jonathan slutter pakt med David    | 07 |    |    |
| 60a3 | 58013001 | 19sitI   |     | Hebr 13,1-3                          | Søskenkjærlighet og gjestfrihet    | 08 |    |    |
| 60a5 | 43011001 | 19sitI   |     | Joh 11,1-5                           | Jesu venner i Betania              | O  | 07 |    |
| 60b1 | 01002018 | 19sitII  | II  | 1 Mos 2,18-25                        | De to skal være ett                | 07 |    | 77 |

|      |          |          |     |  |                                   |    |    |    |
|------|----------|----------|-----|--|-----------------------------------|----|----|----|
| 60b3 | 49005031 | 19sitII  |     | Ef 5,31-33   | Mysteriet Kristus og kirken       | 10 | >  | 77 |
| 60b5 | 41010002 | 19sitII  |     | Mark 10,2-9  | Ekteskap og skilsmisse            | 08 |    | 77 |
| 60c1 | 08002008 | 19sitIII | III | Rut 2,8-11   | Boas og Rut                       | 07 |    |    |
| 60c3 | 49006001 | 19sitIII |     | Ef 6,1-4   | Oppdragelse etter Herrens vilje   | 10 | .  | 88 |
| 60c5 | 40018001 | 19sitIII |     | Matt 18,1-11   | De små har sine engler hos Gud    | 0  | 10 | .  |
| 60fl | 08001007 | 19sitF   | F   | Rut 1,7-11.16-19a; 2,8-11;4,13-17  | Fortellingen om Rut               | 07 |    |    |
| 610o |          |          |     | <b>20. søndag i treenighetstiden<br/>/ Bots- og bededag</b>                            |                                   |    |    |    |
| 61a1 | 24018001 | 20sitI   | I   | Jer 18,1-10  | Leiren i pottemakerens hånd       | 07 | >  | 77 |
| 61a3 | 45002001 | 20sitI   |     | Rom 2,1-11   | Menneskenes ansvar overfor Gud    | 07 |    | 77 |
| 61a5 | 42013022 | 20sitI   |     | Luk 13,22-30   | Er det få som blir frelst?        | 0  | 07 | 77 |
| 61b1 | 23059001 | 20sitII  | II  | Jes 59,1-4   | Deres misgjerninger skiller       | 09 | >  | 77 |
| 61b3 | 62001008 | 20sitII  |     | 1 Joh 1,8-2,2  | Dersom vi bekjenner våre synder   | 07 |    | 77 |
| 61b5 | 42018009 | 20sitII  |     | Luk 18,9-14  | Fariseeren og tolleren            | 07 |    | 77 |
| 61c1 | 33007018 | 20sitIII | III | Mika 7,18-19   | Du skal kaste våre synder i havet | 07 |    | 77 |
| 61c3 | 47013005 | 20sitIII |     | 2 Kor 13,5-8   | Ransak dere selv                  | 10 |    |    |
| 61c5 | 42015011 | 20sitIII |     | Luk 15,11-32   | Den bortkomne og hans bror        | 07 |    | 77 |
| 61fl | 42015011 | 20sitF   | F   | Luk 15,11-32   | Den bortkomne og hans bror        | 07 |    | 77 |
| 620o |          |          |     | <b>21. søndag i treenighetstiden</b>   |                                   |    |    |    |
| 62a1 | 24029004 | 21sitI   | I   | Jer 29,4-7   | Be til Herren for byen            | 07 |    | 77 |
| 62a3 | 45013001 | 21sitI   |     | Rom 13,1-7   | Forholdet til styresmaktene       | 07 |    | 88 |
| 62a5 | 40022015 | 21sitI   |     | Matt 22,15-22  | Gi keiseren hva keiserens er      | 0  | 07 | 77 |
| 62b1 | 05015007 | 21sitII  | II  | 5 Mos 15,7-8.10-11   | Lukk opp hånden                   | 07 |    | 77 |
| 62b3 | 62003016 | 21sitII  |     | 1 Joh 3,16-18  | Den som lukker sitt hjerte        | 07 | >  | 77 |
| 62b5 | 42016019 | 21sitII  |     | Luk 16,19-31   | Den rike mann og Lasarus          | 0  | 07 | 77 |
| 62c1 | 21005009 | 21sitIII | III | Fork 5,9-14  | Rikdom kan bli til ulykke         | 07 |    |    |
| 62c3 | 54006006 | 21sitIII |     | 1 Tim 6,6-12   | Gudsfrykt, nøysomhet og tro       | 0  | 07 | 77 |
| 62c5 | 42012013 | 21sitIII |     | Luk 12,13-21   | Den rike bonden                   | 0  | 07 | 77 |
| 62fl | 01004001 | 21sitF   | F   | 1 Mos 4,1-16   | Kain og Abel                      | 07 |    | 77 |
| 630o |          |          |     | <b>22. søndag i treenighetstiden</b>   |                                   |    |    |    |
| 63a1 | 21004017 | 22sitI   | I   | Fork 4,17-5,6  | Vær ikke snar med munnen          | 07 |    |    |
| 63a3 | 59003007 | 22sitI   |     | Jak 3,7-12   | Tungen                            | 10 | .  | 77 |
| 63a5 | 40012033 | 22sitI   |     | Matt 12,33-37  | Treet og fruktene og tungen       | 07 |    | 77 |
| 63b1 | 20006020 | 22sitII  | II  | Ordsp 6,20-23a   | Forkast ikke det du har lært      | 10 |    |    |
| 63b3 | 50002001 | 22sitII  |     | Fil 2,1-4  | Ikke selvhøvdelse, men ydmykhet   | 08 |    | 88 |
| 63b5 | 43012033 | 22sitII  |     | Joh 12,35-36   | Tro på lyset, bli lysets barn     | 10 | .  | 77 |
| 63c1 | 03019001 | 22sitIII | III | 3 Mos 19,1-2.16-18.33-34   | Dere har selv vært innflyttere    | 09 |    | 77 |
| 63c3 | 59002001 | 22sitIII |     | Jak 2,1-9  | Rike og fattige i menigheten      | 0  | 07 | 77 |
| 63c5 | 42010025 | 22sitIII |     | Luk 10,25-37   | Den barmhjertige samaritan        | 07 |    | 77 |
| 63fl | 42010025 | 22sitF   | F   | Luk 10,25-37   | Den barmhjertige samaritan        | 07 |    | 77 |
| 640o |          |          |     | <b>23. søndag i treenighetstiden</b>   |                                   |    |    |    |
| 64a1 | 23001016 | 23sitI   | I   | Jes 1,16-19  | Kom, la oss gjøre opp vår sak     | 09 | >  | 77 |
| 64a3 | 53001010 | 23sitI   |     | 2 Tess 1,10b-12  | Verdige det kallet dere har fått  | 07 | >  |    |
| 64a5 | 41010028 | 23sitI   |     | Mark 10,28-31  | Få hundre ganger så mye igjen     | 07 |    |    |
| 64b1 | 19073023 | 23sitII  | II  | Salme 73,23-28   | Siden tar du meg opp i herlighet  | 10 | .  | 77 |
| 64b3 | 47005004 | 23sitII  |     | 2 Kor 5,4-10   | Lønn for det onde og det gode     | 07 |    | 77 |
| 64b5 | 43005024 | 23sitII  |     | Joh 5,24-29  | Å stå opp til livet eller til dom | 07 |    | 77 |
| 64c1 | 23051009 | 23sitIII | III | Jes 51,11-16   | Jeg er den som trøster dere       | 09 | >  | 77 |
| 64c3 | 52004013 | 23sitIII |     | 1 Tess 4,13-18   | Når Herren kommer                 | 07 |    | 77 |
| 64c5 | 40024035 | 23sitIII |     | Matt 24,35-44  | Dagen og timen kjenner ingen      | 07 |    |    |
| 64fl | 01003001 | 23sitF   | F   | 1 Mos 3,1-24   | Syndefallet og oppgjøret          | 07 |    |    |
| 650o |          |          |     | <b>24. søndag i treenighetstiden<br/>Bruk tekstene på<br/>6. s. i åpenbaringstiden</b> |                                   |    |    |    |
| 660o |          |          |     | <b>25. søndag i treenighetstiden<br/>Bruk tekstene på</b>                              |                                   |    |    |    |

|      |          |           |  |                      |                                       |   |    |      |
|------|----------|-----------|--|----------------------|---------------------------------------|---|----|------|
|      |          |           | <b>5. s. i åpenbaringstiden</b>  |                      |                                       |   |    |      |
| 670o |          |           | <b>26. søndag i treenighetstiden</b><br><b>Bruk tekstene på</b><br><b>4. s. i åpenbaringstiden</b> |                      |                                       |   |    |      |
| 680o |          |           | <b>27. søndag i treenighetstiden</b><br><b>Bruk tekstene på</b><br><b>3. s. i åpenbaringstiden</b> |                      |                                       |   |    |      |
| 690o |          |           | <b>Domssøndag</b><br><b>/ Siste søndag i kirkeåret</b>   |                      |                                       |   |    |      |
| 69a1 | 23057014 | SistI     | I  | Jes 57,14-16         | Jeg vil ikke evig føre klagemål       |   | 07 | 88   |
| 69a3 | 66020011 | SistI     |  | Åp 20,11-13          | Livets bok                            |   | 07 | > 77 |
| 69a5 | 40025031 | SistI     |  | Matt 25,31-46        | Dommen                                | O | 07 | 77   |
| 69b1 | 18028020 | SistII    | II   | Job 28,20-28         | Å frykte Herren, det er visdom        |   | 07 |      |
| 69b3 | 51001009 | SistIII   |  | Kol 1,9-14           | Et liv som er Herren verdig           |   | 07 | 77   |
| 69b5 | 40025001 | SistII    |  | Matt 25,1-13         | Brudepikene                           |   | 07 | 77   |
| 69c1 | 05030015 | SistIII   | III  | 5 Mos 30,15-20       | Jeg har lagt fram for dere liv og død | O | 09 | 77   |
| 69c3 | 46015022 | SistIII   |  | 1 Kor 15,22-28       | De som hører Kristus til              |   | 07 | 77   |
| 69c5 | 43009039 | SistIII   |  | Joh 9,39-41          | Til dom er jeg kommet                 |   | 10 |      |
| 69f1 | 43018033 | SistF     | F  | Joh 18,33-37         | Jesus og Pilatus                      | O | 07 | 88   |
| 700o |          |           | <b>MERKEDAGER</b><br><b>OG TEMADAGER</b>   |                      |                                       |   |    |      |
|      |          |           | <b>Kyndelsmesse (2. februar)</b>   |                      |                                       |   |    |      |
| 70a1 | 09001021 | KyndelI   | I  | 1 Sam 1,21-28        | Hanna får Samuel                      | O | 07 |      |
| 70a3 | 62001001 | KyndelI   |  | 1 Joh 1,1-4          | Livets ord                            | O | 07 | 77   |
| 70a5 | 42002022 | KyndelIII |  | Luk 2,22-40          | Jesus blir båret frem i tempelet      | O | 07 | 77   |
| 70b1 | 19119101 | KyndelIII | II   | Salme 119,101-105    | Ditt ord er et lys på min sti         |   | 07 |      |
| 70b3 | 62002007 | KyndelIII |  | 1 Joh 2,7-13         | Det sanne lys skinner                 |   | 10 | .    |
| 70b5 | 42001076 | KyndelIII |  | Luk 1,76-79          | Gjeste oss som en soloppgang          |   | 07 | 77   |
| 70c1 | 19089012 | KyndelIII | III  | Salme 89,12-18       | De som vandrer i ditt åsyns lys       |   | 07 |      |
| 70c3 | 66022001 | KyndelIII |  | Åp 22,1-7            | Herren skal lyse                      |   | 07 | 77   |
| 70c5 | 43008012 | KyndelIII |  | Joh 8,12             | Jeg er verdens lys                    |   | 07 | 77   |
| 70f1 | 42002022 | KyndelF   | F  | Luk 2,22-40          | Jesus blir båret frem i tempelet      |   | 07 | 77   |
| 710o |          |           | <b>Samefolkets dag (6. februar)</b>  |                      |                                       |   |    |      |
| 71a1 | 01002004 | SameI     | I  | 1 Mos 2,4b-25        | Gud formet mannen av jord             | O | 10 |      |
| 71a3 | 48003026 | SameI     |  | Gal 3,26-29          | Dere er alle én i Kristus             | O | 10 |      |
| 71a5 | 40005013 | SameI     |  | Matt 5,13-16         | Jordens salt og verdens lys           | O | 10 |      |
| 71b1 | 19126001 | SameII    | II   | Salme 126,1-6        | Så med tårer, høste med jubelrop      |   | 10 |      |
| 71b3 | 50004004 | SameII    |  | Fil 4,4-9            | Gled dere i Herren                    | O | 10 |      |
| 71b5 | 40022034 | SameII    |  | Matt 22,34-40        | De to store bud                       | O | 10 |      |
| 71c1 | 02003001 | SameIII   | III  | 2 Mos 3,1-6          | Moses og tornebusken                  | O | 10 |      |
| 71c3 | 44002001 | SameIII   |  | Apg 2,1-12           | Pinsedagen                            | O | 10 |      |
| 71c5 | 43021009 | SameIII   |  | Joh 21,9-13          | Jesus møter disiplene                 | O | 10 |      |
| 71f1 | 01002004 | SameF     | F  | 1 Mos 2,4b-25        | Skapelsen                             |   | 10 |      |
| 720o |          |           | <b>1. mai</b>  |                      |                                       |   |    |      |
| 72a1 | 23058004 | ImaiI     | I  | Jes 58,6-10          | Den rette faste: å bryte åk           | O | 07 | > 77 |
| 72a3 | 62004016 | ImaiI     |  | 1 Joh 4,16-21        | Vi elsker fordi han elsket oss først  | O | 08 | 77   |
| 72a5 | 42006031 | ImaiI     |  | Luk 6,31-36          | Gjør godt og vær barmhjertige         |   | 08 | 77   |
| 72b1 | 30008004 | ImaiII    | II   | Amos 8,4-7           | Dere som trækker fattigfolk ned       |   | 07 |      |
| 72b3 | 59002001 | ImaiII    |  | Jak 2,1-9            | Rike og fattige i menigheten          | O | 07 | 77   |
| 72b5 | 42014012 | ImaiII    |  | Luk 14,12-14         | Innby fattige og uføre                |   | 10 | .    |
| 72c1 | 02002023 | ImaiIII   | III  | 2 Mos 2,23-25;3,7-10 | Nødropet har nådd opp til meg         |   | 07 |      |
| 72c3 | 59005001 | ImaiIII   |  | Jak 5,1-6            | Lønnen dere holdt tilbake roper       |   | 07 |      |
| 72c5 | 40020025 | ImaiIII   |  | Matt 20,25-28        | Ikke for å la seg tjene               |   | 10 | 77   |
| 72f1 | 42016019 | ImaiF     | F  | Luk 16,19-31         | Den rike mann og Lasarus              |   | 07 | 77   |
| 730o |          |           | <b>17. mai</b>   |                      |                                       |   |    |      |

|      |          |            |     |   |                                   |   |    |      |
|------|----------|------------|-----|---|-----------------------------------|---|----|------|
| 73a1 | 19127001 | 17maiI     | I   | Salme 127,1-3                           | Hvis ikke Herren bygger huset     |   | 08 | 77   |
| 73a3 | 44017022 | 17maiI     |     | Apg 17,22-25 og 26-31                   | Han gir liv og ånde til alle      | O | 07 | 77   |
| 73a5 | 42001050 | 17maiI     |     | Luk 1,50-53                             | Fra slekt til slekt               | O | 07 | 77   |
| 73b1 | 13029010 | 17maiII    | II  | 1 Krøn 29,10-14                         | Vi gir det vi har fått av deg     | O | 07 |      |
| 73b3 | 54002001 | 17maiII    |     | 1 Tim 2,1-4                             | Be for konger                     | O | 07 | 77   |
| 73b5 | 40022017 | 17maiII    |     | Matt 22,17-22                           | Gi keiseren hva keiserens er      | O | 07 | > 77 |
| 73c1 | 05008011 | 17maiIII   | III | 5 Mos 8,11-14                           | Vokt deg så du ikke glemmer       | O | 10 | 77   |
| 73c3 | 46004007 | 17maiIII   |     | 1 Kor 4,7                               | Hvem har satt deg høyere?         |   | 10 |      |
| 73c5 | 42017011 | 17maiIII   |     | Luk 17,11-19                            | Den takknemlige samaritan         | O | 10 | 77   |
| 73f1 | 42015001 | 17maiF     | F   | Luk 15,1-10                             | Sauen og sølvmynten               |   | 07 | 77   |
| 740o |          |            |     | <b>Sankthansdagen / Jonsok</b>          |                                   |   |    |      |
| 74a1 | 07013002 | JonsokI    | I   | Dom 13,2-7.24-25                        | Samsons fødsel                    |   | 10 | .    |
| 74a3 | 58011001 | JonsokI    |     | Hebr 11,1-2.32b-34.38-40                | Forbilder i tro                   | O | 10 | >    |
| 74a5 | 42001005 | JonsokI    |     | Luk 1,5-17                              | Løftet om døperens fødsel         |   | 10 | .    |
| 74b1 | 39004005 | JonsokII   | II  | Mal 4,5-6                               | Jeg sender Elia til dere          | O | 07 | > 77 |
| 74b3 | 44013016 | JonsokII   |     | Apg 13,16-26                            | Johannes forkynte omvendelse      |   | 08 | >    |
| 74b5 | 40011007 | JonsokII   |     | Matt 11,7-14                            | Johannes er Elia                  | O | 07 | 77   |
| 74c1 | 01001011 | JonsokIII  | III | 1 Mos 1,11-19                           | Gud skapte sol og måne            |   | 07 | 77   |
| 74c3 | 44014008 | JonsokIII  |     | Apg 14,8-18                             | Dere må vende om til skaperen     |   | 07 | 77   |
| 74c5 | 43001001 | JonsokIII  |     | Joh 1,1-8                               | Johannes skulle vitne om lyset    | O | 07 | 77   |
| 74f1 | 42001005 | JonsokF    | F   | Luk 1,5-25                              | Løftet om døperens fødsel         |   | 07 |      |
| 750o |          |            |     | <b>Olavsdagen / Olsok</b>               |                                   |   |    |      |
| 75a1 | 24001017 | OlsokI     | I   | Jer 1,17-19                             | Jeg gjør deg til en fast borg     |   | 07 | 77   |
| 75a3 | 66012010 | OlsokI     |     | Åp 12,10-11                             | Anklageren er styrtet             |   | 07 | > 88 |
| 75a5 | 43021017 | OlsokI     |     | Joh 21,15-19                            | Jesus og Peter                    | O | 07 | 77   |
| 75b1 | 05030019 | OlsokII    | II  | 5 Mos 30,19-20a                         | Velg livet                        | O | 07 | 77   |
| 75b3 | 47004006 | OlsokII    |     | 2 Kor 4,6-11                            | Skatten i leirkrucker             |   | 07 | 77   |
| 75b5 | 42009023 | OlsokII    |     | Luk 9,23-26                             | Hva gagnar det et menneske        |   | 07 |      |
| 75c1 | 10023001 | OlsokIII   | III | 2 Sam 23,1-4                            | Å styre folket med rettferd       |   | 07 |      |
| 75c3 | 44020017 | OlsokIII   |     | Apg 20,17-24                            | Avskjedstalen i Milet             |   | 07 | 77   |
| 75c5 | 42022024 | OlsokIII   |     | Luk 22,24-27                            | Hersker eller tjener              |   | 07 | 77   |
| 75f1 | 01012001 | OlsokF     | F   | 1 Mos 12,1-5; 15,1-6; 17,15-27          | Guds løfter til Abraham           |   | 07 | 77   |
| 760o |          |            |     | <b>Mikkelsmesse<br/>(29. september)</b> |                                   |   |    |      |
| 76a1 | 02023020 | Mikkell    | I   | 2 Mos 23,20-22                          | Jeg sender en engel foran deg     |   | 07 | 99   |
| 76a3 | 58001005 | Mikkell    |     | Hebr 1,5-14                             | Englene sendes ut for å hjelpe    | O | 10 | .    |
| 76a5 | 40018008 | Mikkell    |     | Matt 18,1-6.10-11                       | De små har sine engler hos Gud    | O | 07 | > 99 |
| 76b1 | 19091001 | MikkellII  | II  | Salme 91,1-2.9-16                       | Han skal gi sine engler befaling  |   | 07 | 99   |
| 76b3 | 66012001 | MikkellII  |     | Åp 12,1-10                              | Dragen ble kastet ned             |   | 07 | < 99 |
| 76b5 | 42010001 | MikkellII  |     | Luk 10,1-2.16-20                        | Jeg så Satan falle ned            |   | 10 | 99   |
| 76c1 | 01028010 | MikkellIII | III | 1 Mos 28,10-19a                         | Jakobs drøm                       |   | 07 | 99   |
| 76c3 | 58002004 | MikkellIII |     | Hebr 2,4-10                             | En kort tid lavere enn englene    |   | 08 | 99   |
| 76c5 | 43001047 | MikkellIII |     | Joh 1,47-51                             | Se Guds engler stige opp og ned   | O | 10 | .    |
| 76f1 | 44012001 | MikkellF   | F   | Apg 12,1-17                             | Herrens engel satte Paulus fri    |   | 10 | 99   |
| 770o |          |            |     | <b>Høsttakkefest</b>                    |                                   |   |    |      |
| 77a1 | 05026001 | HøstI      | I   | 5 Mos 26,1-11                           | Førstegrøden                      |   | 07 | 77   |
| 77a3 | 52005015 | HøstI      |     | 1 Tess 5,15-24                          | Takk Gud under alle forhold       |   | 07 | 77   |
| 77a5 | 42012013 | HøstI      |     | Luk 12,13-21                            | Den rike bonden                   | O | 07 | 77   |
| 77b1 | 19065010 | HøstII     | II  | Salme 65,10-14                          | Du har gitt jorden regn           |   | 07 |      |
| 77b3 | 49005015 | HøstII     |     | Ef 5,15-20                              | Takk alltid vår Gud og Far        | O | 08 | 77   |
| 77b5 | 42017011 | HøstII     |     | Luk 17,11-19                            | Den takknemlige samaritan         | O | 07 | 77   |
| 77c1 | 19104024 | HøstIII    | III | Salme 104,24-30                         | Hvor mange dine gjerninger er     |   | 10 | 88   |
| 77c3 | 59001017 | HøstIII    |     | Jak 1,17-18                             | All god gave kommer ovenfra       |   | 07 | 77   |
| 77c5 | 42011003 | HøstIII    |     | Luk 11,3                                | Gi oss hver dag vårt daglige brød |   | 07 | 77   |
| 77f1 | 11017001 | HøstF      | F   | 1 Kong 17,1-16                          | Elia og enken i Sarepta           |   | 07 | 77   |
| 780o |          |            |     | <b>Allehelgensdag</b>                   |                                   |   |    |      |
| 78a1 | 23049008 | AHI        | I   | Jes 49,8-10                             | Jeg hjelper deg på frelsens dag   |   | 07 | 77   |

|      |          |          |     |                                    |                                      |   |    |      |
|------|----------|----------|-----|------------------------------------|--------------------------------------|---|----|------|
| 78a3 | 66007009 | AHI      |     | Åp 7,9-17                          | Den store hvite skaren               |   | 07 | 77   |
| 78a5 | 40005001 | AHI      |     | Matt 5,1-12                        | Saligprisningene                     | O | 07 | 77   |
| 78b1 | 19084002 | AHII     | II  | Salme 84,2-8                       | Salige er de som bor i ditt hus      |   | 07 | 88   |
| 78b3 | 58012001 | AHII     |     | Hebr 12,1-3                        | En sky av vitner                     |   | 07 | 77   |
| 78b5 | 40005013 | AHII     |     | Matt 5,13-16                       | Jordens salt og verdens lys          | O | 07 | 77   |
| 78c1 | 23060018 | AHIII    | III | Jes 60,18-22                       | Herren skal være ditt lys            |   | 07 | 77   |
| 78c3 | 58011011 | AHIII    |     | Hebr 11,11-16.39-40                | Et bedre land de lengter etter       | O | 07 |      |
| 78c5 | 42006020 | AHIII    |     | Luk 6,20-23                        | Saligprisningene                     |   | 10 | 77   |
| 78f1 | 66001009 | AHF      | F   | Åp 1,9-11a;21,1-5                  | En ny himmel og en ny jord           |   | 07 | 77   |
| 790o |          |          |     | <b>Minnedag</b>                    |                                      |   |    |      |
| 79a1 | 19090001 | MinneI   | I   | Salme 90,1-4.12-14                 | Å vente på hjelp fra Herren          | O | 10 | 88   |
| 79a3 | 45005005 | MinneI   |     | Rom 5,5-11                         | Mens vi ennå var svake               |   | 07 | 77   |
| 79a5 | 43006037 | MinneI   |     | Joh 6,37-40                        | Den som kommer til meg               |   | 07 | 77   |
| 79b1 | 01023001 | MinneII  | II  | 1 Mos 23,1-6                       | Abraham sørger over Sara             |   | 07 |      |
| 79b3 | 47001003 | MinneII  |     | 2 Kor 1,3-7                        | Takk til Gud som trøster             |   | 07 | 88   |
| 79b5 | 43011001 | MinneII  |     | Joh 11,1-5.33-38                   | Jesus sørger med sine venner         | O | 07 |      |
| 79c1 | 19139001 | MinneIII | III | Salme 139,1-18.23-24               | Herre, du ransaker meg               |   | 10 | 77   |
| 79c3 | 46015051 | MinneIII |     | 1 Kor 15,51-58                     | Vi skal bli forvandlet               | O | 07 | 77   |
| 79c5 | 43011019 | MinneIII |     | Joh 11,19-27                       | Herre, hadde du vært her             | O | 10 | 77   |
| 79f1 | 01023001 | MinneF   | F   | 1 Mos 23,1-20                      | Abraham sørger over Sara             |   | 07 |      |
| 800o |          |          |     | <b>For skaperverket</b>            |                                      |   |    |      |
| 80a1 | 01009008 | SkapI    | I   | 1 Mos 9,8-17                       | Guds pakt med Noah                   |   | 07 | 77   |
| 80a3 | 54006006 | SkapI    |     | 1 Tim 6,6-12                       | Gudsfrykt, nøysomhet og tro          | O | 07 | 77   |
| 80a5 | 40010029 | SkapI    |     | Matt 10,29-31                      | Hvert hårstrå er talt                |   | 09 | 77   |
| 80b1 | 01002004 | SkapII   | II  | 1 Mos 2,4b-15                      | Å dyrke og passe hagen               | O | 10 | 77   |
| 80b3 | 45008018 | SkapII   |     | Rom 8,19-23                        | Håpet om herlighet                   | O | 07 | > 77 |
| 80b5 | 41006035 | SkapII   |     | Mark 6,35-44                       | Jesus metter 5000                    | O | 07 |      |
| 80c1 | 19019002 | SkapII   | II  | Salme 19,2-7                       | Himmelen forkynner Guds herlighet    |   | 10 | 88   |
| 80c3 | 51001015 | SkapII   |     | Kol 1,15-20                        | Skapelse og forsoning                | O | 07 | 77   |
| 80c5 | 41004035 | SkapII   |     | Mark 4,35-41                       | Jesus stiller stormen                |   | 07 |      |
| 80f1 | 01006009 | SkapF    | F   | 1 Mos 6,9-22; 7,17; 8,6-17; 9,8-17 | Noah og storflommen                  |   | 07 | 77   |
| 810o |          |          |     | <b>For kristen enhet</b>           |                                      |   |    |      |
| 81a1 | 30009005 | EnhI     | I   | Amos 9,5-7                         | Er dere, israelitter, mer for meg    |   | 07 |      |
| 81a3 | 49002011 | EnhI     |     | Ef 2,11-18                         | Kristus forener                      | O | 07 | 77   |
| 81a5 | 43017012 | EnhI     |     | Joh 17,12-19                       | Jeg ber at du skal bevare dem        |   | 07 | 77   |
| 81b1 | 39002010 | EnhII    | II  | Mal 2,10                           | Har vi ikke alle samme far           |   | 10 |      |
| 81b3 | 62004018 | EnhII    |     | 1 Joh 4,18-21                      | Vi elsker fordi han elsket oss først | O | 07 | 77   |
| 81b5 | 43017001 | EnhII    |     | Joh 17,1-11                        | Så de kan være ett                   | O | 07 | < 77 |
| 81c1 | 01050014 | EnhIII   | III | 1 Mos 50,14-21                     | Josef tilgir sine brødre             | O | 07 | 77   |
| 81c3 | 49004001 | EnhIII   |     | Ef 4,1-6                           | Å bevare Åndens enhet                |   | 07 | 77   |
| 81c5 | 43013001 | EnhIII   |     | Joh 13,1-17                        | Jesus vasker disiplenes føtter       | O | 07 | 77   |
| 81f1 | 12005001 | EnhF     | F   | 2 Kong 5,1-5.9-15                  | Na'aman og piken fra Israel          |   | 07 | 77   |
| 820o |          |          |     | <b>For rettferdighet og fred</b>   |                                      |   |    |      |
| 82a1 | 19142002 | RettfI   | I   | Salme 142,2-8                      | Jeg øser ut min klage for ham        |   | 09 |      |
| 82a3 | 45012017 | RettfI   |     | Rom 12,17-21                       | Hold fred med alle                   |   | 07 |      |
| 82a5 | 40025031 | RettfI   |     | Matt 25,31-40                      | De rettferdige får sin dom           | O | 07 | 77   |
| 82b1 | 30005011 | RettfII  | II  | Amos 5,11-15                       | Hold retten høyt på tinget           |   | 07 | 77   |
| 82b3 | 49005001 | RettfII  |     | Ef 5,1-2.8-16                      | Lysets barn                          | O | 09 | 77   |
| 82b5 | 40005006 | RettfII  |     | Matt 5,6-10                        | Salige er de som skaper fred         | O | 09 | < 77 |
| 82c1 | 23011001 | RettfIII | III | Jes 11,1-10                        | Frelserkongen og hans rike           |   | 07 | 77   |
| 82c3 | 61003008 | RettfIII |     | 2 Pet 3,8-15                       | En ny himmel og jord                 | O | 10 | 77   |
| 82c5 | 40006010 | RettfIII |     | Matt 6,10                          | På jorden som i himmelen             |   | 09 | 77   |
| 82f1 | 17003007 | RettfF   | F   | Ester 3,7-11;4,1-17;9,20-22        | Ester redder sitt folk               |   | 07 |      |
| 830o |          |          |     | <b>For forfulgte</b>               |                                      |   |    |      |
| 83a1 | 24020007 | ForfI    | I   | Jer 20,7-13                        | Jeg har overlatt min sak til deg     | O | 07 | 77   |
| 83a3 | 60005007 | ForfI    |     | 1 Pet 5,7-11                       | En kort tid må dere nok lide         |   | 07 | 77   |

|      |          |         |     |                     |                                |   |    |  |    |
|------|----------|---------|-----|---------------------|--------------------------------|---|----|--|----|
| 83a5 | 43015017 | ForfI   |     | Joh 15,17-21        | Derfor hater verden dere       |   | 07 |  |    |
| 83b1 | 18017007 | ForfII  | II  | Job 17,7-15         | Er det noen som øyner håp      |   | 09 |  |    |
| 83b3 | 58010032 | ForfII  |     | Hebr 10,32-39       | Dere led med dem               | O | 09 |  | 77 |
| 83b5 | 42021010 | ForfII  |     | Luk 21,10-19        | Da skal dere få vitne          |   | 09 |  |    |
| 83c1 | 02003007 | ForfIII | III | 2 Mos 3,7-10        | Nødpet har nådd opp til meg    |   | 07 |  | 77 |
| 83c3 | 46012012 | ForfIII |     | 1 Kor 12,12-27      | Lemmer på Kristi kropp         | O | 09 |  | 77 |
| 83c5 | 40005010 | ForfIII |     | Matt 5,10-12        | Salige er de som blir forfulgt | O | 09 |  | 77 |
| 83f1 | 44006008 | ForfF   | F   | Apg 6,8-15;7,55-8,1 | Stefanus steines               |   | 07 |  | 77 |